SSC GD 2024

DEMO-1

अवसर बैच

हिन्दी

पाठ्यक्रम

① संज्ञा
② सर्वनाम
③ क्रिया
④ विशेषण
⑤ वाच्य
⑥ काल
⑦ अव्यय

(वर्ष 2023)

① विलोम
② वाक्यांश
③ रिक्त स्थान / पुल्लिंग
④ पर्यायवाची / रिक्त स्थान
⑤ मुहावरे
⑥ तत्सम तद्भव
⑦ शब्दों का योग
⑧ वर्तनी
⑨ वाक्य शुद्धि (त्रुटि)
⑩ गद्यांश

विलोम शब्द

① किसी शब्द का विपरीत अर्थ देने वाला उसका विलोम या विपरीतार्थक कहा जाता है।

1. तत्सम शब्द का विलोम तत्सम ही लिखना चाहिए। (रात्रि - दिवा)
2. तद्भव शब्द का विलोम तद्भव ही लिखना चाहिए। (रात - दिन)
3. लिंग परिवर्तन करके विलोम शब्द बनाना।
4. जातीय शब्दों द्वारा विलोम शब्द
   - ① अधिकतम — न्यूनतम
   - ② अनुराग — विराग
   - ③ आजाद — गुलाम
5. समास के पद द्वारा विलोम शब्द
   - ① संभव — असंभव

⑨ अनाथ – सनाथ
⑩ उत्कर्ष – अपकर्ष

6. उपसर्ग के द्वारा विलोम शब्द

① अभ्यास – अनभ्यास
② अनुरूप – प्रतिरूप
③ ईश्वर – अनिश्वर
④ अर्जित – अनर्जित
⑤ अपराधी – निरपराध

7. उपसर्ग जोड़कर विलोम शब्द

① घात – प्रतिघात
② हिंसा – अहिंसा
③ चर – अचर
④ आर्ष – अनार्ष

उपसर्ग बदलकर उस शब्द का अर्थ बदलना

① अश्लील – श्लील
② आहूत – अनाहूत
③ अभिज्ञ – अनभिज्ञ
④ अमित – परिमित
⑤ अनाथ – सनाथ

① 'निरक्षर' शब्द का विलोम क्या होगा?

ⓐ साक्षर ✓
ⓑ अनपढ़
ⓒ अपढ़
ⓓ महान

② भारत में कहीं अतिवृष्टि से बाढ़ आती है तो कहीं ---से सूखा पड़ता है।

ⓐ सुवृष्टि
ⓑ अनावृष्टि ✓
ⓒ वृष्टि
ⓓ लघुवृष्टि

③ सभ्य व्यक्ति किसी का अपमान नहीं करते हैं।

ⓐ भद्र ⓑ शील ⓒ शालीन ⓓ असभ्य ✓

(4) प्रशंसनीय का विलोम होगा।

(a) अभिनंदनीय
(b) निंदनीय ✓
(c) स्तुत्य
(d) अनिंदनीय

(5) आकाश में तारे निकले हुए हैं।

(a) आसमान
(b) पाताल ✓
(c) उदर
(d) वन

(6) प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नहीं होती।

(a) दीर्घ
(b) परोक्ष / अप्रत्यक्ष (✓)
(c) समक्ष
(d) ओझा

(7) 'असफल' का विलोम शब्द क्या होगा?

(a) सफल ✓
(b) विगत
(c) निष्फल
(d) विफल

(8) आज अमावस्या की रात है।

(a) पूर्ण (b) एकादशी (c) काली (d) पूर्णिमा ✓

(9) घृणा को ____ से जीतो।

(a) ईर्ष्या
(b) प्रेम ✓
(c) लोभ
(d) गुस्से

(10) दिए गए शब्द का विलोम चुनें।

'यश'

(a) सुयश (b) अपयश (c) नीरस (d) नीरव

(11) 'निर्जीव' का विलोम शब्द होगा।
(a) सजीव ✓ (b) सह्जीव (c) अजीव (d) सगुण

(12) "गरल" का विलोम शब्द चयन करें।
(a) शर्बत (b) सुधा ✓ (c) रस (d) जल

(13) दिए गए शब्द का विलोम चुनें।
'लघु'
(a) महान
(b) सौम्य
(c) दाता
(d) गुरु ✓

(14) दिए गए शब्द का विलोम चुनें।
'परकीय'
(a) क्षत्रिय
(b) लाघव
(c) दृश्य
(d) स्वकीय ✓
↳ वह विवाहित महिला जो अपने पति पर आश्रित होती है।

(15) संसार नश्वर है।
(a) संपन्न
(b) दानव
(c) सहित
(d) अनश्वर ✓

(16) सामान का दुरुपयोग न करें।
(a) सदुपयोग ✓
(b) कठोर
(c) निरुपयोग
(d) कुप्रयोग

(17) महाभारत में कहा गया है कि जो सब धर्मों को सम्मान नहीं देता, वह धर्म नहीं _____ है।

(a) सधर्म
(b) तपस्या
(c) अधर्म
(d) आचार

(18) इस प्रकार राम सीता की खोज में (विरल) ___ वन के अंदर आगे बढ़ते गये।

(a) जटिल
(b) दुर्लभ
(c) सघन
(d) कठिन

(19) हमें ढीलेपन से काम करना चाहिए।

(a) स्फूर्ति
(b) चौड़ापन
(c) छोटापन
(d) अपनापन

(20) सफर के दौरान हमने देखा कि फलों से (अवनत) ___ डालियाँ धरती को चूम रही है।

(a) झुकी हुई
(b) लदी
(c) भरी
(d) उन्नत

अवसर बैंच

DEMO-2

विलोम शब्द

① अनुयायी (किसी आस्था के कारण विशिष्ट व्यक्ति में विश्वास करता है) ⇒ विरोधी

② अंधकार ⇒ प्रकाश

③ अंत (समाप्त)/अनादि ⇒ आदि

④ अग्नि ⇒ जल

⑤ अच्छा ⇒ बुरा

⑥ अटल (न बदलना) ⇒ ढुलमुल

⑦ अधिकतम (बहुत ज्यादा) ⇒ न्यूनतम

⑧ अनुभवी (जानकार) ⇒ अनुभवहीन

⑨ अनुग्रह (दूसरे का दुःख दूर करने की इच्छा)/कृपा ⇒ विग्रह

⑩ आहूत (बुलाया गया, आमंत्रित, निमंत्रित) ⇒ अनाहूत

⑪ रूचि (इच्छा) ⇒ अरुचि

⑫ अंदर ⇒ बाहर

⑬ अंगीकार (स्वीकार करना) ⇒ अनंगीकार

⑭ अंतरंग (घनिष्ठ, शरीर के भीतरी अंग) ⇒ बहिरंग

⑮ पास (निकट, समीप) ⇒ दूर

⑯ अग्र (आगे) ⇒ पश्च (पीछे)

(17) अग्रज (पहले जन्मा हुआ, बड़ा भाई) ⇒ अनुज (छोटा भाई)

(18) अज्ञ (जो कुछ भी नहीं जानता) ⇒ विज्ञ

(19) अल्पज्ञ ⇒ सर्वज्ञ

(20) अथ (शुरुआत, मंगल सूचक शब्द) ⇒ इति (समाप्ति)

(21) श्री गणेश ⇒ इति श्री

(22) अधम (नीच व्यक्ति ⇒ उत्तम

(23) अधीन (किसी पर आश्रित रहने वाला) ⇒ स्वतंत्र

(24) अनंत (जिसका अंत न हो) ⇒ ससीम

(25) अनाथ (जिसके माता-पिता न हो) ⇒ सनाथ

(26) अतिवृष्टि (ज्यादा वर्षा) ⇒ अनावृष्टि

(27) अभिमुख (किसी की ओर मुँह किए हुए) ⇒ प्रतिमुख

(28) अमावस्या (चंद्रमा रहित रात) ⇒ पूर्णिमा

(29) अमीर (जिसके पास धन होता है) ⇒ गरीब

(30) अमृत (देवताओं का पेय पदार्थ) ⇒ विष

(29) अर्जित (कमाया हुआ) ⇒ अनर्जित

अवसर बैंच

विलोम शब्द

(30) अभिज्ञ (जानने वाला, ज्ञाता) ⇒ अनभिज्ञ (अनजान)

(31) अवनि (भूमि, धरती, धरा, जमीन) ⇒ अंबर / अम्बर

(32) अनाजी (जो अनाज से बना हो) ⇒ फलाहारी

(33) अमर (न मरने वाला) ⇒ मर्त्य

(34) अर्जन (संग्रह करना) ⇒ व्ययन (खर्च)

(35) अर्पण (भेंट करना) ⇒ ग्रहण

(36) अनुरूप (समान रूप वाला) ⇒ प्रतिरूप

(37) अल्पप्राण (जिनको बोलने में कम वायु की आवश्यकता होती है) ⇒ महाप्राण

(38) अहिंसा (किसी जीव को न मारना) ⇒ हिंसा

(39) आजादी ⇒ गुलामी

(40) आज्ञाकारी (आज्ञा मानने वाला) ⇒ अवज्ञाकारी

(41) आय (कमाई) ⇒ व्यय (खर्चा)

(42) आडम्बर (दिखावा) ⇒ सादगी

(43) आबाद (खुशहाल) ⇒ बर्बाद

(44) आयात (आया हुआ) ⇒ निर्यात

(45) आदान (लेना) ⇒ प्रदान

(46) आक्रमण (हमला) ⇒ प्रतिरक्षा

(47) आगामी (आने वाला) ⇒ विगत (बीता हुआ)

(48) आदर (सम्मान) ⇒ निरादर

(49) ईमानदारी (सत्यनिष्ठा) ⇒ बेईमानी

(50) उन्नत (उठा हुआ) ⇒ अवनत

(51) उधार (मँगनी, कर्ज) ⇒ नगद

(52) उपकार (भलाई) ⇒ अपकार

(53) उल्लास (खुशी) ⇒ विषाद

(54) उपरिलिखित (ऊपर लिखा/दिया हुआ) ⇒ निम्नलिखित/अधोलिखित

(55) उन्मूलन (उखाड़ना) ⇒ रोपण

(56) उद्यम (प्रयत्न, मेहनती) ⇒ आलस्य

(57) उपजाऊ (पैदावार वाली भूमि) ⇒ अनुपजाऊ/बंजर

(58) ऊपर ⇒ नीचे

(59) उचित (ठीक) ⇒ अनुचित

(60) उत्तरी ⇒ दक्षिणी

(61) ऊर्ध्वगामी (ऊपर गया हुआ) ⇒ अधोगामी

(62) उग्र (भयानक) ⇒ सौम्य

(63) उत्कर्ष (उन्नति) ⇒ अपकर्ष

(64) उत्तीर्ण (पास हुआ) ⇒ अनुत्तीर्ण

(65) ऋजु (सीधा) ⇒ वक्र (तिरछा)

(66) ऋण ग्रस्त (कर्जदार) ⇒ ऋणमुक्त

(67) एकता (मेल - जोल) ⇒ अनेकता

(68) एक ⇒ अनेक

(69) एड़ी ⇒ चोटी

(70) एकाग्र/तल्लीन (एक ही विषय में ध्यान लगाने वाला) ⇒ चंचल

(71) कीर्ति (प्रसिद्धि/ख्याती) ⇒ अपकीर्ति

Part-4

विलोम शब्द

(73) अतल (बिना पेंदे का) ⇒ वितल
(74) कसूरवार ⇒ बेकसूर / निर्दोष
(75) अदेय (न देने योग्य) ⇒ देय
(76) अधिकार (हक) ⇒ अनधिकार
(77) अधिकृत (अधिकार) ⇒ अनधिकृत
(78) आमिष (मांस सहित) ⇒ निरामिष (बिना मांस का
(79) उपत्यका (पर्वत के नीचे की भूमि) ⇒ अधित्यका
(80) ऋद्धि (सफलता) ⇒ विपन्न (असफलता)
(81) एकाग्र (स्थिर) ⇒ चंचल
(82) अमित (बेहद) ⇒ परिमित (जिसकी हद है)
(83) चिरंजीवी / चिरायु ⇒ अल्पजीवी / अल्पायु
(84) तारुण्य (जवानी) ⇒ वार्द्धक्य
(85) तन्वंगी (कमजोर स्त्री) ⇒ स्थूलंगी (ताकतवर स्त्री)
(86) निषेध (नियम के विरुद्ध ⇒ विधि (नियम के अनुसार)
(87) निरामिष (मांसरहित) ⇒ आमिष / सामिष
(88) दैविक / आध्यात्मिक ⇒ भौतिक
(89) प्रस्फुटन (खिलना) ⇒ मुकुलन
(90) कर्कश (कठोर, निर्दय) ⇒ मधुर
(91) श्री गणेश (आरम्भ) ⇒ इतिश्री (समाप्त)
(92) अर्वाचीन (नया) ⇒ प्राचीन (पुराना)
(93) ऋजु (सीधा) ⇒ वक्र (तिरछा)
(94) अनिवार्य (जरूरी) ⇒ वैकल्पिक / ऐच्छिक
(95) आविर्भाव (प्रकट होना) ⇒ तिरोभाव (छुपना)

(96) ग्रस्त ⇒ मुक्त

(97) रुग्ण (बीमारी) ⇒ स्वस्थ

(98) सहोदर (एक माता) ⇒ अन्योदर

(99) उन्मूलन (उखाड़ना) ⇒ रोपण

(100) परोक्ष / अप्रत्यक्ष ⇒ प्रत्यक्ष

(101) कृतज्ञ (उपकार मानने वाला) ⇒ कृतघ्न

(102) गरल (जहर) ⇒ सुधा

(103) सन्धि (मेल, दोस्ती) ⇒ विग्रह

(104) समास (संक्षेप) ⇒ व्यास (कथावाचक)

(105) हर्ष (खुशी) / उल्लास ⇒ विषाद

(106) मूक (कम बोलने वाला) ⇒ वाचाल (ज्यादा बोलने वाला)

(107) सामान्य ⇒ विशिष्ट

(108) मसृण (चिकना) ⇒ रूक्ष (रूखा)

(109) चिरन्तन ⇒ नश्वर (नाश होना)

(110) स्थावर (स्थिर) ⇒ जंगम (चलितवान / अस्थिर)

(111) पाश्चात्य (पिछला) ⇒ पौरस्त्य (सामने)

(112) नैसर्गिक (प्राकृतिक) ⇒ कृत्रिम (बनावटी)

(113) समष्टि (सामूहिकता) ⇒ व्यष्टि (एक व्यक्ति)

(114) ध्वंस ⇒ सृजन

(115) नूतन (नया) ⇒ पुरातन

(116) कीर्ति (यश) ⇒ अपकीर्ति

Part-5 विलोम शब्द

(116) तरुण (नवयुवक) ⇒ वृद्ध
(117) शुष्क (सूखा) ⇒ आर्द्र (गीला)
(118) आवृत (ढ़िपा हुआ) ⇒ अनावृत्त (दिखता हुआ)
(119) उदयाचल / उदय (निकला) ⇒ अस्ताचल / अस्त (ढ़िपना)
(120) ग्राह्य ⇒ त्याज्य
(121) जाग्रत (जागा हुआ) ⇒ सुषुप्त (सोया हुआ)
(122) ऋणात्मक ⇒ धनात्मक
(123) विधवा (जिसका पति मर गया हो) ⇒ सधवा (जिसका पति जीवित है)
(124) पण्डित ⇒ मूर्ख
(125) कृत्रिम (बनावटी) ⇒ प्राकृतिक
(26) वैभव (समृद्धि) ⇒ पराभव
(127) महात्मा (महान आत्मा वाला) ⇒ दुरात्मा
(28) उत्तरायण ⇒ दक्षिणायन
(129) थूक ⇒ फुटकर, खुदरा
(130) स्वार्थ (अपना मतलब) ⇒ परमार्थ (निःस्वार्थ)
(131) कल्पित (मनगढ़ंत) ⇒ यथार्थ (वास्तविक)
(92) आरोह (बढ़ता हुआ क्रम) ⇒ अवरोह
(133) घात ⇒ प्रतिघात
(134) क्षणिक (थोड़े समय के लिए) ⇒ शाश्वत
(135) तेजस्वी ⇒ निस्तेज
(136) सृष्टि ⇒ प्रलय
(137) उत्थान (उठना) ⇒ पतन

(138) ज्येष्ठ ⇒ कनिष्ठ

(139) जड़ (नींव, आधार) / अचेतन ⇒ चेतन

(140) उन्मीलन (खुलना) ⇒ निमीलन

(141) राजा ⇒ रंक, प्रजा, रानी

(142) चिरायु (लम्बी उम्र) ⇒ अल्पायु (कम उम्र)

(143) संश्लेषण (जोड़ना) ⇒ विश्लेषण (तोड़ना)

(144) अधुनातन (नया) ⇒ पुरातन (पुराना)

(145) निन्दा (बुराई करना) ⇒ स्तुति / प्रशंसा

(146) धवल (निर्मल, स्वच्छ) ⇒ कृष्ण / श्याम

(147) तिमिर (अंधकार) ⇒ आलोक (प्रकाश)

(148) परुष (कठोर) ⇒ कोमल

(149) आरूढ़ (सवार, आसीन) ⇒ अनारुढ़

(150) निर्मल ⇒ मालिन

(151) मानव ⇒ दानव

(152) अपव्ययी ⇒ मितव्ययी

(153) आसक्त (लगा हुआ) ⇒ अनासक्त / विरक्त

(154) सकारात्मक ⇒ नकारात्मक

(155) धनवान ⇒ निर्धन / अकिंचन

(156) यौवन (युवावस्था) ⇒ जरा (बुढ़ापा)

(157) अनुरक्ति (प्रेम) ⇒ विरक्ति (घृणा)

(158) विख्यात ⇒ कुख्यात

(159) उन्मुख (उत्सुक) ⇒ विमुख

(160) स्तुत्य (प्रशंसनीय) ⇒ निंदा / हेय (निंदनीय)

Part-6 विलोम शब्द

(161) कृपण (कंजूस) ⇒ दानी
(162) कौटिल्य (टेढ़ापन) ⇒ आर्जव (सीधापन)
(163) भूगोल ⇒ खगोल
(164) अवर (छोटा, कनिष्ठ) ⇒ प्रवर
(165) वादी ⇒ प्रतिवादी
(166) आवेशित ⇒ अनावेशित
(167) सुलभ (सहज) ⇒ दुर्लभ
(168) परिश्रम ⇒ विश्राम
(169) विहित (उचित, मुनासिब) ⇒ निषिद्ध (अनुचित)
(170) सहयोगी ⇒ प्रतियोगी
(171) स्वाधीन ⇒ पराधीन
(172) शुक्ल (सफेद) ⇒ कृष्ण (काला)
(173) तीक्ष्ण (तीव्र) ⇒ मंद (धीमा)
(174) उपार्जित (कमाया हुआ) ⇒ अनुपार्जित
(175) अक्षर ⇒ क्षर (मिटने योग्य हो)
(176) कृश (दुबला) ⇒ हृस्ट-पुस्ट / स्थूल / मजबूत
(177) खंडन ⇒ मंडन
(178) चपल (गतिमान ⇒ गंभीर
(179) भ्रान्त ⇒ निर्भ्रान्त
(180) गुरु ⇒ शिल्प / लघु / ह्रस्व
(181) तृष्णा (प्यास) ⇒ वितृष्णा
(182) तटस्थ (निकट) ⇒ आसक्त (दूर)

(183) संघटन (मेल) → विघटन
(184) प्रवेश → निकास
(185) पराजय (हराना) → विजय (जीत)
(186) ईप्सित (चाहा हुआ) → अनीप्सित (बिना चाहा हुआ)
(187) दया → बेदया
(188) निष्काम → सकाम
(189) पूर्ववर्ती → परवर्ती
(190) मिथ्या (झूठ) → सत्य (सच)
(191) इहलोक (यह जगत) → परलोक (दूसरा जगत)
(192) स्वतन्त्रतापूर्वक → दासतापूर्वक
(193) मौखिक → लिखित
(194) अपना → पराया
(195) आधिक्य → अनाधिक्य
(196) उत्कर्ष → अपकर्ष
(197) कोलाहल (शोर, हल्ला) → शांत
(198) गहरा → हिहला / उथला
(199) कलंकित → निष्कलंक
(200) एकपक्षीय → बहुपक्षीय
(201) वसंत (फूलों का गुच्छा) → पतझड़
(202) शूरता → भीरुता
(203) सुदूर → सन्निकट
(204) स्वाधीनता → पराधीनता
(205) अपशकुन → शकुन
(206) मूढ़ (मूर्ख) → ज्ञानी

(206) निर्भीक ➡ कायर

(207) वांछनीय (चाहने योग्य) ➡ अवांछनीय

(208) सुगंध ➡ दुर्गंध

(209) सुंदरता ➡ कुरूपता

(210) रक्षक ➡ भक्षक

(220) व्याप्त (फैला हुआ) ➡ अव्याप्त

लिंग

- लिंग का शाब्दिक अर्थ – चिह्न, चिह्न की पहचान।
- लिंग संस्कृत भाषा का शब्द है।
- हाथी (ई)

⇒ आज गाँव में **हाथी** आया है।

⇒ आज गाँव में **बरात** आयी है।

⇒ आज बहुत तेज ____ चल रही है।

(A) धूप
(B) हवा ✓
(C) छाया
(D) शाम

⇒ रात ____ के झटके आए थे।

(A) तूफान (B) भूकम्प (C) हवा (D) पवन

परिभाषा :– जो शब्द स्त्री, पुरुष जाति का बोध कराते है, लिंग कहलाते है।

उदाहरण –

पुल्लिंग	स्त्रीलिंग
हाथी	हथिनी

रौशन — रौशनी
मौहन — मौहिनी
लड़का — लड़की

⊙ **हिन्दी में लिंग के भेद** — दो (2)

① स्त्रीलिंग
② पुल्लिंग

① **स्त्रीलिंग** – जिन शब्दों से स्त्री जाति का पता चलता है, उन्हें स्त्रीलिंग कहते हैं।

जैसे – कुर्सी, कलम, पुस्तक, लड़की, पंडिताइन आदि।

② **पुल्लिंग** – जिन शब्दो से पुरुष जाति का पता चलता है, उन्हें पुल्लिंग कहते हैं।

जैसे – लड़का, पंखा, दही, पानी, हाथी आदि।

③ **उभयलिंग** – वे शब्द जो स्त्री, पुरुष दोनों के लिए प्रयोग किए जाते हैं उभयलिंग कहलाते हैं।

जैसे – डॉ० राकेश कुमार, डॉ० रीना कुमारी
प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, ड्राईवर, प्रोफेसर, राष्ट्रपति, राज्यपाल, वकील आदि।

पुरुष (पुल्लिंग	स्त्री (स्त्रीलिंग)
(1) लड़का, पंखा, कबूतर, मोबाइल, कवि, लेखक मोती, बैंड (एलंग), तकिया, चश्मा हाथी, पानी, दही, जूता	लड़की, घड़ी, कबूतरी, कवयित्री लेखिका, , , कलम, पुस्तक, थाला, सब्जी, कटोरी चम्मच, लाईट, दीवार, नदी, नाक

टीवी , कूलर , पहाड़ पर्वत चमचा , चार्जर , शीशा लड्डू , घी , राजा , गमछा कैमरा आदि ।	आँख , मेज । डायरी उंगली , कमीज , पैंट रानी , मेंज , कुर्सी , बिजली आदि ।

Part-2 लिंग

① **सोमवार** को मैं दिल्ली जाऊँगा। (पुल्लिंग)

② **सोमवार** को मैं दिल्ली जाऊँगी। (स्त्रीलिंग)

निम्न खाली स्थान को पुल्लिंग शब्द से पूर्ण कीजिए।

(A) गंगा
(B) सोमवार ✓
(C) इकाई
(D) घड़ी

① कबूतर — कबूतरी
② मोर — मोरनी
③ मुर्गा — मुर्गी
④ बकरा — बकरी
⑤ शेर — शेरनी
⑥ चाचा — चाची
⑦ दादा — दादी
⑧ मैना — नर मैना
⑨ जवान — मादा जवान
⑩ कोयल — नर कोयल
⑪ कटोरी — कटोरा
⑫ मक्खी — नर मक्खी
⑬ कौआ — मादा कौआ
⑭ हाथी — हथिनी
⑮ गाय — बैल
⑯ भैंस — भैंसा

① हमेशा पुल्लिंग में प्रयोग होने वाले शब्द

① जलीय व स्थलीय भागों के नाम पुल्लिंग होते हैं।

प्रशान्त महासागर, हिंदमहासागर, द्वीप, प्रायद्वीप प्रदेश, ग्राम, राज्य, जिला, पर्वत, पठार आदि।

Note- अपवाद – नहर, झील, नदी आदि (स्त्रीलिंग)

② **वृक्षों के नाम:-** शीशम, पीपल, बरगद, आम, अनार, केला, चीड़, अखरोट आदि।

③ **प्राणी वाचक शब्द :-** वृद्ध, आदमी, पुरुष, लड़का, पंडित, जाट, गुर्जर, युवक, शेर हाथी, मोहन, सैनिक जवान आदि।

④ **देशों के नाम :-** भारत, इंग्लैण्ड, अमेरिका, चीन, जापान, पाकिस्तान आदि।

अपवाद – श्रीलंका (स्त्रीलिंग)

⑤ **पर्वतों के नाम** – हिमालय, हिमाचल, विंध्यांचल, राकी पर्वत नीलगिरि आदि (अरावली पर्वत)

⑥ **ग्रहों के नाम** – शुक्र, शनि, बुध, सूर्य, बृहस्पति आदि।

अपवाद – पृथ्वी (स्त्रीलिंग)

⑦ **समय दिन / मास** – 12 बजे, सैकेण्ड, मिनट, घंटा, सोमवार, रविवार, मंगलवार, चैत, वैशाख, ज्येष्ठ ~~आषाढ~~ आषाढ़, जनवरी, फरवरी आदि।

⑧ **द्रव पदार्थों के नाम** – पानी, दही, तेल, घी, डीजल, पेट्रोल सिरका आदि।

अपवाद – चाय, लस्सी, सिंकजी आदि।

Part-3 **लिंग**

(9) **रत्न स्वं धातुओं के नाम :—** हीरा, पन्ना, मोती, सोना, पीतल, तांबा, जस्ता आदि।

अपवाद - चाँदी (स्त्रीलिंग), मणि (स्त्रीलिंग)

(10) **अनाजों के नाम पुल्लिंग होते हैं —** गेहूँ, चना, जौ, चावल, बाजरा।

अपवाद - ज्वार, जई (स्त्रीलिंग)

(11) **शरीर के अंगों के नाम —** मस्तक (माथा) कान, होंठ, हाथ बाल, पैर, नख (नाखून), दाँत, सिर आदि)

(12) **वर्णमाला के अक्षर पुल्लिंग —** अ, आ, उ, ऊ, ए, ऐ, क ख, ग, घ, ज, र, म, क, ह, श ष, स

अपवाद — इ ई ऋ (स्त्रीलिंग)

(13) ना, आव, पन, त्व, आपा पीछे लगा होता है, वे शब्द भी पुल्लिंग होते हैं।

⇒ जागना, सोना, रोना, हँसना, दिखाव, बहाव, बचपन, अपनापन, मानवत्व, बुढ़ापा, भोलापा आदि।

(14) **समूहवाचक शब्द पुल्लिंग होते हैं —** परिवार, दल, मंडल, संघ, चाबी का गुच्छा।

अपवाद — भीड़, सेना, कक्षा, सभा, समिति (स्त्रीलिंग)

⑮ **त्योहारों के नाम पुल्लिंग होते हैं** – दीपावली, होली, ईद, छठपूजा, रक्षाबंधन, दशहरा (विजयदशमी) आदि।

स्त्रीलिंग

① **कुछ सामासिक शब्द स्त्रीलिंग होते हैं** – पर्णकुटी, धर्मशाला, पाठशाला, मीनाक्षी।

अपवाद – विद्यालय, पीतांबर आदि।

② **किराने की वस्तुएँ** – अजवाइन, सौंफ, हल्दी, इलायची, कालीमिर्च, लौंग, हींग, सुपारी, जावत्री आदि।

अपवाद – जीरा, नमक, जायफल, तेजपात

Q. मिर्च का लिंग बताओ?

Ⓐ पुल्लिंग Ⓑ ✓ स्त्रीलिंग Ⓒ उभयलिंग Ⓓ इनमें से कोई नहीं

③ **नक्षत्रों के नाम** – अश्वनी, चित्रा, भरणी, रोहिणी आदि।

④ **जिन शब्दों के अंत में इया आता है** – खटिया, लुटिया, बुढ़िया, कुटिया, पुड़िया आदि।

⑤ **नदियों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं।** – गंगा, यमुना, गोदावरी, कावेरी, कृष्णा, झेलम, सतलज, कोसी आदि।

अपवाद – ब्रह्मपुत्र, सोन

⑥ **तिथियों एवं तारीख के नाम स्त्रीलिंग होते हैं** – प्रतिपदा, द्वितीया, एकादशी, सप्तमी, अष्टमी, नवमी, अमावस्या, पूर्णिमा, आदि।

⑦ **प्राणीवाचक संज्ञा स्त्रीलिंग** – स्त्री, महिला, दाता, औरत, अध्यापिका, बुढ़िया, बूढ़ी, सीता, माता, माँ आदि।

⑧ **शरीर के कुछ अंग** – आँख, नाक, जीभ, ठोड़ी, बाँह, कलाई, उंगली, गर्दन, नस आदि।

⑨ **ऋतुओं के नाम स्त्रीलिंग होते हैं**:– वसंत ऋतु, शरद ऋतु, ग्रीष्म ऋतु, वर्षा ऋतु आदि।

⑩ **आहारों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं** – पूड़ी - सब्जी, रोटी, कचौरी, पकौड़ी, टिक्की, कड़ी, चाऊमीन, खिचड़ी, चटनी, खीर, दाल आदि।

Part-4 लिंग

अपवाद - सलाद, दलिया, भात, पूड़े, पराँठा आदि।

⑪ आई, वट, ट, हट, आस, आदि प्रत्यय लगे होते हैं वे शब्द स्त्रीलिंग होते हैं। **(भाववाचक)**

मिठाई, खटाई, सिलाई, कढ़ाई, करवट, बनावट, सजावट, मुस्कराहट, चिल्लाहट, मिठास, खटास, मानवता, दानवता, पशुता आदि।

② ऐसे भाववाचक शब्द जो (तद्भव) होते हैं जिनके अंत में इ, ई आते हैं।

विधि (आग्नि), हवि, नगरी, कचहरी, नदी, बोली, चिट्ठी, लेखनी, गरमी, सरदी, गोली आदि।

⑬ भाषाओं एवं बोलियाँ, लिपियाँ स्त्रीलिंग होती हैं।

संस्कृत, हिन्दी, तेलगु, पहाड़ी, देवनागरी, मगही, ब्रजभाषा, गुरुमुखी खड़ी बोली, मराठी, पंजाबी, आदि।

पुल्लिंग		स्त्रीलिंग	
	(अ)		(आ)
①	बाल	बाला	
②	आचार्य	आचार्या	
③	प्रिय	प्रिया	
④	कृष्ण	कृष्णा	
⑤	सुत	सुता	
⑥	शिष्य	शिष्या	
	(अ)		(ई)
⑦	गोप	गोपी	
⑧	काका	काकी	

(9) तीतर — तीतरी
(10) दास — दासी
(11) गीदड़ — गीदड़ी
(12) दादा — दादी
(13) नाना — नानी
(14) लड़का — लड़की
(15) गधा — गधी
(16) घोड़ा — घोड़ी
(17) पुत्र — पुत्री
(18) नौकर — नौकरानी
(19) सेठ — सेठानी
(20) देवर — देवरानी
(21) पंडित — पंडितानी
(22) इंद्र — इंद्राणी
(23) मास्टर — मास्टरनी

इका

(40) लेखक — लेखिका
(41) पाठक — पाठिका
(42) गायक — गायिका
(43) बालक — बालिका
(44) सेवक — सेविका
(45) अध्यापक — अध्यापिका

(अता प्रत्यय लगाकर स्त्रीलिंग बनता है)

(46) भगवान् — भगवती
(47) धनवान् — धनवती

आइन लगाकर स्त्रीलिंग बनाना

(24) गुरु — गुरुआइन
(25) लाला — ललाइन
(26) ठाकुर — ठकुराइन

इन

(27) शुक्ल — शुक्लाइन
(28) लोहार — लोहारिन
(29) अहीर (यादव) — अहीरिन
(30) जुलाहा — जुलाहिन
(31) नाग — नागिन
(32) कुम्हार — कुम्हारिन (प्रजापति)
(33) ग्वाला — ग्वालिन
(34) हलवाई — हलवाइन
(35) नाई — नाइन
(36) पुजारी — पुजारिन
(37) धोबी — धोबिन
(38) पड़ोसी — पड़ोसिन
(39) सुनार (सोने का काम करने वाला) — सुनारिन

(48) बलवान् — बलवती
(49) महान् — महती
(50) श्रीमान् — श्रीमती
(51) आयुष्मान् — आयुष्मती
(52) रूपवान् — रूपवती
(53) स्वामी (इनी) — स्वामिनी
(54) तपस्वी — तपस्विनी

(55) यशस्वी — यशस्विनी
(56) संन्यासी — संन्यासिनी

(इया).

(57) चिड़ा — चिड़िया
(58) बूढ़ा — बुढ़िया
(59) लौता — लुतिया
(60) चूहा — चुहिया

नी

(61) ऊँट — ऊँटनी
(62) शील — शीलनी
(63) चौर — चौरनी
(64) दाता — दात्री
(65) नेता — नेत्री
(66) रचयिता — रचयित्री
(67) कर्ता — कर्त्री
(68) धाता — धात्री
(69) वक्ता — वक्त्री
(70) भर्ता — भर्त्री

गुण परिवर्तन करके

(71) युवक — युवती
(72) युवती — युवक
(73) वीर — वीरांगना
(74) आदमी — औरत
(75) नर — वधू
(76) सम्राट — सम्राज्ञी
(77) साधु — साध्वी
(78) विद्वान — विदुषी (पढ़ी लिखी)
(79) जाट — जाटनी

नित्यलिंग — जो पुरुष या स्त्री ही होते हैं. उनमें नर और मादा लगाकर लिंग परिवर्तन किया जाता है।

(79) कौआ — मादा कौआ
(80) मच्छर — मादा मच्छर
(81) चीता — मादा चीता
(82) तोता — मादा तोता
(83) मक्खी — नर मक्खी
(84) मछली — नर मछली
(85) उल्लू — मादा उल्लू
(86) कोयल — नर कोयल
(87) भेड़िया — मादा भेड़िया
(88) खरगोश — मादा खरगोश
(89) खटमल — मादा खटमल
(90) बाज — मादा बाज
(91) मैना — नर मैना
(92) चीता — मादा चीता
(93) कछुआ — मादा कछुआ
(94) तितली — नर तितली

1) नि० लि० प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान के लिए सही स्त्रीलिंग रूप वाला विकल्प हो।

(1) क्या हुआ है तुम्हें, तुम्हारी वह ____ अब नहीं रही।

(a) स्वास्थ्य
(b) खबर
(c) होश
(d) चमक ✓

(2) उसके चेहरे पर ____ लगातार गिर रही है।

(a) ताज
(b) छप्पर
(c) कुर्ता
(d) बूँदें ✓

तत्सम - तद्भव

शब्द:— ① सार्थक (अर्थ के साथ) → रोटी / जल / घर / चाय
② निरर्थक (अर्थ के बिना) → वोटी / वल / वर / वाय

① बनावट के आधार शब्द → (3)

① रूढ़ शब्द ② यौगिक ③ योगरूढ़

② उत्पत्ति के आधार पर शब्द → (4)

1. तत्सम
2. तद्भव
3. देशज
4. विदेशज

Q) रामपाल जी की बेटी शहर में बड़ी ___ बनी है।
रिक्त स्थान की पूर्ति विदेशज शब्द से कीजिए।
(A) डाक्टर (B) अफसर (C) नेता (D) अभिनेत्री

① तत्सम :— तत् + सम
↓ ↓
उसके समान (संस्कृत)

⊙ परिभाषा :— वे शब्द जो संस्कृत भाषा से आए हैं और उनका प्रयोग हम हिन्दी में बगैर किसी बदलाव के करते हैं, वे शब्द तत्सम शब्द कहलाते हैं।

उदाहरण :— गेहूँ → गोधूम
घर → गृह

तत्सम शब्द की पहचान :— ① संयुक्त वर्णों का प्रयोग तत्सम शब्दों

में किया जाता है।

संयुक्त वर्ण → क्ष, त्र, ज्ञ, श्र

② ं अनुस्वार का प्रयोग तत्सम शब्द में किया जाता है।

अँधा → अंध

③ श, ष, व का प्रयोग हमेशा तत्सम शब्दों में होता है।

आसाढ़ → आषाढ़
बँदर → वानर

④ आधा वर्ण, ऋ का प्रयोग तत्सम शब्दों में किया जाता है।

अदरक → आर्द्रक ऋषि, शृंगार

विशेष / Note:- जो शब्द बोलने में, लिखने में कठिन होते हैं, वे शब्द तत्सम (संस्कृत) के होते है।

तद्भव:- तत् + भव
↓ ↓
उससे उत्पन्न होने वाले शब्द

परिभाषा:- जो शब्द संस्कृत से थोड़ा-सा बदलाव (परिवर्तन) करके हिन्दी भाषा में प्रयोग किए जाते है, वे शब्द तद्भव शब्द कहलाते है।

पहचान:- ड़, ढ़, ख ; स, ह, ँ सभी वर्ण तद्भव शब्दों में आते है।

तद्भव – चाँद, खेत, कबूतर, आग
↓ ↓ ↓ ↓
तत्सम – चंद्र क्षेत्र कपोत अग्नि

Part-2 तत्सम - तद्भव

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
अटारी	अट्टालिका	आप	आत्मा
अखाड़ा	अक्षवाट	आदत	आदत्यत्व
अकेला	एकल	आज	अद्य / अद्य
अस्सी	अशीति	आँसू	अश्रु
अषाढ़	आषाढ़	आँख	अक्षि
अमोल	अमूल्य	आस	आशा
अमचूर	आम्रचूर्ण	आलस	आलस्य
अनूठा	अनुत्त	उजाला	उज्ज्वल
अनाड़ी	अनार्य	आँवला	आमलक :
अदरक	आर्द्रक	इतवार	आदित्यवार
अँधा	अंध	ईंट	इसिका / इष्टिका
अँतड़ी	अंत	ईख	इक्षु
अँगूठी	अंगुष्ठिका	खेत	क्षेत्र
अँगरखा	अंगरक्षक	ईधन	इंधन
अँगुली	अंगुलि	उल्लू	उलूक
अँगूठा	अंगुष्ठ	उगना	उद्गत
अँगीठी	अग्निष्ठिका	ऊँट	उष्ट्र
आँच	अर्चि	ऊन	ऊर्णा
		ओझा	उपाध्याय
आ , आग	अग्नि	कंगन	कंकण
आसरा	आश्रय	कंधा	स्कंध
आम	आम्र	कहानी	कथानिका

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
काँच	काच	कटहल	कंटफल
कछुआ	कच्छप	कपूत	कुपुत्र
कपड़ा	कर्पट	कबूतर	कपोत
किवाड़	कपाट	कान	कर्ण
कुआँ	कूप		

Part-3

तत्सम – तद्भव

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
अखरोट	अक्षोट / अक्षोर	खाट	खट्वा
अनाज	अन्न	खीर	क्षीर
अमी / अमिय	अमृत	खुर	क्षुर
आशीस	आशीष	खेल	खेला
ओखली	उलूखन / उलूखन	गँवार	ग्रामीण
कचहरी	कृत्यगृह	गनेश	गणेश
कैंची	कर्त्तरी	गाँव	ग्राम
कुँवारा	कुमारक:	गागर	गर्गर
कपास	कर्पास	गाहक	ग्राहक
किसान	कृषक	गुसाईं	गोस्वामी
काजल	कज्जल	गेंद	कंदुक
कुम्हार	कुम्भकार	गेहूँ	गोधूम
कपूर	कर्पूर	गोबर	गोमय
कलेश	क्लेश	गौत	गोत्र
कर्तब	कर्तव्य	ग्यारह	एकादश
करोड़	कोटि	ग्वाल	गोपाल
काँटा	कंटक / कण्टक	घड़ा	घट
केकड़ा	कर्कट	घी	घृत
कोयल	कोकिल	घाव	घात
कौआ	काक:	घुँघर	गुठंन
खली	श्लिय	घोड़ा	घोटक
खम्भा	स्तम्भ	चना	चणक
खाँसी	कास	चाँदनी	चंद्रिका

तद्भव	तत्सम
चिड़िया	चटिका
चीता	चित्रक
छिलका	शकल
छुरी	क्षुरिका
जड़	जटा
जमाई	जमाता
जमुना	यमुना
जनेऊ	यज्ञोपवीत
जीभ	जीव्हा
जुआ	युक्त
जोगी	योगी
टकसाल	टंकशाला
ठाँव	स्थान
ठाकुर	ठक्कुर

Part-4

तत्सम - तद्भव

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
जलना	ज्वलन	डंक	दंश
जब	यदा	डाँड़	दण्ड
चबाना	चर्वण	ढीठ	धृष्ट
चाम	चर्म	तपसी	तपस्वी
चक्का	चक्र	तलवार	तरवारि
चूना	चूर्ण	ताँबा	ताम्र
चोंच	चंचु	त्योहार	तिथिवार
जाड़ा	जाड्य	तिनका	तृण
जग	जगत	आखर	अक्षर
जहाँ	यत्र	दही	दधि
झरना	निर्झर	दूध	दुग्ध
जैसा	यादृश	दाई	धात्री / धाया
जूठा	जुष्ट	थोड़ा	स्तोक
चौरी	चौरिका	दूब	दुर्वा
चौक	चतुष्क	देवर	द्विवर
चौपाया	चतुष्पद	दृग	दृक
चौंरी	चमरी	धनिया	धनिका
चुनना	चिनौति	धुआँ	धूम
छाँह	छाया	धूल	धूलि
छाता	छत्रक	धोना	धावन
छिमा	क्षमा	डाइन	डाकिनी
जिजमान	यजमान	डाढ़	दँष्ट्रा
छेनी	छेदनी	नंगा	नग्न

तद्भव	तत्सम
नखत	नक्षत्र
नन्दोई	ननांदृपति
नस	नस्य
नाई	नापित
नारियल	नारिकेल
निडर	निर्दर
नीबू	निम्बक
नीम	निम्ब
नैन	नयन
नाक	नक्र
नीचे	नीचैः
नेवला	नकुल
पंख	पक्ष
पंक्षी	पक्षी
पंगत	पंक्ति

तत्सम – तद्भव

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
जौ	यव	बेर	बदरी
जामुन	जंबु/जंबुल	भँवरा / भौंरा	भ्रमर
दातुन	दंतधावन	भतीजा	भ्रातव्य
दुल्हा	दुर्लभ	भाप	वाष्प
दियासलाई	दीपशालका	भालू	भल्लूक
धतूरा	धत्तूर	मोती	मौक्तिक
नोन	लवण	माखन	म्रक्षण
पनही	उपानह	मिर्च	मरीच / मस्चि
पलंग	पर्यंक	मामा	मातुल
पाहन	पाषाण	राखी	रक्षा / रक्षिका
पापड़	पर्पट	भैंस	महिषी
पकवान	पक्वान्न	भैंसा	महीष
पिटारा	पिटक	रोटी	रोटिका
फोड़ा	स्फोट	रसोई	रसवती
फिटकरी	स्फटिक	लंगोट	लिंगपट्ट
फाँसी	पाशिका	लौंग	लवंग
बढ़ई	वत्स (बच्चा)	लोहार	लौहकार
बरात	बरयात्रा	लेई	लेपिका
बनिया	वाणिक	लहसुन	लशुन
बैंगन	वार्ताक / व्रातक	लखपति	लक्षपति (ख-क्ष)

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
लँगड़ा	लंग	ससुराल	श्वसुरालय
शीशम	शिंशपा	सेठ	श्रेष्ठी
सूई	सूचि/सूची/सूचिका	सिक्ख (सरदार)	शिष्य
सलाई	शलाका	सौंप	समर्पय
साड़ी	शाटिका	सिंघाड़ा	शृंगाटक
सरसों	सर्षप	हल्दी	हरिद्रा
सुनार	स्वर्णकार	हुलास	उल्लास
सुअर	शूकर	हड्डी	अस्थि
हथिनी	हस्तिनी	हींग	हिंगु
हाथी	हस्ति	हिरन	हरिण

वर्तनी

परिभाषा – किसी भी भाषा के शब्द को लिखने व बोलने के लिए सही वर्णों का क्रम वर्तनी कहलाता है।

जैसे – आशीर्वाद, कर्म, वर्मा, उज्ज्वल, शृंगार

- ऋ स्वर नहीं होता है।
- व्यंजन स्वरों पर आश्रित होते है।

हिन्दी वर्णमाला में वर्णों की संख्या – 52

11 स्वर, 33 व्यंजन

स्वर – अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ ए, ऐ, ओ, औ।

- अ, इ, उ, ऋ ⇒ एक मात्रा का समय
- आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ ⇒ दो मात्रा का समय
- व्यंजनों की संख्या ⇒ (33)
- स्पर्शी व्यंजनों की संख्या ⇒ (25)
- अन्तःस्थ व्यंजनों की संख्या ⇒ (4) य र ल व
- संघर्षी व ऊष्मीय व्यंजन की संख्या ⇒ श, ष, स, ह (4)

स्पर्शी व्यंजन

K कंठ – क, ख, ग, घ, ङ
T तालु – च, छ, ज, झ, ञ
M मूर्धा – ट, ठ, ड, ढ, ण
D दंत – त, थ, द ध, न
O ओष्ठ – प, फ, ब, भ, म

- अयोगवाह → अं, अः
- 4 अन्तःस्थ → य, र, ल, व

① ५ संघर्षी व ऊष्मीय ⇒ श, ष, स, ह

② ड़, ढ़ ⇒ उत्क्षिप्त / ताड़नजात / द्विगुण
↳ रोड

ढक्कन, सड़क, रोड, बैंड

③ संयुक्त व्यंजन ⇒ (५)

क्ष, त्र, ज्ञ, श्र

क्षमिक, ज्ञान, त्रिशूल

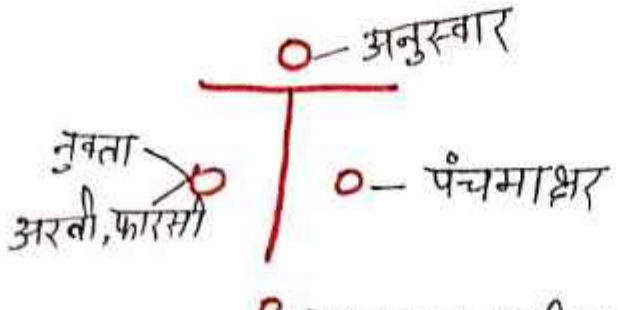

प्रिंस ⇒ प् + र् + इ + ं + स् + अ

① चंद्र — नाक
② चाँद्र — नाक + मुँह
③ आवाज़ ⇒ क़ ख़ ग़ ज़ फ़ ⇒ नुक्ता

3 ।। स्वर + 2 अयोगवाह + 33 व्यंजन + 2 ताड़नजात / उक्षिप्त +
५ संयुक्त व्यंजन ⇒ (52)

① ज आधा वर्ण ज्‌ उज्ज्वल
② च आधा वर्ण च्‌ बच्चा
③ क आधा वर्ण क्‌ मक्खन

① फ आधा वर्ण (फ्) फ्लैट
② ख आधा वर्ण (ख्) ख्याल
③ ड्ड आधा वर्ण (ड्ड) उड्डयन
④ प् आधा वर्ण (प्) प्यार

⑤ न आधा वर्ण (न्) अन्य
⑥ ध् आधा वर्ण (ध्) ध्यान
⑦ " = ध्येय

2024

① राम
② अनिल
③ गंगा
④ रामपाल
⑤ सविता
⑥ बबिता
⑦ कमला
⑧ गोलू
⑨ राजू
⑩ झारखण्ड
⑪ बिहार
⑫ पंजाब
⑬ उत्तराखण्ड
⑭ राजस्थान
⑮ उत्तर प्रदेश
⑯ दिल्ली
⑰ महाराष्ट्र

वर्तनी

PART-2

✳ वर्तनी में **6 प्रकार** की अशुद्धियाँ पायी जाती हैं -

(1). मात्राओं और स्वरों के आधार पर अशुद्धियाँ

उदाहरण-

(i) नलायक(अ)× → नालायक (आ)
(ii) क्षत्रीय(ई)× → क्षत्रिय (इ)
(iii) रजनि → रजनी
(iv) ठकुर → ठाकुर
(v) वीशाल → विशाल
(vi) नितीन → नितिन
(vii) इरफान → इरफान

गरमी / ~~गर्मी~~ ✓

(2). विसर्ग के आधार पर अशुद्धियाँ (:)

उदाहरण-

(i) प्रातकाल → प्रातःकाल
(ii) दुख → दुःख
(iii) मनोकामना → मनःकामना
(iv) अन्तःकरण ✓

(3). व्यंजन के आधार पर अशुद्धियाँ

उदाहरण-

(i) गुन → गुण
(ii) पुरान → पुराण
(iii) रामाथन → रामाथण

(4). समास के आधार पर अशुद्धियाँ

उदाहरण-

(i) राजातंत्र → राजतंत्र
(ii) राजापुत्री → राजपुत्री
(iii) राजापुत्र → राजपुत्र

(5). संधि के आधार पर अशुद्धियाँ (मेल)

उदाहरण-

(i) रमीश → रमेश
[रमा + ईश]
[आ + इ] → (ए)

(ii) राकीश → राकेश
[राका + ईश]

(iii) यशुदा → यशोदा [आ + इ] → (ए)

(iv) कविन्द्र → कवि + इन्द्र
इ + इ → (ई)

(6). हलन्त् के आधार पर अशुद्धियाँ

उदाहरण-

(i) प्रथम् → प्रथम
(ii) पठित् → पठित
(iii) गच्छवान् ✓

विशेष

~~निरपराधी~~ → निरपराध ✓
[निर् + अपराध]

नियम नं:1

जिस शब्द के पीछे (बाद में) करण प्रत्यय आता है, तो उसका मेल (ई) से होता है।

ई + करण

उदाहरण-

(i) शुद्धीकरण (ि, ी)
(ii) मानवीकरण (ी, ई)
(iii) समीकरण
(iv) वृद्धीकरण
(v) पंजीकरण
(vi) एकीकरण
(vii) सरलीकरण
(viii) वशीकरण
(ix) प्रत्यक्षीकरण
(x) व्यापारीकरण
(xi) अंगीकरण

(xii) वाक्यीकरण

अपवाद-

अनुकरण
टीकाकरण
अधिकरण
प्राधिकरण
नामकरण

प्रश्न : → शुद्ध वर्तनी वाले शब्द का चयन करें-

(A) केन्द्रीयकरण [ई+करण]
(B) शुद्धिकरण
(C) मानवीयकरण
(D) औद्योगिकीकरण (✓)

प्रश्न : → शुद्ध वर्तनी वाला शब्द कौन-सा है?

(A) आधीन → अधीन
(B) अनधिकार (✓)
(C) आर्शीवाद → आशीर्वाद ✓
(D) रचियेता → रचयिता ✓

वर्तनी

PART-3

ड, ढ → साधारण व्यंजन

ड़, ढ़ → ताड़नजात/उत्क्षिप्त/द्विगुण व्यंजन

नियम नं॰-2

प्रत्यय → मूल शब्द के पीछे जुड़ने वाला शब्दांश

(1) अ - आ + इक
(2) इ - ऐ + इक
(3) उ - औ + इक

* 'इक' प्रत्यय लगने पर अ-आ, इ-ऐ, उ-औ बन जाता है

उदाहरण-

सप्ताह + इक → साप्ताहिक
धर्म + इक → धार्मिक
वर्ष + इक → वार्षिक
उद्योग + इक → औद्योगिक

कोई बदलाव नहीं
- साहित्य + इक → साहित्यिक
- मास + इक → मासिक
- भूगोल + इक → भौगोलिक

प्रश्न-: वर्ष में 'इक' प्रत्यय जोड़कर कौन-सा शब्द सही लिखा गया है-

(A) वर्षिक (B) वर्षीक (C) वार्षिक (✓) (D) वर्षीकि

इतिहास + इक → ऐतिहासिक
अध्यात्म + इक → आध्यात्मिक
प्रमाण + इक → प्रामाणिक
पुराण + इक → पौराणिक
उ, ऊ + औ
प्रथम + इक → प्राथमिक

क, ख, ग → (अ)
ख + आ → (खा)
क् + अ → क
ख् + अ → ख
च् + अ → च

संविधान + इक → संवैधानिक
विधान + इक → वैधानिक
राजनीति + इक → राजनीतिक
विज्ञान + इक → वैज्ञानिक
समाज + इक → सामाजिक

नियम नं०-3

अनुस्वार संबंधी (ं) → नाक से आवाज

→ दीर्घ स्वर के ऊपर अनुस्वार नहीं लगाते हैं, उसकी जगह, चंद्रबिंदु का प्रयोग किया जाता है।

(ँ) → नाक व मुँह दोनों से आवाज

उदाहरण-

चांद → चाँद
गांधी → गाँधी
आंख → आँख
चांदनी → चाँदनी
अँग → अंग
ईंट → ईँट

→ यदि दीर्घ (ई) स्वर दिया गया है, और उसकी मात्रा शिरोरेखा से ऊपर चढ़ी होती है, तो कभी-भी चंद्रबिंदु नहीं लगाया जाता है।

ईं → ऊपर निकली मात्रा
→ शिरोरेखा

दीर्घ स्वर - ⑦

अ, (आ), इ, (ई), उ, (ऊ), ऋ, (ए), (ऐ), (ओ), (औ)

अंग, आँचल, गंगाजल
पतंग, बंदर
पलंग, ऊँट
अंगूर, रंग
संक्षेप, पंचर

(1) लघु - ④ → अ, इ, उ, ऋ (मात्रा का समय)
(2) दीर्घ - ⑦ → आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ (दो मात्रा का समय)

वर्तनी

PART→4

दीर्घ स्वर ँ
लघु स्वर ं → अनुस्वार का पंचमाक्षर में बदलना

स्पर्शी व्यंजन → (25)

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न

(नँ) आगे कौन-सा वर्ण आ रहा है।

पंखा → पङ्खा
गंगा → गङ्गा
पंचल → चञ्चल
चंदन → चन्दन
संगम → सङ्गम
तंग → तङ्ग
संधि → सन्धि
अंजलि → अञ्जलि
अंधा → अन्धा
गुंडा → गुण्डा
शंकर → शङ्कर

नियम नं०-1 र सम्बंधी नियम

/ , ^ , ⌒ → क्र

(र) → राम, रामपाल
(/) → प्रकार → पदेन (र), पदेन (/) का प्रयोग खड़ी पाई वाले वर्णों के साथ किया जाता है।

उदाहरण-: प्रेम, प्रकाश, प्रकार
प्रमुख, प्रमोद, प्रबल
प्रभा, प्रभाव, ग्रह

ा → इसका प्रयोग गोल पाई वाले वर्णों के साथ किया जाता है।

उदाहरण :- ट्रम, ट्रक, मेट्रो, ट्रामा, ट्रांसफर, राष्ट्र, हाइड्रोजन, नाइट्रोजन, ट्राफी

रेफ (र्) → रेफ र हमेशा बोला, तो शब्द के बीच में जाता है, लेकिन इसकी मात्रा अपने से आगे वाले वर्ण के ऊपर चढ़ाई जाती है।

(र् स्वर-रहित होता है।)

उदाहरण :- आशीर्वाद, निर्माण, विमर्श, निर्जल, निर्बल, दुर्बल, निर्णय, अनिवार्य, वर्तनी, शर्मा, कर्मा, कर्म आदि।

प्रश्न : निम्न शब्दों में से शुद्ध वर्तनी वाले शब्द का चयन करें—

⇒ उर्मिला

प्रश्न : शुद्ध वर्तनी वाला शब्द बताओ ?

⇒ ट्रैक्टर

ृ का प्रयोग :- इसका प्रयोग हमेशा तत्सम (संस्कृत) के शब्दों में किया जाता है।

उदाहरण :- शृंगार, कृपा, कृपया, कृषि, कृपण, मृग, सृष्टि, दृष्टि, पृथ्वी, मृत्यु, वृष्टि, मृदा आदि।

(आवाज़) र+इ → रि

अमृत, वृंदावन

नियम नं०-5 ई संबंधी नियम

→ जिन शब्दों में (ई) बड़ी ई होती है, तो उस शब्द का बहुवचन बनाने पर (ई) छोटी (इ) में बदल जाती है।

उदाहरण :-

लड़की → लड़कियाँ
नारी → नारियाँ
दवाई → दवाइयाँ
नदी → नदियाँ
साड़ी → साड़ियाँ
बकरी → बकरियाँ
इकाई → इकाइयाँ
घड़ी → घड़ियाँ

उ० ढ़ → ताड़न जात
प्रक्षिप्त ध्वनि
द्विगुण

वर्तनी

PART→5

नियम नं०-6 → ड़, ढ़ (ताड़नजात व अत्क्षिप्त व्यंजन/ द्विगुण व्यंजन)

(i) ताड़नजात ध्वनियों से कभी-भी किसी शब्द शुरूआत नहीं होती है

उदा०- ढक्कन, डमरू, सड़क, लड़का, लड़की गुड़गाँव, ढंग, जड़, बढ़िया, ढोलक आदि।
कपड़े, चंडीगढ़

(ii) जब किसी शब्द पर अनुस्वार ं लगा होता है, तो ताड़न-जात का प्रयोग नहीं किया जाता है।

उदा०- ढंग, डंडा, अंडा, ठंडा

(iii) अंग्रेजी के शब्दों में कभी-भी ताड़न जात का प्रयोग नहीं किया जाता है।

उदा०- रोड, बैंड, बोर्ड, रेडियो, बैंडरूम, कार्ड, लीडर स्टूडियो, आदि।

(iv) द्वित्व व्यंजन आने पर कभी-भी ताड़न जात का प्रयोग नहीं किया जाता है।

उदा०- झ्ड्डयन, लड्डू, टिड्डी, हड्डी, गड्डा, ह्वाड्डि-अड्डा, गुड्डू, कबड्डी आदि।

(v) उपसर्ग के आने पर भी ताड़नजात का प्रयोग नहीं किया जाता है।

उदा०- निडर → नि+डर

अपवाद- अन+पढ़ → अनपढ़

नियम नं०-7 → न सम्बंधी नियम

र, ऋ, ष, क, ख, ग, घ, प, फ, ब, भ आने पर
ष, र, ल, व (कोई स्वर) आने पर न-ण में
बदल दिया जाता है।

कृष्ण, आभूषण, आक्रमण, पुराण,
तृष्णा, रामायण, विष्णु, घृणा
हरिण, लक्ष्मण, रावण

शुद्ध शब्द

(1) अंजलि
(2) अंगना
(3) आँगन
(4) अक्षुण्ण
(5) ऊर्मिला / निर्मल, दुर्बल
(6) अहल्या
(7) कौशल्या, कौसल्या ✓
(8) कैलास
(9) अंत्याक्षरी / अन्त्याक्षरी
(10) अक्षौहिणी
(11) अभ्यस्त
(12) अन्तर्राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय
(13) आशीर्वाद
(14) आविष्कार
(15) अनधिकार
(16) अधीन
(17) अंतर्धान / अन्तर्धान
(18) अमावस्या
(19) आध्यात्मिक (अध्यात्म + इक)
(20) अतिशयोक्ति

वर्तनी

PART→ 6

स्वरों की शुद्ध वर्तनी

(1) चहारदीवारी
(2) लालायित
(3) पारलौकिक
(4) व्यावहारिक
(5) सांसारिक
(6) वाल्मीकि
(7) कालिदास
(8) अनिवार्य
(9) परिणति
(10) प्रतिज्ञा
(11) स्थायित्व
(12) पतिव्रता
(13) परिचय
(14) समिति
(15) कोशिश
(16) कुमुदिनी
(17) गृहिणी
(18) गृह / ग्रह (नक्षत्र)
(19) नायिका / नायक
(20) मानसिक / मानसिकता
(21) सरोजिनी
(22) माचिस
(23) आखिर,
(24) परिमार्जित
(25) क्षत्रिय
(26) पूजनीय
(27) पूज्य
(28) पुष्टि
(29) वाहिनी
(30) प्रतिनिधि (प्र+र→प्रेम)
(31) साहित्यिक (साहित्य+इक)
(32) युधिष्ठिर
(33) मैथिलीशरण गुप्त
(34) रचयिता
(35) विरहिणी
(36) अनुभूति
(37) द्वारका
(38) सम्पादक
(39) छिपकली
(40) शिखर
(41) रचनात्मक
(42) संगृहित / ~~संग्रहित~~
(43) अनुगृहीत
(44) सूचीपत्र / ~~सूचिपत्र~~

(45) स्वर्गीय
(46) लीजिए
(47) शताब्दी
(48) कृतघ्न / कृतज्ञ
(49) जिजीविषा
(50) कवयित्री / कवि
(51) मालकिन
(52) प्रदर्शनी / प्रदर्शन
(53) शृंगार
(54) कौशल्या / कौसल्या
(55) अहल्या
(56) कैकेयी
(57) सामग्री
(58) व्यवस्थापक + इका = व्यवस्थापिका
(59) द्रवीभूत
(60) सम्मुख / विमुख
(61) दधीचि
(62) रीतिकाल
(63) सलीका
(64) श्री मती
(65) महादेवी
(66) भस्मीभूत
(67) श्रद्धाजंलि
(68) विभीषिका
(69) शारीरिक (शरीर + इक)
(70) निरपराध / ~~निरपरधी~~
(71) शुद्धीकरण / बुद्धीकरण
(72) मानवीकरण / प्रस्तुतीकरण / एकीकरण
(73) अनुदित
(74) उत्थान
(75) उत्तीर्ण / अनुत्तीर्ण
(76) संन्यासी / संन्यास

प्रश्न सही वर्तनी का चयन करें

(A) शृंगार → शृंगार
(B) रचियेता → रचयिता
(C) कवियित्री → कवयित्री
(D) साधुवाद [✓]

वर्तनी

शुद्ध शब्द

PART-7

(1) अभिषेक
(2) अर्जुन
(3) आदित्य
(4) राहुल
(5) शुद्धीकरण
(6) सुशील
(7) औलाद
(8) औषधालय
(9) मेहनत
(10) श्रद्धा श+र→श्र
(11) इश्क
(12) दस्तक
(13) दस्तख़त
(14) बरख़ास्त
(15) खर्च
(16) गिरफ्तार
(17) सौगात
(18) दस्तावेज
(19) गुज़ारिश / बारिश
(20) ईर्ष्या
(21) सौदागर
(22) बाज़ार
(23) आज़ादी (गुलामी)
(24) इज़हार
(25) चारागाह
(26) घड़ीसाज / जालसाज
(27) फुलकारी
(28) फुलवारी
(29) काफ़िर
(30) लक्ष्मण
(31) अयोध्या
(32) त्रिनेत्र | कष्ट दुष्ट
(33) धनिष्ठ
(34) परिशिष्ट
(35) सीढ़ियाँ
(36) पंडित / पण्डित
(37) ढोलक
(38) सृष्टि / दृष्टि
(39) आभूषण
(40) कृतघ्न / कृतज्ञ / आरोग्य
(41) एषणा
(42) संचरण
(43) रामायण
(44) तृष्णा
(45) अनुसरण
(46) अन्वेषण (अनु+एषण) → खोज/जाँच
(47) वनस्पति
(48) पर्यावरण

(49) विद्वान
(50) विदुषी
(51) वैराग्य
(52) कृत कृत्य
(53) मान्यवर
(54) राज्याभिषेक
(55) अन्त्याक्षरी/अंत्याक्षरी
(56) संन्यासी
(57) संन्यास
(58) ज्योत्स्ना
(59) स्वस्थ
(60) स्वास्थ्य
(61) मातृभूमि
(62) नरक / ~~नर्क~~
(63) कृषि / कृषक
(64) संश्लेषण
(65) श्मशान
(66) रुद्राक्ष
(67) शूर्पणखा
(68) बहिष्कार
(69) रजिस्टर/रजिस्यर
(70) श्रद्धाजंलि
(71) कैलास
(72) विषाद
(73) श्वसुर/~~सुसर~~

(74) सुशोभित
(75) नमस्कार
(76) पुरस्कार
(77) आँगन
(78) महँगा
(79) श्री मान्
(80) दर्शन
(81) अदालत
(82) आदमी
(83) स्वतंत्र
(84) आफ़त
(85) बुद्धिमान्
(86) वणिक्
(87) विधिवत्
(88) श्रद्धावान्
(89) भगवान्
(90) पश्चात्
(91) परिषद्
(92) पंचायत
(93) परमेश्वर
(94) प्राचीनतम
(95) अति वृष्टि/अनावृष्टि
(96) आडंबर/आडम्बर
(97) निः स्वार्थ/पूर्णिमा अमावस्या
(98) निः शुल्क

श → तालु
ष → मूर्धा
स → दन्तमूल

(99) चिकित्सा
(100) दुःशासन
(101) न्यायाधीश
(102) न्यायालय
(103) औद्योगिक
(104) शैगोलिक (शूगोल+इक)

वर्तनी

PART-8

(105) त्योहार
(106) तपस्या
(107) कैबिनेट
(108) मंत्रिपरिषद
(109) मंत्रिमण्डल / मंत्रिमंडल
(110) संवैधानिक
(111) यानी
(112) क्लेश
(113) अस्पृश्यता
(114) अधीक्षक
(115) निरीक्षक
(116) शुश्रूषा (परिचर्या/सेवा)
(117) अनुमानित
(118) अभियुक्त
(119) भागीरथी
(120) यमुना
(121) श्लोक
(122) मिष्टान्न → मीठा + अन्न
(123) संरक्षण
(124) प्रज्वलित
(125) योगिराज
(126) भर्त्सना
(127) पुनर्जन्म
(128) हिरण्यकशिपु
(129) सौंदर्य
(130) हथिनी / ~~हथनी~~
(131) ऋग्वेद
(132) अतिथि
(133) दैहिक
(134) लोहार
(135) सुनार
(136) अभिलाषा
(137) आकांक्षा
(138) दवाई
(139) दवाइयाँ
(140) देदीप्यमान
(141) सुषमा
(142) कर्तव्य
(143) महत्त्व
(144) महत्त्वकांक्षा
(145) चरमोत्कर्ष
(146) उत्कर्ष
(147) पक्षिराज → पक्षी + राज
(148) राजनीतिक
(149) षड्यंत्र
(150) गृहस्थ

(151) प्राणि विज्ञान
(152) वैज्ञानिक (विज्ञान +इक)
(153) स्वामि भक्त
(154) आधिशासी
(155) अभयारण्य / ~~अभ्यारण्य~~
(156) हतोत्साहित
(157) सौहार्द
(158) पुनरुत्थान
(159) गीतांजलि/पुष्पांजलि
(160) पुनरवलोकन
(161) प्रदर्शन
(162) प्रियदर्शिनी
(163) तूफान
(164) रागिनी
(165) विद्यालय
(166) पुस्तकालय
(167) बरात
(168) बरतन / ~~बर्तन~~
(169) अहल्या
(170) कैलास
(171) दशरथ → कौशल्या/कौसल्या
→ कैकेयी
→ सुमित्रा
(172) ऊर्मि / ~~उर्मि~~
(173) सरस्वती

मुहावरे एवं लोकोक्ति

- मुहावरा किस भाषा का शब्द है ?
  → "अरबी भाषा" का शब्द होता है।
- मुहावरे का अर्थ -: अभ्यास
- लोकोक्ति "हिन्दी" भाषा का शब्द होता है।
- लोकोक्ति को "कहावत" भी कहा जाता है।

मुहावरे	लोकोक्ति
(1). मुहावरा अरबी भाषा का शब्द होता है।	लोकोक्ति हिन्दी भाषा का शब्द होती है, जिसका नाम (कहावत) भी होता है।
(2). मुहावरे का अर्थ वास्तविक नहीं होता है।	लोकोक्ति का अर्थ वास्तविक होता है।
(3). मुहावरे का भावार्थ निकलता है।	लोकोक्ति का भावार्थ नहीं निकलता है।
(4). मुहावरा पूर्ण वाक्यांश नहीं होता है।	लोकोक्ति पूर्ण वाक्य होती है।
(5). मुहावरा जैसा बोला जाता है, वैसा अर्थ नहीं देता है।	लोकोक्ति जैसे बोली जाती है, वैसे ही अपना अर्थ देती है।
(6). मुहावरे के एक से ज्यादा अर्थ निकलते हैं।	लोकोक्ति का एक ही अर्थ निकलता है।
(7). मुहावरा पुल्लिंग शब्द होता है।	लोकोक्ति स्त्रीलिंग शब्द होती है।
(8). मुहावरे के अंत में ना प्रत्यय मिलता है।	लोकोक्ति में ना प्रत्यय नहीं मिलता है।

(1). अंगारो पर पैर रखना — खतरनाक कार्य करना।
(2). अक्ल का दुश्मन होना — मूर्ख होना
(3). अधर में लटकना या झूलना — दुविधा में पड़े रह जाना।
(4). अग्नि - जल उठाना — अपनी सत्यता की परीक्षा देना
(5). औंधे की प्रीति बालू की भाँति — नीच की मित्रता क्षणभंगुर।
(6). अरण्य रोदन — व्यर्थ प्रयास।
(7). अन्धे के आगे रोना — व्यर्थ प्रयत्न करना।
(8). ओस चाटे प्यास नहीं बुझती — बहुत कम से आवश्यकता की पूर्ति नहीं होती है।
(9). अक्ल का पुतला — अधिक बुद्धिमान।
(10). अधजल गगरी छलकत जाय — कम ज्ञान सम्मान वाले व्यक्ति अधिक प्रदर्शन करते हैं।
(11). अजगर करे न चाकरी, पंछी करे न काम — ईश्वर सभी आवश्यकताओं को पूरी करता है।
(12). आठ- आठ आँसू रोना — बुरी तरह पछताना।
(13). आँचल पसारना — दया की भीख माँगना।
(14). आधा तीतर आधा बटेर — बेमेल होना/सुचारू रूप से नहीं।
(15). आँखे ठण्डी करना — प्रियवस्तु को देखकर सुख प्राप्त करना।
(16). आँखो में धूल झोंकना — धोखा देना।
(17). आस्तीन का साँप — विश्वासघाती मित्र।
(18). आटे दाल की फिक्र होना — जीविका की चिंता करना।
(19). आँखो में चर्बी चढ़ना — अधिक घमण्ड होना।
(20). आँखे तरसना — देखने को उत्सुक होना।
(21). उल्लू सीधा करना — स्वार्थ सिद्ध करना। (मतलबी व्यक्ति)

मुहावरे एवं लोकोक्ति

PART→2

(1). अंतर के पट खोलना — विवेक से काम लेना
(2). छक्के छुड़ाना — हारना
(3). पौ बारह होना — लाभ ही लाभ होना
(4). जौहर खुलना — भेद का पता लगना
(5). अंगूठी का नग होना — बहुत कीमती
(6). समुद्र मंथन करना — कठोर परिश्रम करना
(7). तीर मारना — बड़ा काम करना
(8). नौ-दो ग्यारह होना — रफू चक्कर होना / भाग जाना
(9). सिर आँखों पर बिठाना — हृदय से सेवा सत्कार करना
(10). आकाश से बातें करना — बहुत ऊँचा होना
(11). बाँसों उछलना — प्रसन्न होना / खुशी होना
(12). भाड़ झोंकना — व्यर्थ समय नष्ट करना
(13). लंगोटी में फाग खेलना — दरिद्रता में आनन्द मनाना
(14). ऐसी-तैसी करना — दुर्दशा करना
(15). एड़ी-चोटी का जोर लगाना — बहुत परिश्रम करना
(16). लुटिया डूब जाना — पूर्णतः हार जाना / खोजना बिगड़ना
(17). दाँतों तले उँगली दबाना — हैरान होना / आश्चर्य चकित होना
(18). अंधेरी नगरी — अन्याय की जगह (न्याय न मिलने वाला स्थान)
(19). अँगूठा दिखाना — इंकार करना / साफ मना करना
(20). खून पानी होना — कोई असर न होना
(21). माथा ठनकना — (अनहोनी होना) अनिष्ट की आशंका होना
(22). ईमान बेचना — अपने कर्तव्य से हट जाना
(23). रस्सी का साँप बनाना — बात का बतंगड़ बनाना (झूठी बात को सच ठहराना)

(24). सिर मुँडाते ही ओले पड़ना — शुरू से ही विघ्न पड़ना।
(25). अँगूठा दिखाना — इनकार करना
(26). अंधे की लकड़ी होना — एकमात्र सहारा
(27). अंधे के हाथ बटेर लगना — अनायास ही मिलना → (अयोग्य को सरकारी नौकरी मिलना)
(28). आँख मूँदना — मर जाना/अनदेखी करना
(29). उँगली पर नचाना — वश में रखना (अपने अनुसार रखना)
(30). उड़ती चिड़िया पहचानना — दूरदर्शी होना (अनुभवी होना)
(31). ओले पड़ना — विपत्ति आना/मुसीबत आना
(32). कूपमण्डूक होना — सीमित ज्ञान
(33). काँटा दूर होना — बाधा दूर होना
(34). कालिख पोतना — बदनामी करना
(35). कंगाली में आटा गीला होना — अभाव में और भी अभाव होना
(36). गागर में सागर भरना — थोड़े में बहुत कुछ कहना
(37). चोली दामन का साथ होना — अत्यन्त निकटता/गहरी दोस्ती
(38). चिराग तले अँधेरा होना — अपना दोष स्वंय दिखाई नहीं देत
(39). चेहरे पर हवाइयाँ उड़ना — आश्चर्य होना
(40). घाट-घाट का पानी पीना — बहुत अनुभव प्राप्त करना (बहुत-बड़ जानकार)
(41). जूतियों में दाल बाँटना — अनबन होना
(42). नाक में नकेल डालना — वश में करना
(43). फट पड़ना — एक दम गुस्से में हो जाना
(44). भैंस के आगे बीन बजाना — बेसमझ आदमी को अदेश देना
(45). भगीरथ प्रयत्न करना — अथक परिश्रम
(46). मुट्ठी गरम करना/चाँदी का जूता मारना — रिश्वत देना
(47). श्री गणेश करना — कार्य आरंभ करना
(48). सब्ज बाग दिखाना — लालच देकर बहकाना

(49). अंगूठा चूमना — खुशामद करना, चापलूसी करना
(50). कौड़ी को न पूछना — निकम्मा होना / नकारा होना
(51). तालु में जीभ न लगना — चुप न रहना
(52). हाथ पीले करना — विवाह करना / शादी करना
(53). सारा काम रुक जाना — गुड़ गोबर करना (बना कार्य बिगाड़ देना)
(54). तूती बोलना — किसी भी क्षेत्र में अमिट प्रभाव छोड़ना

ROJGAR WITH ANKIT

मुहावरे एवं लोकोक्ति

PART→3

(1). तेली का बैल होना — बुरी तरह काम में लगे रहना

(2). न उधो का लेना न माधो को देना — अपने काम से काम

(3). कान फूँकना — दीक्षित करना (शिक्षा देना)/सिखाना

(4). ईद का चाँद होना — बहुत दिनों बाद दिखाई देना

(5). घाट-घाट का पानी पीना — बहुत अनुभवी होना

(6). आँख का नीर (पानी) ढल जाना — निर्लज्ज हो जाना

(7). तोते की तरह आँखे फेरना — पुराने सम्बंधों को एक दम भुला देना

(8). मखमली जूते मारना — मीठी बातों से लज्जित करना

(9). हथेली पर सरसों जमाना — काम इतनी जल्दी नहीं हो जाता

(10). दाम लगाना — मूल्य आँकना

(11). कच्चे घड़े से पानी भरना — ठीक ढंग से काम न करना

(12). चाँदी का वेनक लगाना — किसी न किसी प्रकार की प्रतिष्ठा बनाए रखना

(13). दिन को दिन, रात को रात समझना — कोई बड़ा काम करते समय अपने सुख आराम का कुछ भी ध्यान न रखना।

(14). रीढ़ टूटना — निराश हो जाना

(15). सुबह शाम करना — टाल मटोल करना

(16). हाथ ऊँचा होना — दान आदि के लिए मन में उदारता का भाव होना

(17). डंके की चोट पर कहना — सबके सामने घोषित करना

(18). तीन तेरह होना — तितर बितर होना

(19). अंग-अंग ढीला होना — शिथिल होना (थक जाना)

(20). कलेजा होना — हिम्मत होना (साहस होना)

(21). सिर उठाना — विरोध में आना

(22). अंधे की लकड़ी — एकमात्र सहारा

(23). राम नाम जपना, पराया माल अपना — धोखे से धन जमा करना

(24). नीम हकीम खतरे जान — अल्प विद्या भयंकर

(25). कान भरना — चुगली करना
(26). चैन की वंशी बजाना — मौज करना
(27). अमर बेल बनना — संग लगे रहना
(28). घूर के दिन फिरना — गरीबों की स्थिति में सुधार होना
(29). नहले पर दहला मारना — करारा जवाब देना
(30). नमक मिर्च लगाना — बढ़ा-चढ़ाकर बातें करना
(31). कागजी घोड़े दौड़ाना — व्यर्थ की लिखा-पढ़ी
(32). पट्टी पढ़ना — भुलावे में रखना
(33). गाल बजाना — बकवास करना (फिजूल की बातें करना)
(34). झण्डा गाड़ना — आधिकार जमाना
(35). दूध का धुला होना — निष्कलंक होना
(36). चकमा देना — भाग जाना
(37). मुँह में पानी आना — लालच आना
(38). आँखो में पानी भरना — द्रवित होना
(39). हथियार डालना — हार मान लेना
(40). चाप कटना — परेशानी समाप्त होना
(41). कान काटना — बहुत चतुर होना (बहुत चालाक होना)
(42). आस्तीन का साँप होना — विश्वास घाती मित्र (धोखेबाज मित्र)
(43). कलम तोड़ना — बहुत अच्छा लिखना
(44). बट्टा लगाना — दोष लगाना
(45). टोपी उछालना — निरादर करना (अपमान करना)
(46). गड़े मुर्दे उखाड़ना — पुरानी बातों को उभारना
(47). दाई से पेट छुपाना — जानकार से भेद छुपाना
(48). मिट्टी पलीत करना — दुर्दशा करना/बुरी हालत कर देना

मुहावरे एवं लोकोक्ति

PART→4

(1). आँखे फिरना — उपेक्षा करना / निरादर करना
(2). ईंट से ईंट बजाना — नष्ट भ्रष्ट कर देना / पूरी तरह से परास्त करना
(3). उंगली पकड़कर पहुँचा पकड़ना — जरा सा सहारा
(4). सूरज को दिया दिखाना — किसी महान व्यक्ति की तुच्छ प्रशंसा करना
(5). घी के दिए जलाना — अत्यंत प्रसन्न होना
(6). चुल्लू भर पानी में डूब मरना — शर्म के मारे मुँह न दिखाना
(7). लकीर का फकीर होना — पुराने विचारों का होना
(8). हाथ के तोते उड़ना — होश गुम हो जाना
(9). चाँदी के जूते मारना — रुपए पैसा का लालच देना
(10). कलेजे पर साँप लेटना — डाह करना
(11). थूक कर चाटना — कही हुई बातों से मुकर जाना
(12). अंचल पकड़ना (थामना) — सहारा देना
(13). सिर पर पाँव रखकर भागना — तुरंत भाग जाना
(14). तिल का ताड़ बनाना — छोटी सी बात को बढ़ा देना
(15). नाक बच जाना — इज्जत बच जाना
(16). खेत रहना — युद्ध में शहीद होना

(17). घर का जोगी जोगड़ा, आन गाँव का सिद्ध — घर के ज्ञानी को सम्मान नहीं

(18). कोई इर घाट तो कोई बीर घाट — ताल-मेल न होना

(19). आ बैल मुझे मार — जान-बूझकर मुसीबत में पड़ना

(20). आम के आम गुठलियों के दाम — दोहरा लाभ होना

(21). हाथ कंगन को आरसी क्या, पढ़े लिखे को फारसी क्या → प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं

(22). आप डूबे तो जग डूबा — बुरा आदमी सबको बुरा कहता है

(23). तेल देखो तेल की धार देखो — रूख पहचानना

(24). ओखली में सिर दिया तो मूसलों का क्या डर — कठिन काम शुरू करने पर कष्ट तो सहन करने ही पड़ते हैं

(25). जैसे बहे बयार, पीठ तब तैसी दीजे — समय का रूख देखकर काम करना चाहिए

(26). एक तो करेला आप तीता दूजा नीम चढ़ा — बुरे का और बुरे से संग होना

(27). चूहे के चाम से नगाड़े नहीं मढ़े जाते — सीमित साधनों से बड़े काम नहीं होते

(28). अपना सोना खोटा तो परखैया के का दोष — अपने ही लोग बुरे हो तो पराये व्यक्ति को क्या दोष दिया जाए।

(29). आग खायेगा तो अंगार छोलेगा — बुरे काम का बुरा नतीजा

(30). आँगे जाए धुरने टूटे, पीछे देखे आँख फूटे — जिधर जाएँ उधर ही संकट

(31). आदमी को ढाई गज़ कफन काफी है — इंसान को संतोष करना चाहिए

(32). आपा तजे तो हरि को भजे — स्वार्थ छोड़ने से ही परमार्थ होता है

(33). आस-पास बरसे दिल्ली पड़ी तरसे — जिसको आवश्यकता हो, उसे न मिले

(34). इतनी सी जान, गजभर जबान — अवस्था के हिसाब से अधिक बोलना

(35). करमहीन खेती करे, बैल मरे या सूख पड़े — दुर्भाग्य होने पर सभी काम बिगड़ते हैं।

(36). घड़ी में तोला, घड़ी में मासा; पल में तोला, पल में मासा। — अनिश्चित स्वभाव का व्यक्ति

मुहावरे एवं लोकोक्ति

PART-5

(1). चूहे घर में डण्ड पेलते हैं — अत्यधिक दयनीय स्थिति

(2). चोट्टी कुतिया जलेबियों की रखवाली — भक्षक को रक्षक का दायित्व सौंपना

(3). जबरा मारे रोवे न दे — ताकतवर व्यक्ति का अत्याचार चुपचाप सहना पड़ता है

(4). जहाँ जाय भूखा, वहाँ पड़े सूखा — भाग्यहीन को कहीं सुख नहीं मिलता

(5). जैसी बहे बयार, पीठ तब तैसी दीजै डार — अवसर के अनुकूल बन जाना चाहिए

(6). टट्टी की ओट से शिकार खेलना — छुपकर बुरा काम करना

(7). डण्डा सबका पीर — सख्ती करने से लोग नियंत्रित होते हैं

(8). दाग़ लगाये लँगोटिया यार — अपनों से ही व्यक्ति धोखा खाता है

(9). नंगा क्या नहायेगा, क्या निचोड़ेगा — निर्धन से आर्थिक मदद की आशा नहीं करनी चाहिए

(10). नदी - नाव संयोग — थोड़े समय का साथ

(11). बिच्छू का काटा रोवे, साँप का काटा सोवे — मीठी मार अधिक बुरी होती है

(12). मेढ़की को भी जुकाम हुआ है — अपनी शक्ति से बढ़कर बात करना

(13). शेखी सेठ की, धोती भाड़े की — कुछ न होने पर भी बड़प्पन दिखाना

(14). शेरों का मुँह किसने धोया? — सामर्थ्यवान के लिए कोई उपाय नहीं

(15). इन्द्र की परी — बहुत सुंदर स्त्री

(16). बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद — किसी वस्तु का महत्त्व न समझना

(17). ओछे की प्रीति बालू भीति — निकृष्ट का साथ बहुत मजबूत नहीं होता (नीच/तुच्छ)

(18). गवाह चुस्त मुद्दई सुस्त — जिसका काम वह देर करे, दूसरे फुर्ती दिखाएँ

(19). ऊँची दुकान फीके पकवान — दिखावा - हा-दिखावा

(20). एक अनार सौ बीमार — आवश्यकता से अधिक माँग

(21). दूध का दूध पानी का पानी — निष्पक्ष न्याय (स्पष्ट बात करना)

(22). गरीबों की जोरू सबकी भाभी — कमजोर से सभी लाभ उठाते हैं

(23). जैसी करनी, वैसी भरनी — क्रमानुसार फल की प्राप्ति (जैसा करोगे, वैसा ही फल मिलेगा)

(24). खुदा गंजे को नाखून न दे — अत्याचारी को शक्ति नहीं मिलनी चाहिए

(25). कभी गाड़ी नाव पर, कभी नाव गाड़ी पर — एक दूसरे की सहायता करना

(26). एक हाथ से ताली नहीं बजती — शत्रुता दोनों पक्षों की गलती से होती है

(27). आँख के अंधे नाम नयन सुख — गुणों के विरूद्ध नाम होना

(28). अण्डे का शहजादा — अनुभवहीन व्यक्ति

(29). गुरू गुड़ चेला चीनी — गुरू से चेले का आगे बढ़ जाना

(30). आँख का अंधा गांठ का पूरा — मूर्ख धनी

(31). तीन लोक में मथुरा न्यारी — अन्य से विशिष्ट या भिन्न होना

(32). आप भले तो जग भला — अच्छे आदमी को सब लोग अच्छे ही मिलते है।

(33). दूध का जला छाछ को फूँक फूँक कर पीता है — बहुत सावधानी बरतना

(34). नाम बड़े दर्शन छोटे — प्रसिद्धि के अनुसार गुण न होना

(35). दाल भात में मुसल चंद — बीच में दखल देने वाला

मुहावरे एवं लोकोक्ति

PART→6

(1). अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना — आत्म प्रशंसा करना

(2). उँगली पर नचाना — वश मे रखना

(3). औकात पहचानना — यह जानना कि किसी में कितना सामर्थ्य है।

(4). कूपमण्डूक होना — सीमित ज्ञान

(5). कमर कसना — तैयार होना

(6). टूट पड़ना — आक्रमण करना

(7). ठन-ठन गोपाल — पैसा पास न होना

(8). नाकों-चने चबाना — बहुत तंग करना

(9). बाँए हाथ का खेल — अति सरल काम

(10). भैंस के आगे बीन बजाना — बेसमझ आदमी को उपदेश देना

(11). मुँह पकड़ना — बोलने न देना

(12). लोहे के चने चबाना — कठिनाइयों का सामना करना

(13). आँखे चार होना/आँखे लड़ना — देखा-देखी होना / प्रेम होना

(14). आँखे थकना — प्रतीक्षा में निराश होना

(15). आग उगलना — क्रोध प्रकट करना

(16). ऐड़ी चोटी का पसीना एक करना — खूब परिश्रम करना (बहुत परिश्रम करना)

(17). आँख लगना — नींद आना

(18). काला अक्षर भैंस बराबर — अनपढ़ / निरा मूर्ख (अज्ञानी)

(19). खटाई में पड़ना — झमेले में पड़ना

(20). खरी-खोटी सुनाना — भला-बुरा कहना

(21). चार दिन की चाँदनी फिर अँधेरी रात — क्षणिक सुख (क्षणभर का सुख)

(22). छाती पर पत्थर रखना — असह्य दुःख को दिल में दबा लेना

(23). छाती पर साँप लोटना — ईर्ष्या से हृदय जलना

(24). दूध के दाँत न टूटना — अनुभव का न होना

(25). भीगी बिल्ली बनना — लाचार होना/ डर जाना

(26). मैदान मारना — विजय प्राप्त करना

(27). मुर्गी को तकते का घाव भी बहुत है — कमजोर आदमी थोड़ा सा कष्ट भी नहीं सह सकता

(28). अण्डे सेना — घर में बेकार बैठे रहना

(29). आठखेलियाँ सूझना — हँसी दिल्लगी करना

(30). अपना- अपना राग अलापना — अपनी ही बातें कहना

(31). अबे-तबे करना — आदर से न बोलना

(32). आँख का काजल — अत्यंत प्रिय

(33). आँच न आने देना (आग/अग्नि) — जरा सा भी कष्ट न होने देना

(34). आँधी के आम — सस्ती चीजें

(35). उधेड़ - बुन में पड़ना/रहना — सोच विचार करते रहना

(36). कंधे से कंधा छिलना — भारी- भीड़ होना

(37). काला नाग — खोटा या घातक व्यक्ति

(38). खाक में मिलना — नष्ट करना

(39). गाँठ में बाँधना — खूब याद रखना

(40). गाजर मूली समझना — तुच्छ समझना

(41). गूलर का फूल — दुर्लभ वस्तु

(42). चाँदी का जूता — रिश्वत का धन (घूस का पैसा)

(43). चिकना घड़ा — बेशर्म (बेहया आदमी)

(44). छक्के छूटना — बुद्धि चकरा जाना

(45). जमीन आसमान का फर्क — बहुत भारी अंतर (बहुत बड़ा अंतर)

(46).	जीती मक्खी निगलना	जानते हुए भी धोखा
(47).	ढ़ाई घड़ी का आना	अचानक मर जाना
(48).	बाजार गर्म होना	काम धंधा तेज होना
(49).	पानी पीकर जात पूँछना	काम करने के बाद उसके अच्छे-बुरे पहलुओं पर विचार करना।

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

(वाक्यांश)

(1). → हिंदी में कई शब्दों के स्थान पर एक शब्द बोलकर हम भाषा को प्रभावशाली बनाते हैं। वह वाक्यांश कहलाता है।

(2). → विस्तृत भावों एवं विचारों को व्यक्त करने का एक प्रभावशाली ढंग होता है।

(3). → भाषा की सुदृढ़ता व्यक्त होती है।

(4). → भावों की गम्भीरता चुस्त शैली में दिखाई देती है।

(5). → शब्द समूह के स्थान पर एक शब्द पूरा अर्थ देता है।

उदाहरण-

राम कविता लिखता है → कवि
जिस महिला का पति मर गया हो → विधवा
जिसका कोई न हो → अनाथ

(1).	जिसका पता न हो	अज्ञात/लापता
(2).	जिसके आने की तिथि न हो	अतिथि/रिश्तेदार/मेहमान
(3).	जिसके समान दूसरा न हो	अद्वितीय/अनुपम
(4).	जिसके पार देखा न जा सके	अपारदर्शी
(5).	अण्डे से जन्मने वाला	अण्डज
(6).	जिसकी उपमा न हो	अनुपम
(7).	जो अल्प (कम) जानता है	अल्पज्ञ
(8).	जो कुछ नहीं जानता है	अज्ञ
(9).	जो बहुत जानता है	बहुज्ञ
(10).	जो सब कुछ जानता है	सर्वज्ञ
(11).	जो स्त्री सूर्य भी न देख सके	असूर्यम्पश्या
(12).	जो नहीं हो सकता	असंभव
(13).	जो स्त्री अभिनय करे	अभिनेत्री

(14). जो पुरुष अभिनय करे	अभिनेता
(15). जो विधि या कानून के विरुद्ध हैं	अवैध/गैर-कानूनी
(16). जिसे बुलाया न गया हो	अनाहूत
(17). जिसे बुलाया गया हो	आहूत
(18). धरती और आकाश के बीच का स्थान	अंतरिक्ष
(19). जो इन्द्रियों द्वारा न जाना जा सके	अतीन्द्रिय
(20). जो अपनी बात से टले नहीं	अटल/अड़िग
(21). इन्द्र पर विजय पाने वाला	इंद्रजीत
(22). जो धन को व्यर्थ ही खर्च करता हो	अपव्ययी
(23). जो धन को व्यर्थ खर्च नहीं करता हो	मितव्ययी
(24). अति वर्षा होना	अतिवृष्टि
(25). अल्प वर्षा होना	अल्पवृष्टि/अनावृष्टि
(26). जिस समय बड़ी मुश्किल के भिक्षा मिलती हैं	दुर्भिक्ष
(27). जिसका शत्रु जन्मा तक न हो	अजातशत्रु
(28). जिस पुरुष की पत्नी मर जाती हैं	विधुर

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

PART-2

(21) जिसका जन्म अग्र(पहले) हुआ हो	अग्रज
(22) जिसका जन्म बाद में हुआ हो	अनुज
(23) जिसे जीता न जा सके	अजेय
(24) जो मापा न जा सके	अपरिमेय
(25) गुरू के समीप रहने वाला विद्यार्थी	अंतेवासी
(26) बिना वेतन के काम करने वाला	अवैतनिक
(27) मन में होने वाला स्वाभाविक ज्ञान	अंतर्ज्ञान
(28) जो व्यक्ति विदेश में रहता हो	प्रवासी
(29) जो मृत्यु के समीप हो	मरणासन्न
(30) जो पढ़ा न गया हो	अपठित
(31) जो पढ़ा गया हो	पठित
(32) जो किसी पर अभियोग लगाए	अभियोगी
(33) जिस पर अभियोग लगा हो	अभियुक्त
(34) जो कार्य अवश्य होने वाला हो	अवश्यंभावी
(35) जो सबके मन की बात जानता हो	अंतर्यामी
(36) सर्वाधिक अधिकार प्राप्त शासक	अधिनायक

(37) जिसके हस्ताक्षर नीचे अंकित है — अधोहस्ताक्षर कर्ता

(38) सोच-समझकर काम न करता हो — अविवेकी

(39) सोच-समझकर काम करने वाला — विवेकी

(40) आदि से अंत तक — आद्योपांत

(41) बिना आयास (परिश्रम) के — अनायास

(42) जो भेदा या तोड़ा न जा सके — अभेद

(43) जिसकी आशा न की गई हो — अप्रत्याशित

(44) जो प्रमेय (प्रमाण से सिद्ध) न हो — अप्रमेय

(45) जिसका जन्म अंत्य (निम्न) जाति में हुआ हो — अंत्यज

(46) जिसका निवारण नहीं किया जा सके — अनिवारणीय

(47) जिसकी सीमा न हो — असीम/बेहद

(48) जिसकी सीमा होती है — ससीम/हद

(49) आँखो के सामने — प्रत्यक्ष

(50) आँखो के सामने न होने वाला — परोक्ष/अप्रत्यक्ष

(51) अंक (गोद) में स्थान पाया हुआ हो — अंकस्थ

(52) राजभवन के अंदर महिलाओं का निवास — अंतःपुर

(53) जिसके पास कुछ भी न हो — अकिंचन

(54) चलकर थाह का पता न हो सके — अथाह

(55) जिसकी गहराई का पता न हो सके — अगाध

(56) जो दूर की बात सोच सके — दूरदर्शी

(57) पर्वत के ऊपर की समतल भूमि — अधित्यका

(58) पर्वत के नीचे की समतल भूमि — उपत्यका

(59) वह जो विद्यार्थियो को पढ़ाने का कार्य करता है — अध्यापक

(60) कनिष्ठा और मध्यमा के बीच की अँगली — अनामिका

(61) किसी के पीछे चलने वाला	अनुगत/अनुगामी
(62) जो किसी वंश में बराबर चलता आया है	आनुवंशिक
(63) धन से संबंध रखने वाला	आर्थिक
(64) केवल फल खाकर रहने वाला	फलाहारी

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

PART-3

(65) मन और उसकी अवस्थाओं तथा क्रियाओं का अध्ययन करने वाला शास्त्र – मनोविज्ञान
(66) जिसमें सामर्थ्य न हो – असमर्थ
(67) आदि से लेकर अंत तक – आद्योपान्त
(68) नियमबद्ध या निंदनीय कार्य करने वालों की सूची – कालीसूची
(69) गायों को पालने और रखने का स्थान – गोशाला
(70) ज्ञान देने वाली – ज्ञानदा
(71) घर-घर जाकर लोगों को डाक पहुँचाने वाला कर्मचारी – डाकिया
(72) जिसमें शब्द न हो – निःशब्द
(73) एक देश से दूसरे देश में माल भेजना – निर्यात
(74) दूसरे देश से अपने देश को माल लाना – आयात
(75) पशुओं का सा या पशुओं के आचरण जैसा – पाशविक
(76) अंक (गोद) में सोने वाला – अंकशायी
(77) किसी पद्य के अंतिम अक्षर में नया पद्य आरम्भ करने का खेल – अंत्याक्षरी
(78) जिसके पास कुछ भी न हो – अकिंचन
(79) जिसका कभी जन्म न हो – अजन्मा
(80) जो दिखायी न देता हो – अदृश्य
(81) जो नया न हो – अनूतन
(82) जो दिखायी देता हैं – दृश्य
(83) जो नया हो – नूतन
(84) सामान्य या व्यापक नियम के विरुद्ध बात – अपवाद
(85) जो कभी मरे नहीं – अमर
(86) जिस रोग का ठीक होना कठिन हो – असाध्य
(87) आकाश को चूमने वाला – गगनचुम्बी

(88) जिस रोग का ठीक होना संभव है — साध्य
(89) अग्नि से संबंधित या आग का — आग्नेय
(90) अतिथि की सेवा करने वाला — अतिथेयी
(91) किसी चीज या बात की इच्छा रखने वाला — उत्सुक
(92) जो दूसरों की उन्नति देखकर जलता हो — ईर्ष्यालु
(93) वह वस्तु जिसका उत्पादन हुआ हो — उत्पाद
(94) पर्वत के पास की भूमि — उपत्यका
(95) जो उपजाऊ भूमि हो — उर्वरा
(96) सूर्योदय से पहले का समय — उषाकाल
(97) जो उपजाऊ भूमि न हो — ऊसर
(98) जिस भूमि में कुछ उत्पन्न न होता हो — ऊसर
(99) चांद्र मास के किसी पक्ष की ग्यारहवीं तिथि — एकादशी
(100) इतिहास से सम्बंधित — ऐतिहासिक (इतिहास + इक)
(101) अपनी विवाहित पत्नी से उत्पन्न (पुत्र) — औरस
(102) प्रेमिका से जन्म लेने वाली संतान (पुत्र) — जारज
(103) कान के नीचे लटकता हुआ कोमल भाग — कर्णपाली
(104) चारों युगों में से चौथा कलह का युग — कलियुग
(105) तांत्रिक जो अपने हाथ से कपाल (खोपड़ी) लिये रहते हैं — कापालिक
(106) किये हुए उपकार को मानने वाला — कृतज्ञ
(107) उपकार को नहीं मानने वाला — कृतघ्न
(108) जिसकी उत्पत्ति स्वभावगत न हो — कृत्रिम (बनावटी)
(109) बालों को सजाने-सँवारने का काम — केशविन्यास
(110) क्षमा किये जाने योग्य — क्षम्य
(111) जिसका कोई हिस्सा टूटकर अलग हो गया हो — खंडित
(112) गंगा और यमुना के जल के मेल के दो तरह के रंग का — गंगा-जमुनी
(113) गृह बसाकर रहने वाला — गृहस्थ
(114) संध्या काल जब गाये चरकर लौटती हैं — गोधूलि

(115) जिसके चूड़ा (बालों) में चन्द्रमा है — चन्द्रचूड़ (शिव)
(116) चिंता उत्पन्न करने वाला — चिंताजनक
(117) सेना के ठहरने का स्थान — छावनी
(118) जन्म से सौ वर्ष का समय — जन्मशती
(119) सौ वर्षों का समय — शताब्दी
(120) किसी को जीतने की चाह — जिगीषा
(121) जिसने इन्द्रियों पर विजय पा ली हो — जितेन्द्रिय
(122) चारों ओर जल से घिरा हुआ भू-भाग — टापू
(123) विवाद या गुटबाजी से अलग रहने वाला — तटस्थ
(124) जल से तीन ओर घिरा हुआ भू-भाग — द्वीप
(125) छुटकारा (त्राण) दिलाने वाला — त्राता
(126) पति- पत्नी का जोड़ा — दंपती
(127) गोद लिया हुआ पुत्र — दत्तक
(128) अपराध और दण्ड देने के नियम निर्धारित करने वाला ग्रन्थ — दण्डसंहिता
(129) जो कठिनाई से मिलता हो — दुर्लभ
(130) पति के छोटे भाई की पत्नी — देवरानी
(131) राजा द्रुपद की पुत्री — द्रोपदी/पंचाली
(132) 'कंजूसी से धन व्यय करने वाला — कृपण/कंजूस
(133) जो आसानी से मिलता है — सुलभ
(134) पति के बड़े भाई की पत्नी — जेठानी
(135) पति का छोटा भाई — देवर
(136) पति का बड़ा भाई — जेठ
(137) भला चाहने वाला — हितैषी
(138) जिसके पास घर न हो — अनिकेत
(139) जिस स्त्री के पुत्र और पति न हो — अवीरा

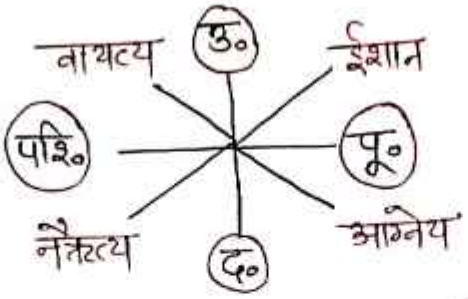

उ० व पूर्व के बीच की दिशा → ईशान

पूर्व व दक्षिण के बीच की दिशा → आग्नेय

दक्षिण व पश्चि० के बीच की दिशा → नैऋत्य

उ० व पश्चि० के बीच की दिशा → वायव्य

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

PART→ 4

(140) जो धरती फोड़कर निकलता हो (जन्मता)	उद्भिज
(141) अच्छे कुल में जन्म लेने वाला	कुलीन
(142) वैसे से मनुष्य की जीवन जीने की इच्छा बलवती होती है	जिजीविषा
(143) तर्क के द्वारा जो माना गया हो	तर्कसंगत
(144) जो देने योग्य हैं	देय
(145) जो देने योग्य न हो	अदेय
(146) रात में विचरण करने वाले प्राणी को	निशाचर
(147) बिना पलक झपकाए	निर्निमेष
(148) गिरा हुआ	पतित
(149) पृथ्वी में मिल चुका हैं	पार्थिव
(150) पाप करने के बाद स्वंय दण्ड पाना	प्रायश्चित
(151) 'प्रत्युत्पन्नमति' शब्द का वाक्यांश होगा	जो तत्काल सोचकर उत्तर दे सके
(152) 'प्राणदा' के लिए अनेक शब्द हैं	जीवन देने वाली दवा
(153) प्रज्ञाचक्षु के लिए वाक्यांश	बुद्धि जिसका नेत्र हो
(154) खाने की इच्छा हैं के लिए	बुभुक्षा
(155) भूमि के अंदर की जानकारी रखने वाले को	भूगर्भवेत्ता
(156) मोक्ष की कामना करने वाला (बंधन से मुक्त)	मुमुक्ष

(157) जो हर समय अपना मतलब साधता हो — मतलबी/स्वार्थी
(158) दूसरों की बातों में दखल देना — हस्तक्षेप
(159) अनेक युगों से चले आने वाले — सनातन
(160) सौ वर्षों का समूह — शताब्दी
(161) 15 दिन का समूह — पाक्षिक
(162) 7 दिन का समूह — सप्ताह
(163) शैव कहते हैं — जो शिव की आराधना करता है।
(164) 'दोपहर के बाद का समय' के लिए — अपराह्न
(165) 'अनुगृहीत' शब्द के लिए — जो अनुग्रह से युक्त हो
(166) 'जिसे बुढ़ापा न आये' वाक्यांश के लिए — अजर
(167) जो शीघ्र प्रसन्न हो जाए, उसे कहेंगे — आशुतोष (शिव)
(168) 'जिसे ईश्वर में विश्वास है' के लिए — आस्तिक
(169) जिसे ईश्वर में विश्वास न हो — नास्तिक
(170) ऐसा कवि जो तत्काल रचना करता हो — आशुकवि
(171) चन्द्रमा तथा ब्राह्मण के लिए एक शब्द — द्विज (जिसका जन्म दो बार होता है)
(172) वन में लगने वाली आग के लिए — दावाग्नि/दावानल
(173) पेट की अग्नि — जठराग्नि
(174) आगे-आगी जन्म लेने वाला — नवजात
(175) जल की आग — बड़वाग्नि
(176) प्रेम की अग्नि — विरहाग्नि
(177) नगर में रहने वाला — नागर
(178) जिसका कोई आकार न हो — निराकार
(179) पीने की इच्छा को कहते हैं — पिपासा
(180) जो युद्ध में स्थिर है, उसे कहते हैं — युधिष्ठिर

(181) जो बहुत बोलता हो — वाचाल
(182) जो ग्राम में रहता हो — ग्रामीण
(183) वीर पुत्र को जन्म देने वाली स्त्री — वीरप्रसू
(184) वह नायिका जो अपने पति के परदेश में होने के कारण दुःखी हो, वह है - — वियोगिनी/विरहिणी
(185) जो दोहराया न गया हो — अनावर्त
(186) जो दोहराया गया हो — आवृत
(187) 6 माह का समय — छमाही
(188) किसी शुभकार्य को विधिविधान और श्रद्धापूर्वक करना — अनुष्ठान
(189) जिसे बुलाया न गया हो — अनाहूत
(190) जिसे बुलाया गया हो — आहूत
(191) रंगमंच के पर्दे के पीछे का स्थान — नेपथ्य
(192) हवन में जलाने वाली लकड़ी — समिधा
(193) जो हमेशा रहने वाला है — शाश्वत
(194) हमेशा नहीं रहने वाला — क्षणिक
(195) जिस पुरुष की पत्नी साथ नहीं है। — विपत्नीक
(196) तैरने की इच्छा — तितीर्षा
(197) हाथी की पीठ पर रखे जाने वाले — हौदा
(198) घोड़े के ऊपर बैठने के लिए लगाया जाने वाला आसन — जीन
(199) अपना उद्देश्य पूर्ण होने पर संतुष्ट — कृतार्थ
(200) बच्चों को सुलाने के लिए गाया जाने वाला गीत — लोरी
(201) जो नभ में चलता है — खेचर
(202) बढ़ा-चढ़ा कर कहना — अतिशयोक्ति
(203) जो क्षीण न हो सके — अक्षय
(204) जिसके सिर पर चन्द्र हो — चन्द्रशेखर

(205)	क्षीण+किया जा सकता है।	क्षार
(206)	झगड़ा लगाने वाला मनुष्य को कहते हैं	नारद
(207)	जो कठिनाई से मिलता हो	दुष्प्राप्य, दुर्लभ
(208)	बहुत सी भाषाओं को जानने वाला	बहुभाषाविद्
(209)	मदिरा पीने का प्याला	चषक
(210)	जो आराम से मिलता है	सुलभ

ROJGAR WITH ANKIT

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

PART-5

(211) जो स्त्री के वशीभूत हैं — स्त्रैण
(212) वह कन्या जिसके साथ विवाह का वचन दिया गया हो — वाग्दत्ता
(213) परंपरा से चली आ रही बात — अनुश्रुति
(214) खोज करने वाला — अन्वेषक
(215) सब कुछ खाने वाला — सर्वाहारी
(216) जो तुरंत कोई युक्ति सोच ले — प्रत्युत्पन्नमति
(217) जो केवल फल खाता है — फलाहारी
(218) जो साग सब्जी खाता है — शाकाहारी
(219) जो माँस खाता है — माँसाहारी
(220) अपने सहारे पर रहने वाला — स्वावलंबी
(221) किसी पर विजय प्राप्त करने की इच्छा रखने वाला — जिगीषु
(222) जानने की इच्छा — जिज्ञासा
(223) जीने की इच्छा — जिजीविषा
(224) राज्य द्वारा निकाला गया आधिकारिक आदेश — अध्यादेश
(225) समुद्र की आग — वड़वानल
(226) पेट की आग — जठराग्नि
(227) जंगल की आग — दावानल
(228) वह कवि जो तत्काल कविता करे — आशुकवि
(229) उत्तराधिकार में प्राप्त सम्पत्ति — रिक्थ
(230) जो ईश्वर में विश्वास रखता हो — आस्तिक
(231) कम बोलने वाला — मितभाषी
(232) प्रिय वचन बोलने वाली स्त्री — प्रियंवदा
(233) ज्यादा बोलने वाला — वाचाल
(234) जो सबको समान रूप से देखता हो — समदर्शी
(235) जो सब कुछ जानता हो — सर्वज्ञ
(236) जो बहुत जानता है — बहुज्ञ
(237) जो कम जानता है — अल्पज्ञ
(238) जिसके हृदय में ममता नहीं है — निर्मम

(239) जिस पर आक्रमण हो — आक्रांत
(240) जो सब कुछ जानता हो — मृत्युंजय
(241) जो मृत्यु को जीत ले — साक्षर
(242) जो पढ़ना-लिखना जानता हो — दिव्यचक्षु
(243) दूध, दही, घृत, शर्करा, मधु मिश्रित वह पदार्थ जो देवताओं और भगवान को स्नान हेतु बनाया जाता है — पंचामृत
(244) ऐसा ग्रहण। जिसमें सूर्य पूरा ढक जाय - खग्रास (सूर्यग्रहण)
(245) प्रिय-वचन बोलने वाली स्त्री — मृदुभाषिणी
(246) मन की बात जानने वाला — मर्मज्ञ
(247) जिसे बुलाया न गया हो — अनाहूत
(248) पसीने से उत्पन्न होने वाला — स्वेदज
(249) पैर से मस्तक तक — आपादमस्तक
(250) जो देखने के योग्य हो — दर्शनीय
(251) अन्य से सम्बंध न रखने वाला — अनन्य
(252) कही हुई बात को बार-बार कहना — पुनरुक्ति
(253) समान रूप से ठण्डा और गरम — समशीतोष्ण
(254) जो छाती के बल गमन करता — उरग (साँप)
(255) किसी के पास रखी हुई दूसरे की वस्तु — धरोहर (अमानत)
(256) जिसमें युद्ध करने की इच्छा हो — युयुत्सु
(257) जिसका दमन किया गया हो — दमनीय

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

PART → 6

(258) अतिथि सत्कार की भावना — आतिथ्य/आतिथेय
(259) क्षणभर में नष्ट हो जाने वाला — क्षणभंगुर
(260) मध्यरात्रि का समय — निशीथ
(261) जिसे ऊपर कहा गया हो — उपर्युक्त

- प्रदोषकाल → 6-9pm
- निशीथ → 9-12pm
- त्रियामा → 12-3Am
- उषाकाल → 3-6Am
- पूर्वाह्न → 6AM-9Am
- मध्यान्ह → 9AM-12pm.

(262) दोपहर के बाद का समय → अपरान्ह – 12pm-3pm
- सांयकाल → 3pm-6pm

(263) संध्या और रात के बीच का समय → गोधूलि
(264) हमेशा रहने वाला → शाश्वत
(265) जो पूजा के योग्य हो → पूजनीय
(266) जो देश से प्रेम करता हो → देशभक्त
(267) जिस पुरुष का स्वर्गवास हो गया हो → दिवंगत
(268) दो भाषाएँ बोलने वाला → द्विभाषी
(269) जिसने उधार लिया हो → ऋणी
(270) जहाँ सेना रहती हो → सैन्यवास/छावनी
(271) जो बहुत भाषाएँ जानता है → बहुभाषविद्
(272) जो पहले कभी नहीं सुना गया → अश्रुतपूर्व
(273) बारह से सोलह वर्ष की आयु की नायिका → किशोरी
(274) सौ वर्षों का समूह → शताब्दी
(275) विष्णु का उपासक → वैष्णव
(276) जिसको छोड़ा नहीं जा सकता हो → अत्याज्य

(277) जो आँखो से सुना हो — चक्षुश्रवा
(278) जिसका उत्तर नहीं दिया जा सके — अनुत्तरित
(279) जो किसी की ख्वजी में कार्य कर रहा हो — ख्यानपान्न
(280) जो कुछ समय के लिए नियुक्त किया गया हो — अंशकालिक
(281) वह राजकीय धन जो किसानों की सहायतार्थ दिया जाता है — तकावी/सहाथिकी
(282) जीवन के एक अंश को लेकर लिखा गया काव्य — खण्डकाव्य
(283) सम्पूर्ण जीवन चरित्र पर लिखा गया काव्य — प्रबंधकाव्य
(284) वह स्थान जहाँ सर्दी-गर्मी को नियंत्रित किया गया हो — वातानुकूलन
(285) किसी छोटे से छोटे काम में त्रुटि ढूँढना — छिद्रान्वेषी
(286) बाँये हाथ से काम करने वाला — सव्यसाची, उँबरा
(287) दीन-दुखियों को भोजन देने की व्यवस्था — सदावर्त
(288) जिसके चार भुजायें हो — चतुर्भुज
(289) जिसकी पत्नी मर गयी हो — विधुर
(290) जो मरने का इच्छुक हो — मुमूर्षु
(291) बर्तन बेचने वाला — कसेरा
(292) जो न जानता हो उसे — अज्ञ/अनभिज्ञ
(293) जो जानता हो उसे — अभिज्ञ/ज्ञाता
(294) समय की पहचान करने वाला — कालज्ञ
(295) कार्य करने की इच्छा — चिकीर्षा
(296) लम्बे समय तक जीने वाला — चिरंजीवी
(297) स्त्रियों द्वारा अपनी इज्जत बचाने के लिए किया गया सामूहिक अग्नि प्रवेश — जौहर
(298) जो ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा रखता हो — ज्ञानपिपासु
(299) जनता को सूचना देने हेतु बजाया जाने वाला वाद्य — ढिंढोरा
(300) जिसकी आँखे मगर जैसी हो — मकराक्ष

(301) माता की हत्या करने वाला — मातृहंता
(302) जो असत्य (झूठ) बोलता हो — मिथ्यावादी
(303) जिस स्त्री की आँखे मछली के समान हो — मीनाक्षी
(304) जिसे दूर करना कठिन हो — दुर्निवार
(305) जो बहुत मंद गति से कार्य करता हो — मंथर
(306) जो अपने कर्तव्य का निश्चय न कर सके — किंकर्तव्यविमूढ़
(307) अनेक युगों से चले आने वाले — सनातन

पर्यायवाची शब्द

↳ अन्य नाम-: समानार्थी शब्द

पर्याय + वाची
(अर्थ) ↓ ↓ (अर्थ)
समान बोले जाने वाले शब्द

उदाहरण: (1) गंगा का जल पवित्र होता है।
(2) बादल नीर बरसा रहे हैं।
(3) शेर पानी पी रहा है।

सूर्य: सूरज
भानु
रवि, दिनेश
भास्कर, अंशुमाली
दिनकर, आदित्य
दिवाकर, प्रभाकर

परिभाषा: ऐसे शब्द जिनके अर्थ एक समान होते हैं, वे शब्द 'पर्यायवाची व समानार्थी शब्द' कहलाते हैं।
अथवा
→ जब भिन्न-भिन्न शब्दों का अर्थ समान निकलता है, वे शब्द पर्यायवाची व समानार्थी शब्द कहलाते हैं।

उदाहरण: रात → निशा, रात्रि, रजनी, तामिस्रा, विभावरी, यामिनी, निशीथ, त्रियामा आदि।

Trick

पानी → जल, नीर, तोय, पय, वारि, अंबु, सलिल, जीवन, मेघपुष्प आदि।

(1) पानी + द, *धर → बादल
↳ नीरद, जलद, जलधर,

(2) पानी + ज → कमल
↳ पंकज, नीरज, जलज, सरोज

(3) पानी + धि, निधि → समुद्र
↳ पयोधि, जलनिधि, नीरनिधि

(4) आँख + पानी के पर्याय जोड़ने पर → आँसू के पर्याय बनते हैं।

(1) आम → रसाल, अतिसौरभ, सहकार, आम्र, अमृतफल, अंब, फलश्रेष्ठ फलराज।

(2) आकाश → व्योम, नभ, गगन, द्यो, अंबर, अंतरिक्ष, अनन्त, अभ्र आसमान, दिव, शून्य।

(3) आँख → अक्षि, नयन, दृग, नेत्र, लोचन, चक्षु विलोचन, दृष्टि, प्रेक्षा, अम्बक, चख, प्रेक्षण, दीक्ष

(4) आँगन → अजिर, प्रांगण, बगर, बरामदा

(5) अरुण → सूर्य, सूर्य का सारथी, बिम्बाफल, सिन्दूर, लाल।

Q1 राम माताजी के लिए आम लाया रेखांकित शब्द का पर्यायवाची निम्न में से कौन-सा नहीं है?

(A) अमृतफल (B) पिकबंधु (C) आम्र (D) मेघपुष्प

(1)

(6) अनाज → शस्य, अन्न, दाना, धान्य, गल्ला।

(7) अग्नि → पावक, अनल, कृशानु, दहन, आग, वह्नि, वायुसखा, हुतासन, धूमकेतु, धनञ्जय, ज्वलन, ज्वाला, वैश्वानर

(8) अनाथ → बेसहारा, निराश्रित, यतीम, दीन, नाशहीन।

(9) अँधकार → तम, अँधेरा, तिमिर, अंधियारा, तमस।

(10). आसक्ति → अनुरक्ति, लगाव, स्नेह, लिप्तता, मोह, प्रेम, अनुराग, प्रणय, प्रीति।

पर्यायवाची शब्द

PART→2

(11) अगम्य — दुस्तर, कठिन, विकट, दुर्घट।

(12) अप्सरा — देवांगना, देववाला, सुरबाला, दिव्यांगना, सुरसुंदरी।

(13) अचल — शैल, गिरि, नग, महिधर, आद्रि, अटल, अडिग, स्थिर, दृढ़, अविचल।

~~(14)~~

(14) अमृत — पीयूष, अमिय, सुधा, जीवनोदक, मधु, अमी, सोमरस।

(15) अज्ञानी — अज्ञ, मूर्ख, अनभिज्ञ, मूढ़, पागल

Q राम सुधा उपभोग रोज करता है, रेखांकित शब्द का उचित विकल्प नहीं है—

(A) पीयूष (B) अमिय (C) अमी (D) सलिल (✓) (पानी का पर्याय)

(16) अभिलाषा — आकांक्षा, इच्छा, स्पृहा, कामना, ईप्सा, मनोरथ, चाह, उत्कंठा, ऐषणा, चाव, उत्सुकता।

(17) अतः — परिणामतः, अतएव, इसलिए, लिहाजा।

(18) आभूषण — अलंकार, गहना, जेवर, भूषण, टूम, मंडन।

(19) अंश — अंग, अवयव, भाग, शरीर, खण्ड, हिस्सा, सहायक।

(20) अनार — दाड़िम, रामबीज, शुकप्रिय, शुकोदन।

(21) अन्वेषण — खोज, जाँच, गवेषण, अनुसंधान, शोध।

(22) अभिप्राय — आशय, तात्पर्य, मतलब, मायने, उद्देश्य, मंशा।

(23) अधर — ओठ, ओष्ठ, रदपुट, लव, स्वच्छद।

(24) अतिथि — मेहमान, पाहुना, अभ्यागत, गृहागत, रिश्तेदार

(25) अनुपम — अतुल, अनोखा, अपूर्व, अद्वितीय, बेजोड़, अद्भुत, निरूपम।

(26) अकुलाना — व्याकुल, परेशान, बेचैन, उद्विग्न, विकल।

(27) अधर्म — अनाचार, अन्याय, अपकर्म, अनीत, जुल्म, पाप।

(28) अभिजात — श्रेष्ठ, आर्य, कुलीन, विशिष्ट, योग्य।

(29). अशक्त — मंद, आलसी, सुस्त, दीला।
(30). अनुभूति — बोध, जानकारी, विवेक, बुद्धि, समझ।
(31). आँसू — अश्रु, नयनवीर, नेत्रनीर, नेत्रवारि।
(32). आशय — तात्पर्य, भाव, अर्थ, मतलब, अभिप्राय।
(33). आनंद — आमोद, प्रमोद, हर्ष, सुख, चैन, आह्लाद, मोद, विनोद उल्लास, प्रसन्नता।
(34). आविर्भाव — प्रादुर्भाव, उत्पन्न, पैदाइश, स्रोत, जन्म, अवतरण।
(35). अंक — गोद, संख्या, हृदय, नंबर, सर्ग, पार्श्व।
(36). अपार — असीम, अनंत, निस्सीम, बेशुमार, बेहद।
(37). आयुष्मान — चिरंजीव, शतायु, दीर्घायु, चिरायु, दीर्घजीवी।
(38). आपत्ति — विपत्ति, आपदा, आफत, विपदा, मुसीबत।
(39). आहार — भोजन, खाना, खाद्य-पदार्थ
(40). आडंबर — ढोंग, पाखंड, प्रपंच, स्वांग, दिखावा, ढकोसला। बनावटी।
(41). ईश्वर — जगदीश, जगन्नाथ, परमेश्वर, परमात्मा, प्रभु, दीनानाथ, भगवान, स्वयंभू, विभु, ब्रह्मा, स्रष्टा, सच्चिदानंद, अज
(42). ईर्ष्या — डाह, मत्सर, कुढ़न, द्वेष, जलन, स्पर्धा, हसदा
(43). इन्द्राणी — शची, पुलोमा, इन्द्रा, इन्द्रवधू, शतावरी, इंद्रानी
(44). इंद्र — सुरपति, पुरंदर, शक्र, महेंद्र, देवराज, विडौजा, सुरेश, पर्वतारि, देवेन्द्र, शचीपति, मघवा, देवेश, वासव, अमरपति, जिष्णु।

Q इंद्र का पर्यायवाची नहीं है—
(A) शक्र (B) शचीपति (C) विष्णु (D) देवेन्द्र

Q नीरज किसका पर्यायवाची है—
(A) सागर (B) बादल (C) जल (D) कमल

पर्यायवाची शब्द

PART→3

(45). इच्छा – ईहा, वासना, स्पृहा, लिप्सा, उत्कंठा, लालसा, तृष्णा, अभिलाषा, आकांक्षा, कामना, ख्वाहिश

(46). ईख – रसाल, रसद, पैंड़ी, गन्ना, ऊख, रसदंड

(47). उपहास – परिहास, मजाक, हँसी, मखौल, अपमान।

(48). ऊर्जा – शक्ति, ओज, स्फूर्ति, बल, जोर, ताकत, सामर्थ्य।

(49). ऊँट – लंबोष्ठ, महाग्रीव, क्रमेलक, उष्ट्र।

(50). ऊँचा – उच्च, श्रेष्ठ, उर्ध्व ऊपर, बुलंद, उत्तुंग, बड़, उठा हुआ, तुंग।

(51). उच्छृंखल – उद्दंड, निरंकुश, अक्खड़।

(52). उपवास – व्रत, अनशन, फाका, लंघन, निराहार।

(53). उत्साह – उमंग, जोश, हौसला, उबाल, साहस, उल्लास, अध्यवसाय

(54). ऐश्वर्य – वैभव, संपन्नता, धन-संपत्ति, समृद्धि, ऋद्धि।

(55). ओस – हिमकण, तुषार, हिमबिंदु, तुहिनकण, हिमसीकर।

(56). ओज – बल, ताकत, पराक्रम, दम, शक्ति, ऊर्जा।

(57). कनक – सोना, धतूरा, गेहूँ, स्वर्ण, जातरूप, हिरण्य, हाटक, कंचन, हेम, कुंदन, कलधौत।

(58). कुशल – दक्ष, निपुण, प्रवीण, चतुर, होशियार।

(59). कुमुदिनी – नलिनी, कैरव, चंद्रप्रिया, इंदुकमल।

(60). क्रोध – अमर्ष, रोष, गुस्सा, कोप, तैश, रिस।

(61). कोयल – कोकिल, पिक, श्यामा, मदनशलाका, वसंतदूत, कलध्वोष, परभृत।

(62). कामदेव – मनसिज, मन्मथ, पुष्पधन्वा, रतिपति, अनंग, मकरध्वज, मदन, मीनकेतु, कंदर्प, पंचशर, मनोज, मार, प्रद्युम्न, कामग, रतिनाम, रतिपति, रति स्वामी।

(63). कपड़ा – वसन, वस्त्र, पट, चीर, अंबर, पहरावा, दुकूल, परिधान।

(64). कृष्ण – वासुदेव, हृषीकेश, नंदनंदन, गिरिधर, श्याम, कंसारि,

पर्यायवाची शब्द

PART→3

(45). इच्छा – ईहा, वासना, स्पृहा, लिप्सा, उत्कंठा, लालसा, तृष्णा, अभिलाषा, आकांक्षा, कामना, ख्वाहिश

(46). ईख – रसाल, रसद, पौंड़ी, गन्ना, ऊख, रसदंड

(47). उपहास – परिहास, मजाक, हँसी, मखौल, अपमान।

(48). ऊर्जा – शक्ति, ओज, स्फूर्ति, बल, जोर, ताकत, सामर्थ्य।

(49). ऊँट – लंबोष्ठ, महाग्रीव, क्रमेलक, उष्ट्र।

(50). ऊँचा – उच्च, श्रेष्ठ, उर्ध्व ऊपर, बुलंद, उत्तुंग, बड़, उठा हुआ, तुंग।

(51). उच्छृंखल – उद्दंड, निरंकुश, अक्खड़।

(52). उपवास – व्रत, अनशन, फाका, लंघन, निराहारा।

(53). उत्साह – उमंग, जोश, हौसला, उबाल, साहस, उल्लास, अध्यवसा

(54). ऐश्वर्य – वैभव, संपन्नता, धन-संपत्ति, समृद्धि, ऋद्धि।

(55). ओस – हिमकण, तुषार, हिमबिंदु, तुहिनकण, हिमसीकर।

(56). ओज – बल, ताकत, पराक्रम, दम, शक्ति, ऊर्जा।

(57). कनक – सोना, धतूरा, गेंहू, स्वर्ण, जातरूप, हिरण्य, हाटक, कंचन, हेम, कुंदन, कलधौत।

(58). कुशल – दक्ष, निपुण, प्रवीण, चतुर, होशियार।

(59). कुमुदिनी – नलिनी, कैरव, चंद्रप्रिया, इंदुकमल।

(60). क्रोध – अमर्ष, रोष, गुस्सा, कोप, तैश, रिस।

(61). कोयल – कोकिल, पिक, श्यामा, मदनशलाका, वसंतदूत, कलघोष, परभृत।

(62). कामदेव – मनसिज, मन्मथ, पुष्पधन्वा, रतिपति, अनंग, मकरध्वज, मदन, मीनकेतु, कंदर्प, पंचशर, मनोज, मार, प्रद्युम्न, कामग, रतिनाम, रतिपति, रति स्वामी।

(63). कपड़ा – वसन, वस्त्र, पट, चीर, अंबर, पहरावा, दुकूल, परिधान।

(64). कृष्ण – वासुदेव, हृषीकेश, नंदनंदन, गिरिधर, श्याम, कंसारि,

वंशीधर, मोहन, माधव, गोविंद, मुरारि, दामोदर, कन्हैया, वनमाली मुकुंद।

(65). कली – कलिका, मुकुल, कोरक, गुंचा, पंखुड़ी, डोंडी, कुड्मल।

(66). कौआ – काक, काग, वायस, एकाक्ष, पिशुन, काण, कागा।

(67). कल्पवृक्ष – पारिजात, कल्पतरू, देववृक्ष, कल्पद्रुम, सुतरू, मन्दार कल्पशाल, हरिचंदन।

(68). कमल – पंकज, पद्म, अम्बुज, नीरज, इन्दीवर, राजीव, कुवलय, अरविंद, तामरस, जलज, सरसिज, पुंडरीक, शतदल, कंज, अब्ज, पद्म, नलिन, सरोज, जलजात।

(69). काँच – शीश, दर्पण, आबगीन, श्वेतरंजन, आईना।

(70). किरण – मरीचि, रश्मि, दीप्ति, प्रभा, अंशु, केतु, केर, अर्चि।

(71). कृतज्ञ – आभारी, अकृत, कृतार्थ, अनुग्रहीत, ऋणी।

(72). कर – टैक्स, शुल्क, महसूल।

(73). किशोर – तरूण, युवा, युवक, जवान।

(74). किसान – हलधर, कृषक, काश्तकार, खेतिहर।

(75). किनारा – कूल, पुलिन, पर्यंत, तीर, तट, छोर।

(76). खरगोश – शशक, शश, खरहा।

(77). कुबेर – अलंकेश, यक्षराज, धनद, किन्नरेश, धनेश्वर, धनपाल राजराज, धनेश, धनाधिप।

(78). खल – शठ, दुष्ट, पामर, कुटिल, नृशंस, दुर्जन, धूर्त, अधम, चुगलखोर, धोखेबाज, नीच, तुच्छ।

(79). खर – गदहा, तिनका, तेज, एक राक्षस, प्रखर।

(80). खिड़की – गवाक्ष, झरोखा, बारी, वातायन, दरीचा।

पर्यायवाची शब्द

PART→4

(82) गाय → धेनु, गौरी, गइया, गौ, सुरभि, भद्रा।
(83) गदहा → धूसर, खर, वैशाखनंदन, रासभ, चक्रीवान, गर्दभ।
(84) गुस्सा → क्रोध, अमर्ष, रोष, क्षोभ, कोप
(85) ग्रीवा → गरदन, शिरोधरा, गला, कंठ।
(86) गरीब → दरिद्र, निर्धन, अकिंचन, कंगाल, दीन।
(87) गणेश → विनायक, गणपति, एकदंत, लंबोदर, मोदकप्रिय, गजानन, मूषकवाहन, गजवदन, गौरीसुत, हेरम्ब, भवानीनंदन, विघ्ननाशक, महाकाय।
(88) गेह → गृह, सदन, भवन, निकेतन, घर, निलय, आयतन, आगार, धाम, मकान, आलय, अयन। आवास, निवास स्थान।
(89) चाँदनी → कौमुदी, ज्योत्स्ना, चंद्रिका, चंद्रकला, अंजोरिया, जुन्हाई चन्द्रातप, रोशनी।
(90) जीव → प्राणी, प्राण, चैतन्य, देही, देहधारी, प्राणधारी, जीवधारी, जान, जीवन।
(91) जूता → उपानह, पनही, खड़ाऊ, पदत्राण, चर्मपादुका।
(92) जंगल → कान्तार, वन, कानन, अरण्य, विपिन, अटवी, दाव
(93) गंगा → भागीरथी, मंदाकिनी, सुरसरिता, देवनदी, जाह्नवी, त्रिपथगा, अलकनंदा, सुरसरि, विष्णुपदी।
(94). घोड़ा → तुरंग, अश्व, घोटक, सैंधव, हय, रविसुत, वाजि, हरि।
(95). घास → तृण, तिनका, दूर्वा, दूब, कुश, (शाद)
(96). चतुर → हाजिरजवाब, तीव्रबुद्धि, प्रवीण, फुर्तीला, नागर, होशियार, विदग्ध, पटु, निपुण, सयाना।
(97). ढेर → ओघ, अंबार, राशि, पुंज, जमाव, समूह।
(98). तोता → सुआ, दाड़िमप्रिय, रक्तुण्ड, शुक, कीर, सुग्गा।
(99). तालाब → पुष्कर, सरोवर, पोखर, सरसी, तड़ाग, ताल, पद्माकर

हद, सर, कासार।

(100) तरकश → निषंग, त्रोण, तूणीर, तूण।

(101) तलवार → करवाल, कृपाण, खड्ग, असि, चन्द्रहास, तेग, शमशीर

(102) जल → नीर, अंबु, सलिल, पानी, तोय, तोय, वारि, पय, अमृत, मेघपुष्प, उदका।

(103) जगत → विश्व, संसार, दुनिया, भव, भुवन, मृत्युलोक, जग, जहान।

(104) जीभ → रसना, जिल्हा, जवान, रसज्ञा।

(105) झण्डा → पताका, केतु, निशान, ध्वज, केतन।

(106) झूठ → अनृत, असत्य, मिथ्या, वितथ्य, अतथ्य।

(107) टीका → व्याख्या, भाष्य, विवृत्ति, वृत्ति, भावांतरण।

(108) दूध → अमृत, क्षीर, पीयूष, दुग्ध, गोरस, पया.

(109) दिनांक → मिती, तारीख, तिथि।

(110) दर्पण → पारदर्शक, आइना, शीशा, प्रतिबिम्बक आरसी, मुकुर, प्रतिमान।

(111) दिन → वासर, वार, दिवस, दिवा।

(112) द्वेष → बैर, शत्रुता, खार, विरोध, दुश्मनी, जलन, मात्सर्य।

(113) दुर्गा → चण्डिका, सिंहवाहिनी, कालिका, कल्याणी, कुमारी, कामाक्षी, सुभद्रा, महागौरी, नारायणी, भगवती, महामाया, भवानी, चण्डी, शक्ति, दुर्गे।

(114) मनीषी → पंडित, विद्वान, चिंतक।

(115) देवता → देव, अमर, सुर, बिबुध, आदित्य, निर्जर, गीर्वाण, त्रिदश अमर्त्य।

(116) द्रौपदी → कृष्णा, पांचाली, द्रुपसुता, याज्ञसेनी।

पर्यायवाची शब्द

PART→ 5

(117). नदी – सरिता, निर्झरिणी, तरंगिणी, पयस्विनी, लहरी, अपगा, निम्नगा, तरिणी, कल्लोलिनी, सरी।

(118). नित्य – शाश्वत, अमर, अविनाशी, अमर्त्य, अनश्वर, सदा, सनातन, सर्वदा, सदैव, अहर्निश, प्रतिदिन, रोज, हमेशा।

(119). नैसर्गिक – प्राकृतिक, स्वाभाविक, वास्तविक।

(120). नौका – नाव, तरणी, डोंगी, पतंग, जलयान, तरी, बेड़ा, वन-वाहन, नैया।

तरणि→ सूर्य, तरूणी →लड़की

(121). दुर्गा – मीनाक्षी, महागौरी, चंडिका, कल्याणी, भवानी, शक्ति, महामाया, भगवती, कालिका।

(122). दास – अनुचर, भृत्य, सेवक, परिचर, नौकर चाकर, किंकर।

(123). देवता – आदित्य, सुर, अमर, देव, निर्जर, त्रिदश, गीर्वाण, बिबुध, अमर्त्य

(124). दुःख – पीड़ा, व्यथा, कष्ट, क्लेश, वेदना, यातना, उद्वेग, खेद, विषाद, सन्ताप, क्षोभ, यन्त्रणा, संकट, शोक, उत्पीड़न।

(125) पंकिल – मैला, मलिन, गंदला, गंदा।

(126). पक्षी – बिहग, खग, पंछी, द्विज, अण्डज, विहंग, पतंग, परिंदा चिड़िया, पखेरू।

(127). पण्डित – सुधी, विद्वान, कोविद, विचक्षण, सुविज्ञ, ज्ञानी, बुध, धीर, मनीषी, प्राज्ञ।

(128) पत्थर – संग, प्रस्तर, पाहन, शिला, पाषाण, अश्म।

(129) पुत्री – तनया, आत्मजा, सुता, लड़की, बेटी, दुहिता।

(130) बंदर – कपीश, कपि, हरि, शाखामृग, मर्कट | वानर

(131) पार्वती – उमा, गौरी, शिवा, भवानी, दुर्गा, गिरिजा, गिरिराज कुमारी, सती, अम्बिका, शैल-सुता, ईश्वरी, आर्या, सर्वमंगला, चण्डी, अपर्णा।

(132) पृथ्वी – भू-भूमि, अचला, धरा, धरित्री, वसुंधरा, वसुधा, अवनि, मेदिनी, मही, प्रहुमि, जगती, क्षोणी, क्षिति, वसुमती, बीनामुस, ईला

(133). पुष्प – कुसुम, सुमन, फूल, लतांत मंजरी, पुहुप।
(134). पवन – वायु, समीर, हवा, मारुत, प्रकम्पन, समीरण, वात, प्रभंजन, प्राण, अनिल, बयार, पवमान।
(135). पर्वत – भूधर, गिरि, शैल, नग, भूमिधर, मेरु, महीधर, अचल, पहाड़, तुंग।
(136). पशु – जानवर, चौपाया, श्वेशी, जन्तु, चतुष्पाद।
(137). पुत्र – तनय, आत्मज, सुत, लड़का, बेटा, औरस, पूत।
(138). पत्नी – भार्या, दूसरा, जाया, जोरू, वामा, परिणीता, कलत्र, अर्धांगिनी, लुगाई।
(139). फौज – लश्कर, कटक, अनीकिनी, कुमक, अनीक, चमू, सेना।
(140). बाण – तीर, तोमर, विशिख, शिलीमुख, नाराच, शर, इषु, सायक, आशुग।
(141). बालिका – बाला, कन्या, बच्ची, लड़की।
(142). बिजली – विद्युत, चपला, चंचला, सौदामिनी, तड़ित, दामिनी, शंपा, घनवल्ली, बीजुरी, क्षणप्रभा, काँचनबली।
(143). ब्रह्मा – पितामह, स्वयंभू, चतुरानन, विरंचि, विधि, सृष्टा, प्रजापति, कमलासन, हिरण्यगर्भ, हंसवाहन, लोकेश, कर्तार, सदानंद, अण्डज, गिरापति।
(144). ब्राह्मण – विप्र, द्विज, भूसुर, भूदेव, महीसुर।
(145). भ्रमर – मधुकर, मधुप, अलि, भृंग, भौंरा, षट्पद, मधुराज, मधुभक्षी।
(146). मछली – झष, जल-जीवन, मीन, मत्स्य, शफरी।
(147). मार्ग – पथ, डगर, रास्ता, पंथ, सड़क, राह।
(148). महादेव – शिव, शम्भू, शंकर, महेश, गिरीश, चंद्रशेखर, नीलकण्ठ, त्रिलोचन, भूतनाथ, पशुपति, महेश्वरी, गिरिजापति, कपर्दी, कामदेव, कैलाशपति, शिति-कंठ, रुद्र, त्रिपुरारि।
(149). मुख – मुँह, मुखड़ा, चेहरा, आनन।
(150). मुर्गा – ताम्रचूड़, ताम्रचूड़, कुक्कुट, अरुणशिखा।

(151). माँ - माई, अम्बिका, मातु = माता, मातरि, मैया, महतारी, अम्ब, जननी, जनयित्री, धात्री, प्रसू, अम्मी, मम्मा, अई

(152). मित्र - मीत, सखा, यार, हमदम, सुहृद, दोस्त।

(153). मेघ - घराधर, घून, जलधर, वारिद, जीमूत, बादल, वारिधर, वधोद, पयोधर।

पर्यायवाची शब्द

PART-6

(154) युवती – सुंदरी, श्यामा, तरूणी, यौवनवती, रमणी, नवयौवना।
(155) रंक – निर्धन, धनहीन, दरिद्र, कंगाल, अकिंचन।
(156) रमणी – स्त्री, वनिता, नारी, औरत, वामा, कलत्र, महिला, कांता।
(157) रावण – दशकंध, दशानन, लंकेश, लंकाधिपति, दैत्येन्द्र, दशकण्ठ दशवदन, लंकापति।
(158) लक्ष्मी – श्री, कमला, रमा, पद्मा, हरिप्रिया, इंदिरा, समुद्रजा, विष्णुप्रिया।
(159) लज्जा – व्रीड़ा, संकोच, लाज, शर्म, हया।
(160) यती – संन्यासी, मुनि, वैरागी, ऋषि, योगी।
(161) यमुना – कालिंदी, अर्कजा, रवितनया, कृष्णा, कालगंगा, सूर्यसुता भानुजा, तरणि तनूजा, अर्कसुता।
(162) मेढ़क – दादुर, भेक, शालूर, वर्षा, भू, मण्डूक, वर्षाप्रिय।
(163) मोर – मयूर, केकी, कलापी, शिखी, ध्वजी, नीलकण्ठ, सारंग
(164) मोक्ष – मुक्ति, निर्वाण, कैवल्य, अपवर्ग, सद्गति, परमपद, परमधाम।
(165) राजा – नृप, नृपति, भूप, महीप, नरेश, नरपति, भूपति, नरेन्द्र सम्राट, महिपति, पृथ्वीपति, पृथ्वीनाथ, पृथ्वीस्वामी।
(166) रात – निशीथ, रैन, रात्रि, रजनी, क्षपा, यामिनी, विभावरी, शर्वरी, तमी, त्रियामा, तमिस्रा, क्षपा, निशा, निशी।
(167) लहर – तरंग, हिलोर, लहरी, ऊर्मि, प्रवाह, वेग, वीचि।
(168) वंश – कुल, घराना, खानदान।
(169) वर्षा – पावस, बरसात, वर्षाकाल, चौमासा, बरखा, मेह, वृष्टि, बारिश।
(170) वस्त्र – वसन, कपड़ा, अम्बर, चैल, चीर, पट, पहरावा, पहरनी
(171) विष्णु – गरुड़ध्वज, अच्युत, जनार्दन, चक्रपाणि, मुकुंद, नारायण

(172) विवाह – ब्याह, पाणिग्रहण, परिणय, शादी, गठबंधन, निकाह, गठजोड़

(173) विष – जहर, गरल, माहुर, कालकूट, हलाहल।

(174) वृक्ष – शाखी, पादप, द्रुम, विटप, पेड़, रूख तरू।

(175) शत्रु – बैरी, रिपु, दुश्मन, अरि, विपक्षी, प्रतिपक्षी, प्रतिद्वन्द्वी।

(176) सर्प – अहि, भुजंग, मणिधर, विषधर, व्याल, फणी, उरग, पन्नग, साँप, नाग।

(177) समुद्र – सिंधु, सागर, जलधि, उदधि, पयोधि, पारावार, नदीश पयोनिधि, वारीश, रत्नाकर, अर्णव, नीरनिधि, अब्धि, वारिधि, जलधाम, नीरधि, तोयनिधि।

(178) सरस्वती – भारती, शारदा, वीणा, गिरा, ब्राह्मी, वीणापाणि, वागीश।

(179). सिंह – शार्दूल, हरि, केहरी, केशरी, मृगराज, मृगेन्द्र, वनराज, व्याघ्र, केशी, नाहर, मृगारि, शेर।

(180). सीता – भूमिजा, वैदेही, जनकतन्या, जानकी, रामप्रिया, जनकसुता।

(181). सूअर – वराह, सूकर।

(182) सूर्य – रवि, भानु, दिनकर, दिवाकर, भास्कर, प्रभाकर, सविता, पतंग, आदित्य, अर्क, कमलबंधु, हंस, दिनमणि। अंशुमाली

(183). सौम्य – नम्र, शांत, विनीत, शिष्ट, मिलनसार।

(184). स्थावर – अटल, अचल, स्थिर, निश्चल, दृढ़।

(185). हिमालय – हिमगिरि, हिमपति, हिमाद्रि, नगराज, शैलेन्द्र, नगपति, गिरिराज। पर्वतराज।

पर्यायवाची शब्द

PART→7#

Q 'पिशुन' किसका पर्यायवाची शब्द है–
(A) मोर (B) चिड़िया (C) तोता (D) कौआ (✓)

Q 'प्रसून' किसका पर्याय है–
(A) बादल (B) फूल (✓) (C) कमल (D) कली

Q 'नीरद', 'पयोधर', 'पयोद' किसके पर्याय होते हैं–
(A) कमल (B) मेघ (✓) (C) जल (D) समुद्र
(बादल)

(186). हिरण – मृग, सारंग, हरिण, सुरभी, कुरंग, कृष्णसार।
(187). हिम – तुषार, नीहार, बर्फ, तुहिन।
(188). अधीर – बेचैन, उद्विग्न, आकुल, व्यग्र, अशांत, उतावला, बेताब।
(189). अमर – अनश्वर, नित्य, सनातन, अविनाशी
(190). स्वर्ग – द्यौ, देवलोक, सुरलोक, इन्द्रपुरी, वैकुण्ठ।
(191). हंस – मराल, सरस्वतीवाहन, कलकंठ।
(192). हनुमान – पवन कुमार, महावीर, रामदूत, मारुतिनंदन, आंजनेय, कपीश, पवनपुत्र, बजरंगबली, केशरीनंदन पंचमुखी, दक्षिणामुखी।
(193). हाथी – हस्ती, गज, करी, कुंजर, द्विरद, नाग, दन्ती, कुम्भी, सिंधुर, मतंग, वितुण्ड, द्विप, वारण, गयंद।
(194). उद्देश्य – ध्येय, निमित्त, मकसद, प्रयोजन, हेतु, तात्पर्य, अभिप्राय, आशय।
(195). ऊसर – अनुपजाऊ, शस्यहीन, बंजर।
(196). कछुआ – कूर्म, कमठ, कच्छप।
(197). कबूतर – कपोत, परेवा, पारावत, शांतिप्रिय।
(198). झगड़ा – कलह, टंटा, तकरार, विवाद। लड़ाई
(199). तंबू – खेमा, डेरा, वितान, शामियाना।
(200). छल – प्रपंच, फरेब, चकमा, झाँसा। धोखा

(201). जनक – जनयिता, पिता, तात, वालिद, पापा, अब्बा
(202). जीत – फतह, विजय, जय।
(203). कुत्ता – सारमेय, सोनहा, शुनक, श्वान, कुक्कुर।
(204). केला – कदली, भानुफल, काष्ठीला, रम्भा, बिम्बाफल।
(205). घी – घृत, नवनीत।
(206). तनु – कृश, दुबला, कलेवर, काया, शरीर (कमजोर)। → देही, देह
(207). तीखा – प्रखर, तीक्ष्ण, पैना।
(208). दरवाजा – पल्ला, कपाट, पट, किवाड़, द्वार।
(209). धनुष – चाप, शरासन, कोदण्ड, पिनाक, सारंग। → (शिव के धनुष का नाम)
(210). बर्बर – असभ्य, अशिष्ट, उद्धत। अज्ञानी
(211). गंभीर – गूढ़, जटिल, दुरूह, क्लिष्ट
(212). चूहा – गणेशवाहन, मूषक, आखु, उंदुर।
(213). बगीचा – उपवन, उद्यान, बाड़ी।
(214). जहर – गरल, विष, हलाहल, कालकूट।
(215). लता – बल्ली, बल्लरी, बेल।
(216). बाण – शर, सायक, शिलीमुख, आशुग, इषु, नाराच।
(217). हंस – मराल, मुक्तभुक, मानसौक।

सर → तालाब

शिलीमुख → भौंरा, भ्रमर

(218). चाँदी – रूपा

वाक्य शुद्धि

(1) संज्ञा
(2) सर्वनाम
(3) लिंग
(4) वचन
(5) विशेषण
(6) पद क्रम
(7) अव्यय
(8) कारक
(9) वर्तनी
(10) क्रिया

उदाहरण :

(1). राम को अपने बड़ों का आर्शीवाद नहीं मिला।
वाक्य के अशुद्ध भाग का चयन करें–
(A) राम को अपने
(B) बड़ों का आर्शीवाद (✓) → आशीर्वाद
(C) नहीं मिला
(D) कोई त्रुटि नहीं है

(2). महिला सुंदर दिखने के लिए श्रृंगार करती हैं।
रेखांकित शब्द को सही करें–
(A) शृंगार (B) श्रृंगीर (C) श्रृंगार (✓) (D) श्रृंगार

(3). वाक्य का प्रतिस्थापन करें–
हिन्दी में बड़े-बड़े संकट हैं। (रेखांकित भाग के लिए उचित विकल्प का चयन करें)
(A) बड़े-बड़े कष्ट है
(B) बड़ी-बड़ी बाधाएँ हैं (✓)
(C) बड़ी-बड़ी आफत हैं
(D) बदलाव की आवश्यकता नहीं हैं

(4). राम घर पर बैठा है। वाक्य में त्रुटि वाला भाग बताओ –
(A) राम (B) घर पर (✓) (C) बैठा है (D) किसी बदलाव की आवश्यकता नहीं है।
→ राम घर में बैठा है
→ पुस्तक मेज पर रखी है।
→ चिड़िया घोंसले में बैठी है।

(5). मैंने सकारात्मक सोच रखता हूँ।
उपर्युक्त वाक्य के किस भाग में त्रुटि है – बताओ?
(A) मैंने (✓) (B) सकारात्मक (C) सोच रखता हूँ
(D) किसी बदलाव की आवश्यकता नहीं है।

(6). मेरे को दिल्ली जाना है –
रेखांकित भाग के लिए उचित विकल्प क्या होगा?
(A) मुझे (✓)
(B) मेरे से
(C) मुझमें
(D) किसी बदलाव की आवश्यकता नहीं है।

PYQ

संज्ञा संबंधी अशुद्धियाँ

(1). हिंदी के प्रचार में आज भी ~~बड़े-बड़े~~ संकट हैं।
बड़ी-बड़ी बाधाएँ हैं।

(2). ~~उसने कितने~~ वीरता से भरे ~~हुए~~ गीत सुनाये।
कितनी

(3). नेताजी की मृत्यु ~~रोमांचक~~ है।
दुःखद

(4). कृषि हमारी व्यवस्था ~~की रीढ़~~ है।
का आधार

(5). उनकी ~~महिला~~ भी उनके साथ आयी है।
पत्नी

(6). तुम्हारे में से कोई क्यों बात करे? तुमसे कोई क्यों बात करे?

(7). ~~मेरे से~~ कुछ न पूछो। मुझ से

(8). हम आपकी यह ~~अफवाह~~ बात मानने को तैयार नहीं हैं।

(9). नगर की सारी जनसंख्या भूखी है। जनता

वाक्य शुद्धि

PART - 2.

संज्ञा संबंधी अशुद्धियाँ :-

→ नगर की सारी जनसंख्या भूखी है। "जनता"

→ फसल नाश हो गई "नष्ट"

→ मैं शनिवार ~~के दिन~~ वहा पहुच रहा हूँ। "को"

→ यह चित्र बड़ा सुन्दर है। "बहुत"

→ उनका रहन-सहन का ~~दर्जा~~ ऊचा है। "स्तर"

→ मुझे सफल होने की ~~निराश~~ है "आशा"

→ आपने यहा बुलाकर ~~अशुद्धि~~ की। "गलती"

→ प्रेम करना तलवार की ~~नोक~~ पर चलना है। "धार"

→ ~~हमारे~~ माता जी बहुत अच्छी हैं। "हमारी"

→ गोलियो की बाढ़ से बौछार हो गई

→ उसने धीरे स्वर मे कहा "धीमे"

→ पुस्तक समर्पण की "प्रस्तुत"

→ उसने उनके गले मे एक गँदे की माला पहनायी

→ सभा मे विरोध प्रकट किया गया

→ दूध मे कोन पड़ गया है "क्या"

लिंग संबंधी अशुद्धियाँ

⇒ अशुद्ध वाक्य :-

→ परीक्षा की प्रणाली बदलना चाहिए "बदलनी"

→ हिन्दी की शिक्षा अनिवार्य कर दिया गया। "दी गई"

→ मुझे मजा आती है। "आता"

→ उसने संतोष का सांस ली। "की"

→ मुझे बहुत आनंद आती है। "आता"

→ वह धीमी स्वर मे बोला। "धीमे"

→ राम, सीता वन को गई "गए"

→ देश की सम्मान की रक्षा करो "के"

→ लड़की ने जोर से हँस दी ने ×

→ दंगे मे बालक, युवा, नर-नारी सब पकड़ी गई "पकड़े गए"

वचन संबंधि अशुद्धिया

अशुद्ध वाक्य.-

→ सबो ने यह राय दी "सब"

→ पेड़ो पर तोता बैठा है। "पेड"

→ उसने अनेको ग्रंथ लिखे। "अनेक"

→ उसने अनेक प्रकार की विद्या सीखी "विद्याएँ"

→ महाभारत अठारह दिनों तक चलता रहा। "दिन"

→ मेरे ऑसु से रूमाल भींग गया "आसूओ"

→ पाकिस्तान ने गोले ओर तोपो से आक्रमण किया "गोलो"

→ तेरी बात सुनते-2 कान पक गए "बाते"
→ ऐसी एकाध बाते सुनकर दुख: होता हैं। "बात"
→ हमारे सामानो का ख्याल रखियेगा सामान
→ वे विविध विषय से परिचित हैं। "विषयो"

कारक संबधी अशुद्धिया

→ हमने यह काम करना हैं। "हमे"
→ मैने राम को पूंछा। "से"
→ सब से नमस्ते। "को"
→ नौकर का कमीज "की"
→ मैंने नही जाना "मुझे"
→ मेरे नये पते से चिट्ठिया भेजना पर

सर्वनाम संबधी अशुद्धिया

→ मेरे से मत पूछो। "मुझसे"
→ कुत्ता रेंगता हैं। "भौकता"
→ मेरे को यह बात पसद नही "मुझको"
→ तेरे को अब जाना चाहिए "तुझे"
→ मेने नही जाना "मुझे"
→ आप आपका काम करो (अपना")
→ मैं रविवार के दिन तुम्हारे घर आंऊगा
"को"

कारक → मे 8 भेद.

1. कर्ता — ने
2. कर्म — को
3. करण — से, के द्वारा (साधन)
4. संप्रदान — के लिए, के वास्ते, को
5. अपादान — से (अलगाव), तुलना
6. संबंध — का, की, के, रा री, रे
7. अधिकरण — मे, पर
8. संबोधन — अरे, ओ, अर !

सर्वनाम - 6 भेद है।

→ पुरुषवाचक सर्वनाम
→ अनिश्चय वाचक सर्वनाम
→ निश्चय वाचक सर्वनाम
→ प्रश्न वाचक सर्वनाम
→ निज वाचक सर्वनाम
→ संबंध वाचक सर्वनाम

वाक्य शुद्धि

PART-3

सर्वनाम सम्बंधी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य

→ आप जाकर ले लें। लीजिए
→ ~~वह~~ सब भले लोग हैं। वे
→ आँख में ~~कौन~~ पड़ गया। क्या
→ ~~गले में~~ गुलामी की बेड़ियाँ पड़ गई पैरों में
→ मैं ~~उन्होंके~~ पिताजी से जाकर मिला। उनके

विशेषण संबंधी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य

→ उसे ~~भारी~~ प्यास लगी है। बहुत
→ उसे ~~भारी~~ दुःख हुआ। बहुत
→ जीवन और साहित्य का ~~घोर~~ संबंध है। घनिष्ठ
→ मुझे ~~बड़ी~~ भूख लगी है। बहुत
शेर→ सिंह बड़ा ~~वीभत्स~~ होता है। भयानक
→ यह एक ~~गहरी~~ समस्या है। गंभीर
→ किसी ~~और~~ लड़के को बुलाओ। दूसरे
→ इसका ~~कोई~~ अर्थ नहीं है। कुछ भी
→ इस ~~वीरान~~ जीवन में। नीरस
→ उसको ~~बहुत~~ हानि हुई। बड़ी
→ सब लोग अपना काम करो। अपना-अपना
→ राजेश ~~अग्रिम~~ बुधवार को आएगा। आगामी
→ दूध का अभाव ~~चिन्तनीय~~ है। चिन्ताजनक

क्रिया संबंधी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य

→ वह कुर्ता डालकर गया है। पहनकर
→ क्या यह संभव हो सकता है। ये
→ पगड़ी ओढ़कर आओ। बाँधकर
→ तुम क्या काम करता है। करते
→ वह पढ़ना माँगता है। चाहती
→ वह लड़का मोटर हाँक सकता है। चला
→ छोटी अ शिक्षा लेने के लिए है। पाने के लिए है / ग्रहण करने के लिए है।
→ वे दस-बारह पशु उठा ले गए।
(खरीद / हाँक)
→ राधा ने माला गूँथ ली। गूँथ
→ मैं दर्शन देने आया था। करने
→ बस तुम इतने रूठ उठे बस बस तुम इतने में रूठ गए।
→ अपना हस्ताक्षर लगा दो। अपने
→ उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया। किया
→ हमें यह सावधानी लेनी होगी। बरतनी होगी।
→ वहाँ घना अँधेरा छिरा था। छाया

अत्यथ सम्बंधी अशुद्धियाँ

अशुद्ध वाक्य

→ यद्यपि वह बीमार था, परन्तु वह स्कूल गया। तथापि
→ पुस्तक विद्वतापूर्ण लिखी गयी है। विद्वतापूर्वक
→ आसानीपूर्वक यह काम कर लिया। आसानी से
→ शनैः उसको सफलता मिलने लगी। शनैः शनैः
→ एकमात्र ही उपाय है।
→ यह पत्र आपके अनुसार है। अनुरूप
→ यह बात कदापि भी सत्य नहीं हो सकती।
→ वह अत्यन्त ही सुंदर है।
→ सारे देश भर में अकाल है।

SSC GD 2025
ROJGAR WITH ANKIT
अवसर वैच
हिंदी
वाक्य शुद्धि
Part -4
LIVE 12-07-2024 06:15 PM

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेद

1. निम्नलिखित में से अशुद्ध वाक्य छाँटिए-

(a) कृष्णाजी के अनेकों नाम हैं अनेक

(b) पुस्तक बहुत ही उपयोगी होती है

(c) शोभना बहुत मीठा गाती है

(d) मैं अभ्यास कर रहा हूँ

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेद

2. निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्य अशुद्ध है?

(a) आज मैं यही रहूँगा।

(b) सज्जन लोग भला ही सोचते हैं।

(c) क्या तुम कॉलेज जाते हो ?

(d) अभी तक पत्र नहीं मिला है।

हाँ, नहीं

गलत

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेद

3. 'मुझे आज खाने का मन नहीं होती है।'
उपर्युक्त वाक्य में अशुद्ध अंश स्पष्ट कीजिए।

(a) मुझे
(b) आज
(c) खाने का
(d) मन नहीं होती है।

4. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस सही विकल्प का चयन करें जो अशुद्ध वाक्य के शुद्ध रूप का सबसे अच्छा विकल्प है।

आप नानी के घर जाओ

(a) आप नानी के घर जाइये

(b) आप नानी घर जाओ

(c) आप ने नानी के घर जाना है

(d) आप नानी के घर जावो

5. 'मैंने घर जाना था।' वाक्य में अशुद्ध अंश है-

(a) मैंने

(b) घर

(c) जाना

(d) था।

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेद

6. "उन्होंने कहाँ जाना है?" वाक्य में किस प्रकार की अशुद्धि है?

(a) सर्वनाम सम्बन्धी
(b) संज्ञा सम्बन्धी
(c) क्रिया सम्बन्धी
(d) विशेषण सम्बन्धी

नाम
उन्होंने कहाँ जाना है?
सर्वनाम

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेद

7. हमारा समाज उन्नति के पथ में है" इस वाक्य में किस प्रकार की अशुद्धि है?

(a) वचन

(b) कारक

(c) संज्ञा

(d) लिंग

हमारा समाज उन्नति के पथ पर है।

(B) अधिकरण कारक → आधार | स्थान | जगह

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेद

8. "हनुमान ने संजीवनी बूटी से लक्ष्मण के लिए होश लाये।" वाक्य में की त्रुटि का आधार पहचानिए।

(a) कारक
(b) वचन
(c) विशेषण
(d) लिंग

हनुमान संजीवनी बूटी से लक्ष्मण को होश में लाए।

A

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेद

9. दिए गए वाक्यों में से सही वाक्य बताइए।

(a) हरिष सज्जन आदमी है।

(b) हरीश सज्जन व्यक्ति है।

(c) हरीश सज्जन है।

(d) हरीष सज्जन पुरुष है।

* विंध्याचल पर्वत हरा भरा है।
अचल

(c) हरीश सज्जन है। → ✓

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेच

10. सभी मिलकर स्कूल जाता है। वाक्य का शुद्ध रूप होगा-

(a) सभी मिलकर स्कूल गए।

(b) सभी मिलकर साथ स्कूल जाते हैं।

(c) सभी मिलकर स्कूल जाते हैं।

(d) सभी साथ स्कूल जाते हैं।

सब बच्चों Exam के लिए अतिथि

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेद

11. सही वाक्य है-

(a) आपकी कृपा - पत्र मिली

(b) आपका कृपा-पत्र मिला

(c) आपकी कृपा - पत्र मिला

(d) आपका कृपा-पत्र मिली

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

12. निम्नलिखित वाक्यों में से कौन सा वाक्य शुद्ध है?

(a) निरपराधी को दंड देना उचित नहीं है

(b) न्यायालय ने उसको निर्दोषी ठहराया

(c) न्यायालय ने उसको निर्दोष बनाया

(d) न्यायालय ने उसको अपराधी लगाया

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेद

13. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस सही विकल्प का चयन करें जो अशुद्ध वाक्य के शुद्ध रूप का सबसे अच्छा विकल्प है।

घूमना सुबह अच्छा है।

(a) घूमना अच्छा है सुबह

(b) घूमना सुबह है अच्छा

(c) सुबह अच्छा है घूमना

(d) सुबह घूमना अच्छा है।

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेद

14. उचित एवं शुद्ध वाक्य पहचानिए।

(a) लड़किएँ सेब खा रही हैं।

(b) लड़कियों सेब खा रही हैं।

(c) लड़कियाँ सेब खा रही हैं। → ✓

(d) लड़की सेब खा रही हैं।

15. "घर पर सब कुशल पूर्वक है"। वाक्य में किस प्रकार की अशुद्धि है?

(a) लिंग

(b) कारक

(c) सर्वनाम

(d) संज्ञा

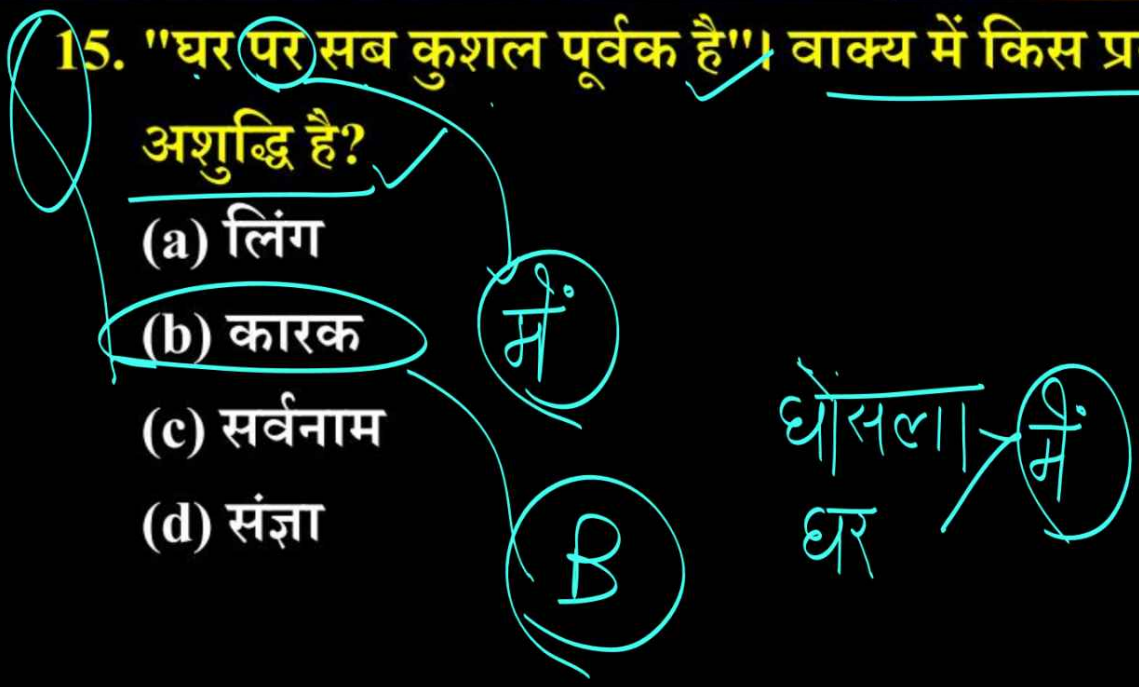

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेद

16. दिए गए वाक्यों में त्रुटिहीन वाक्य कौन-सा है?

(a) शरीर में ताकत होनी चाहिए।

(b) शरीर के अंदर ताकत होनी चाहिए।

(c) शरीर में ताकत होनी चाहिए।

(d) शरीर पर ताकत होनी चाहिए।

त्रुटिहीन
सही वाक्य

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेद

17. निम्नलिखित वाक्यों में से कौन-सा कथन अशुद्ध है।

(a) हमारे पास समय कम है।

(b) कल लोगों की भीड़ जमेगी इकट्ठा होगी।

(c) कहाँ जाना है?

(d) शायद बारिश हो रही है।

B

गलत

18. निम्नलिखित वाक्यों में से अशुद्ध वाक्य पहचानिए।

(a) उसे जल्दी घर जाना था।

(b) मुझे वहाँ नहीं जाना है।

(c) वे लोग जा रहे हैं।

(d) पिता ने मेरे से कहा।

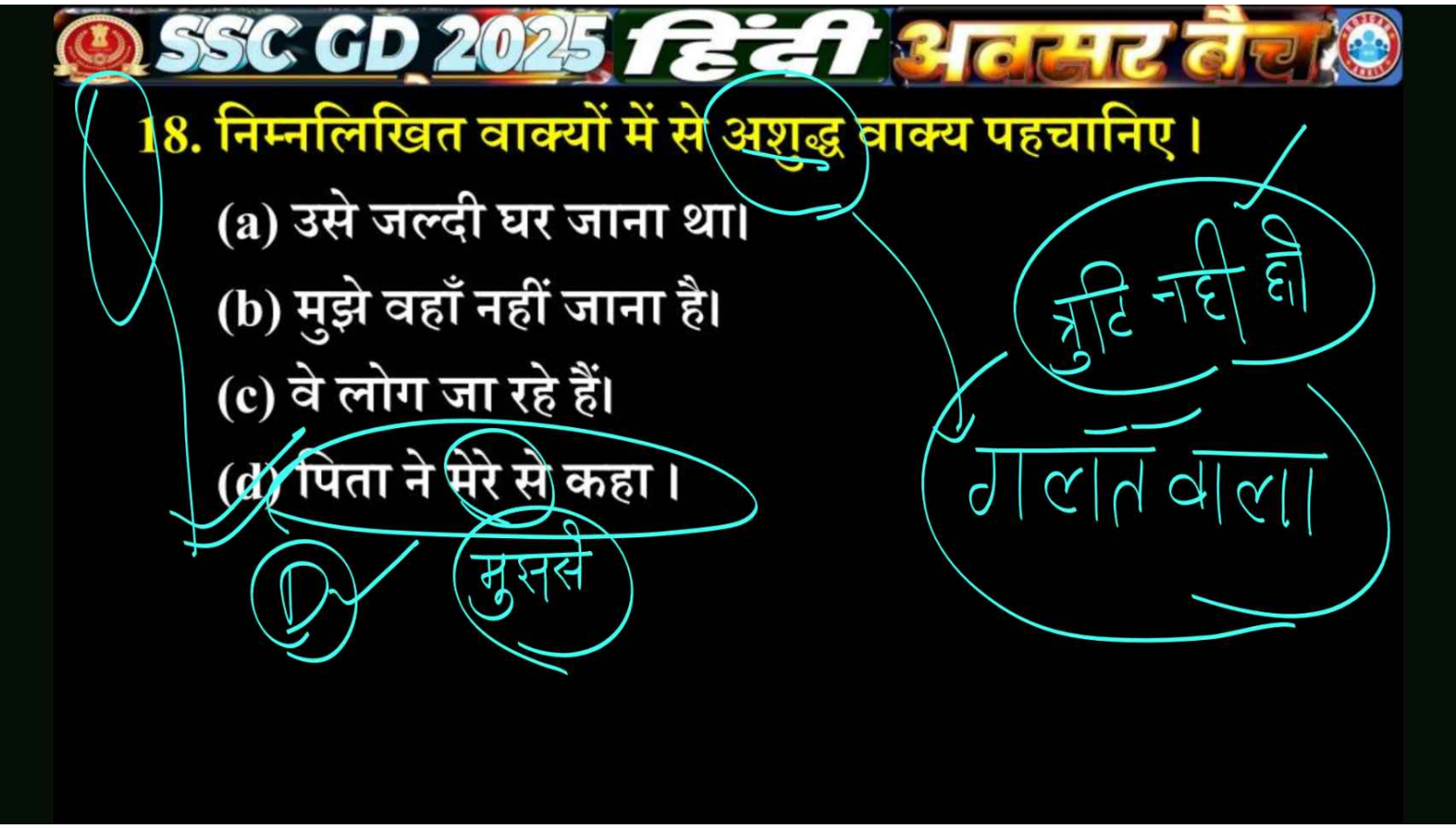

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

19. " मेरे से पढ़ा नहीं जाता।" इस त्रुटियुक्त वाक्य के लिए निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य पहचानें।

(a) मेरे को पढ़ा नहीं जाएगा।

(b) मैंने पढ़ा नहीं जा रहा।

(c) मुझे पढ़ा नहीं जाएगा।

(d) मुझसे पढ़ा नहीं जाता।

मुझसे पढ़ा नहीं जाता है

मुझसे पढ़ा नहीं जाएगा

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

20. "राजा ने चोर को मृत्यु दंड की सजा दी" वाक्य में क्या त्रुटि है?

(a) सजा दी

(b) मृत्यु दंड

(c) चोर को

(d) राजा ने

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेद

21. "मैंने अपना हस्ताक्षर कर दिया।" इस त्रुटियुक्त वाक्य के लिए निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य पहचानें।

(a) मैंने हस्ताक्षर कर दिया।

(b) मैंने अपने हस्ताक्षर कर दिए।

(c) मैंने अपना हस्ताक्षर कर दिए।

(d) मैंने हस्ताक्षर कर दिए। → D

*हस्ताक्षर - बहुवचन शब्द होता है।

22. निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य चुनिए-

(a) वे अब झगड़ा करेंगे, ऐसी आशा है

(b) यात्री अत्यंत दूर से आए हैं

(c) बेफिजूल मत झगड़ो

(d) मेरे पास कहानियों की अनेक पुस्तकें हैं

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेला

23. निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए।

(a) उसने वहाँ पहुँचकर शोर मचाया।

(b) उसका घर मेरे को मालुम नहीं।

(c) मैंने यह कब बोला।

(d) मेरे से मत उलझो, घर जाओ।

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

24. दिए गए विकल्पों में से शुद्ध वाक्य छांटिये।

(a) मेरे जूतों तुमसे अच्छे हैं। जूते

(b) वह शायद ने आज आयेगा।

(c) गाँधी जी ईश्वर के पक्के भक्त थे। → C

(d) चाकू से बच्चों को काटकर फल दो।

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

25. निम्न में से किस विकल्प में त्रुटि नहीं है?

(a) उस कागज पर मैंने हस्ताक्षर कर दिए।

(b) उस कागज पर मैंने हस्ताक्षर कर दिया।

(c) मैंने उस कागज में हस्ताक्षर कर दिए।

(d) मैंने हस्ताक्षर कर दिया उस कागज पर ।

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेद

26. दिए गए विकल्पों में से सही वाक्य का चयन करें।

(a) तलवार एक उपयोगी अस्त्र है।

(b) तलवार एक उपयोगी फौलाद है।

(c) तलवार एक उपयोगी शस्त्र है। →

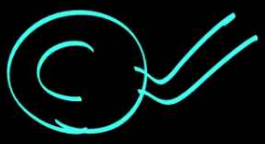

(d) तलवार एक उपयोगी शास्त्र है।

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेद

27. "नेताजी ने आजाद हिन्द फौजी का नियंत्रण किया।"
वाक्य की त्रुटियाँ सुधारें। गलतियाँ बताएँ।

(a) नेताजी ने आजाद हिन्द फौज का नेतृत्व किया।
(b) नेताजी ने आजाद हिन्द फौज का निर्भय किया।
(c) नेताजी ने आजाद हिन्द फौज का नियंत्रण किया।
(d) नेताजी ने आजाद हिन्द फौजी का नियंत्रण किया।

27
A

28. " यद्यपि वह बीमार था; परन्तु वह मेला गया।" वाक्य की त्रुटियाँ सुधारें।

(a) यद्यपि वह बीमार था; लेकिन वह मेला गया।

(b) यद्यपि का बिमार था; फिर भी वह मेला गया।

(c) यद्यपि वह बीमार था; तथापि वह मेला गया।

(d) यद्यपि वह बीमार था; किन्तु वह मेला गया।

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेला

29. चार विकल्पों में से शुद्ध वाक्य चुनिए।

(a) आकाशवाणी से यह समाचार कहा गया।

(b) आकाशवाणी से यह समाचार सुनाया गया।

(c) आकाशवाणी से यह समाचार प्रसारित किया गया।

(d) आकाशवाणी से यह समाचार बताया गया।

30. "बगीचे की सुंदरता अनूठा है।" सही वाक्य का चयन करें।

(a) बगीचे की सुंदरता अनूठा है।

(b) बगीचे का सुंदरता अनूठी है।

(c) बगीचे की सुंदरता अनूठी है।

(d) बगीची की सुंदरता अनूठा है।

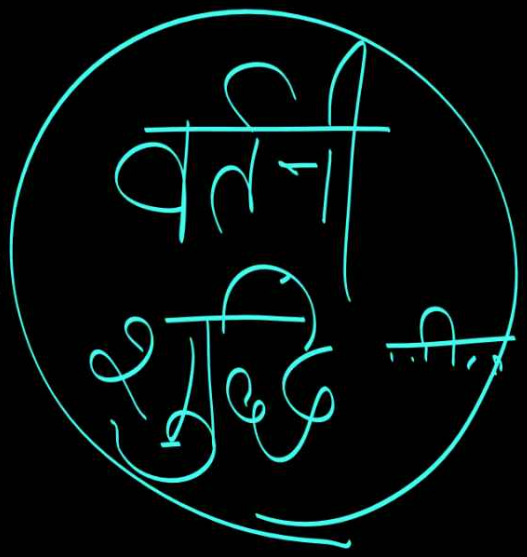

SSC GD 2025
ROJGAR WITH ANKIT
अवसर वैच
हिंदी
वाक्य शुद्धि
Part -5
LIVE 15-07-2024 06:15 PM

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेला

1. दिए गए वाक्य में रेखांकित भाग के लिए उचित सार्थक शब्द का चयन कीजिए।

रात होते ही ड़भी बढ़ गई है।

(a) भीड़

(b) भड़ा

(c) भाड़

(d) ड़ाभ

भीड़

SSC GD 20 Feb. 2024, Shift-I

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

2. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

कैदियों को कुत्ते की तरह घसीटा गया।

(a) कैदियों के कुत्तों की तरह घसीटा गया।

(b) परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

(c) कैदियों के कुत्ता को तरह घसीटा गया।

(d) कैदियों को कुत्तों की तरह घसीटा गया।

SSC GD 20 Feb. 2024, Shift-III

3. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

जो परिश्रम करते हैं, वह सफल होते हैं।

(a) जो परिश्रम करते हैं, जो सफल होते हैं।

(b) जो परिश्रम करते हैं, वह सफल होता है।

(c) जो परिश्रम करते हैं, वैसे सफल होते हैं।

(d) जो परिश्रम करते हैं, वे सफल होते हैं।

SSC GD 20 Feb. 2024, Shift-III

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेद

4. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

कई दिनों के पीछे आज धूप आई है।

(a) कई दिनों के आगे आज धूप आई है।

(b) कई दिनों के बदले आज धूप आई है।

(c) कई दिनों के बाद आज धूप आई है।

(d) परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

SSC GD 22 Feb. 2024, Shift-IV

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेद

5. निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित भाग के लिए एक सार्थक शब्द ज्ञात कीजिए।

वह अचानक ही घर आ गये।

(a) आकस्मिक

(b) अतिवृष्टि

(c) तुरंत

(d) शीघ्रता

जिसका अपना अर्थ हो

SSC GD 24 Feb. 2024, Shift-I

6. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

आपके प्रश्न का समाधान मेरे पास है।

(a) आपके प्रश्न का प्रयास मेरे पास है।

(b) परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

(c) आपके प्रश्न का प्रयत्न मेरे पास है।

(d) आपके प्रश्न का उत्तर मेरे पास है।

SSC GD 24 Feb. 2024, Shift-I

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

7. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

जितना गुड़ डालोगे, वैसा मीठा होगा।

(a) जितना गुड़ डालोगे, वैसी मीठी होगा।

(b) जितना गुड़ डालोगे, उतना मीठा होगा।

(c) जितना गुड़ डालोगे, उतना मीठी होगा।

(d) परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

उतना मीठा होगा।

B

SSC GD 24 Feb. 2024, Shift-II

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

8. दिए गए वाक्य में रेखांकित भाग के लिए उचित सार्थक शब्द का चयन कीजिए।

रावेस होते ही सब उठ गए।

(a) रेसब

(b) बसेरा

(c) बेसब्र

(d) सवेरा

सवेरा होते ही सब उठ गए।

SSC GD 24 Feb. 2024, Shift-II

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

9. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

तुम्हारी घड़ी में के बजा है।

(a) तुम्हारी घड़ी में कैसा बजा है।

(b) परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

(c) तुम्हारी घड़ी में कितना बजा है।

(d) तुम्हारी घड़ी में क्या बजा है।

SSC GD 26 Feb. 2024, Shift-I

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेद

10. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

काव्य के क्षेत्र में अनेकों वाद चल चुके हैं।

(a) काव्य के क्षेत्र में अनेक वाद चल चुके हैं।

(b) काव्य के क्षेत्र में अनेक वाद चल चुके हैं।

(c) परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

(d) काव्य के क्षेत्र में अनेकों वाद चल चुका है।

SSC GD 26 Feb. 2024, Shift-IV

अनेक

A

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेद

11. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

अमन अपनी स्वेच्छा से सेवानिवृत्त हो रहा है।

(a) अमन अपना स्वेच्छा से सेवानिवृत्त हो रहा है।

(b) परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

(c) अमन अपने स्वेच्छा से सेवानिवृत्त हो रहा है।

(d) अमन स्वेच्छा से सेवानिवृत्त हो रहा है।

SSC GD 28 Feb. 2024, Shift-I

रिवाइज

D

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

12. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

यह आँखो से देखी घटना है।

(a) परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

(b) यह आँख से देखी घटना है।

(c) यह आँखों देखी घटना है।

(d) यह आँखो घटना है।

SSC GD 28 Feb. 2024, Shift-II

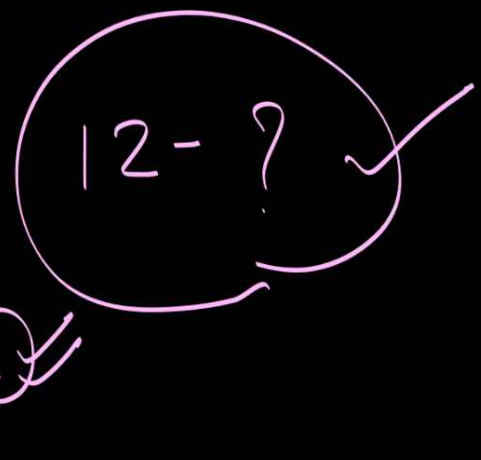

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

13. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

कोई भी आदमी की हालत ठीक नहीं है।

(a) परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

(b) किसी भी आदमी की हालत ठीक नहीं है।

(c) किसने भी आदमी की हालत ठीक नहीं है।

(d) कैसी भी आदमी की हालत ठीक नहीं है।

SSC GD 29 Feb. 2024, Shift-I

14. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

तुम बीस तारीख के दिन कहाँ रहोगे?

(a) तुम बीस तारीख में कहाँ रहोगे?

(b) तुम बीस तारीख को कहाँ रहोगे ?

(c) तुम बीस तारीख ने कहाँ रहोगे ?

(d) परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

SSC GD 29 Feb. 2024, Shift-III

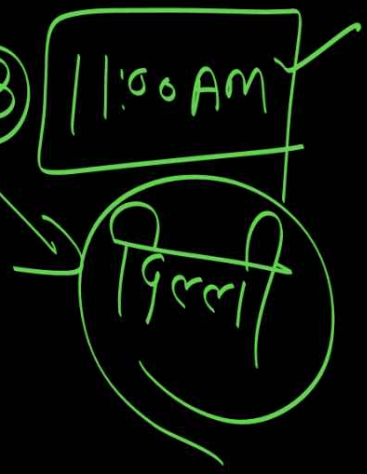

15. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

बालक और बालिका एक साथ खेल रही है।

(a) बालक और बालिका एक साथ खेल रहा है।

(b) बालक और बालिका एक साथ खेल रहे हो।

(c) बालक और बालिका एक साथ खेल रहे हैं।

(d) परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

SSC GD 29 Feb. 2024, Shift-III

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेद

16. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

उसने एक मोती का हार खरीदा।

(a) उसने मोतियों का एक हार खरीदा।

(b) उसने एक मोती का एक हार खरीदी।

(c) उसने एक मोतियों का एक हार खरीदी।

(d) परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

SSC GD 29 Feb. 2024, Shift-IV

उसने मोतियों का एक हार खरीदा

17. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

उसे परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने की आशा है।

(a) उसे परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने की सफलता है।

(b) उसे परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने की कोमलता है।

(c) परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

(d) उसे परीक्षा में अनुत्तीर्ण होने की आशंका है।

SSC GD 01 Mar. 2024, Shift-I

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

18. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

उसे शक मत करो।

(a) उस पर शक मत करो।

(b) परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

(c) उसमें पर शक मत करो।

(d) उससे शक मत करो।

SSC GD 01 Mar. 2024, Shift-II

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेच

19. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

मैं मेरी कलम से लिखता हूँ।

(a) हम मेरी कलम से लिखता हूँ।

(b) मैं हमारी कलम से लिखता हूँ।

(c) परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

(d) मैं अपनी कलम से लिखता हूँ।

मैं अपनी कलम से लिखता हूँ

D

SSC GD 01 Mar. 2024, Shift-IV

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

20. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

उच्चारण शुद्ध रखना भाषा की पहली आवश्यकता है।

(a) उच्चारण शुद्ध रखना भाषा की पहली आवश्यकता है।

(b) उच्चर्ण शुद्ध रखना भाषा की पहली आवश्यकता है।

(c) परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

(d) उच्चार्ण शुद्ध रखना भाषा की पहली आवश्यकता है।

SSC GD 05 Mar. 2024, Shift-I

21. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

एक आवश्यकीय कार्य से मुझे जयपुर जाना है।

(a) एक आवश्यता कार्य से मुझे जयपुर जाना है।

(b) परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

(c) एक आवश्यकपूर्वक कार्य से मुझे जयपुर जाना है।

(d) एक आवश्यक कार्य से मुझे जयपुर जाना है।

एक आवश्यक कार्य से उसे जयपुर जाना है।

SSC GD 05 Mar. 2024, Shift-III

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

22. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

अनूप सर अखबार पढ़कर के जाएँगे।

(a) परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

(b) अनूप सर अखबार पढ़को जाएँगे।

(c) अनूप सर अखबार पढ़कर जाएँगे।

(d) अनूप सर अखबार पढ़ने के जाएँगे।

SSC GD 06 Mar. 2024, Shift-I

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

23. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

हमारे को यह विचार छोड़ने चाहिए।

(a) हमें यह विचार छोड़ने चाहिए।

(b) हमसे को यह विचार छोड़ने चाहिए।

(c) हमने को यह विचार छोड़ने चाहिए।

(d) परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

SSC GD 06 Mar. 2024, Shift-III

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

24. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

एक चाय का प्याला ले आओ।

(a) चाय का एक प्याला ले आओ।

(b) परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

(c) एक चाय की प्याला ले आओ।

(d) एक चाय प्याला ले आओ।

SSC GD 30 Mar. 2024, Shift-I

25. लकड़ियों का समूह

रेखांकित पद समूह के बदले उपयुक्त शब्द का प्रयोग जिए।

(a) गट्ठर

(b) रेवड़

(c) टुकड़ा

(d) ढेर

SSC GD 10 Jan. 2023, Shift-I

SSC GD 2025
ROJGAR with ANKIT
अवसर वेच
हिंदी
वाक्य शुद्धि
Part -6
LIVE 16-07-2024 06:15 PM

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

1. दिए गए वाक्य में रेखांकित शब्दों के लिए सही शब्दों वाले विकल्प का चयन करें।

भरत को कैकेयी की करनी पर करुणा हुई।

(a) पश्चात्ताप हुई ~~X~~ होता है।

(b) दया हुआ ~~X~~ हुई

(c) दुःख हुई ~~X~~ हुआ

(d) क्षोभ हुआ

SSC GD 10 Jan. 2023, Shift-III

2. निम्न वाक्य में अनुपयुक्त शब्द प्रयोग सम्बन्धी अशुद्धि दूर करने के लिए रेखांकित भाग को उचित विकल्प चुनकर प्रतिस्थापित करें-

'हिन्दी साहित्य में आचार्य रामचंद्र शुक्ल एक बड़े व्याख्याता माने जाते हैं। '

(a) एक अच्छे वर्चक

(b) एक उत्कृष्ट विश्लेषक

(c) एक बड़े साहित्यक

(d) बड़े अच्छे वक्ता

SSC GD 10 Jan. 2023, Shift-IV

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

3. निम्नलिखित वाक्य के रेखांकित अंश के स्थान पर विकल्पों में से सबसे उपयुक्त शब्द का चयन कीजिए।

शोक है कि मैं आपके पत्र का उत्तर नहीं दे सका।

(a) खेद
(b) खुशी
(c) कष्ट
(d) पता

SSC GD 11 Jan. 2023, Shift-II

4. वाक्य में रेखांकित शब्द के स्थान पर सर्वोचित शब्द का चयन कीजिए।

प्रत्येक भारतवासी को हिंदी का सामान्य ज्ञान होना चाहिए।

(a) साहित्यिक

(b) सामाजिक

(c) व्यावहारिक → C

(d) लौकिक

SSC GD 11 Jan. 2023, Shift-II

5. रेखांकित शब्द के स्थान पर सर्वोचित विकल्प चुनिए।

आवश्यक काम में रत रहने के कारण मुझे अवकाश नहीं मिला।

(a) व्यस्त

(b) विरक्त

(c) विलीन

(d) आसक्त

SSC GD 11 Jan. 2023, Shift-II

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

6. 'ऊँट के मुँह में पान भरना ।' रेखांकित वाक्यांश के स्थान पर शुद्ध वाक्यांश होगा-

(a) नमक देना

(b) धनिया देना

(c) पानी भरना

(d) जीरा देना

जीरा देना

SSC GD 11 Jan. 2023, Shift-II

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

1. 'ऐसे साहित्य के रचयिता अधिक मात्रा में व्याप्त हैं।'
वाक्य के रेखांकित भाग को उचित विकल्प चुनकर प्रतिस्थापित करें।

(a) अधिक मात्रा में विद्यमान
(b) अधिक संख्या में व्याप्त
(c) अधिक संख्या में विद्यमान
(d) बहुत मात्रा में विद्यमान

SSC GD 11 Jan. 2023, Shift-III

मानव, प्राणी, मनुष्य
1 ली० दूध

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेला

8. निम्न वाक्य में रेखांकित अंश के स्थान पर सबसे उपयुक्त शब्द का चयन विकल्पों में से कीजिए।

इंदिरा गांधी भारत की राजनेता थीं।

(a) अभिनेत्री

(b) राजनेत्री

(c) अभिनेता

(d) राजकुमारी

SSC GD 11 Jan. 2023, Shift-III

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

9. निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित खंड के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए-

टब पानी से ठूसमठूस भरा है।

(a) ठसाठस
(b) चकाचक
(c) लबालब
(d) फुलमफुल

SSC GD 11 Jan. 2023, Shift-IV

10. युद्ध की इच्छा रखने वाला युवराज कहलाता है।

उपर्युक्त वाक्य में रेखांकित पद के स्थान पर आने वाले सही शब्द का चयन विकल्पों में से कीजिए।

(a) राजनीतिज्ञ

(b) यायावर

(c) यशस्वी

(d) युयुत्सु

SSC GD 12 Jan. 2023, Shift-I

11. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान के लिए सही शब्द वाला विकल्प हो।

योग से मनोरंजन भी किया जा सकता है तथा भटकते मन को.....शांति..... भी प्रदान की जा सकती है।

(a) शांति
(b) प्राप्ति
(c) क्रांति
(d) भ्रान्ति

स्त्रीलिंग

SSC GD 20 Feb. 2024, Shift-II

12. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान के लिए सही शब्द वाला विकल्प हो।

बाल श्रम को बच्चों द्वारा रोजगार के लिए किसी भी प्रकार के कार्य को करने के रूप में परिभाषित किया गया है।

(a) रोजगार
(b) अनुभव
(c) अध्ययन
(d) क्रीड़ा / खेल

SSC GD 20 Feb. 2024, Shift-II

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

13. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान के लिए सही शब्द वाला विकल्प हो।

आज वही देश सबसे ..... है जिसके पास ज्ञान की अद्भुत शक्ति है।

(a) हारा हुआ
(b) दुखी
(c) पिछड़ा
(d) कामयाब

SSC GD 20 Feb. 2024, Shift-III

11:00 AM
R.W.A

14. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान के लिए सही शब्द वाला विकल्प हो।

सभ्यता के विकास एवं विज्ञान की विज्ञेस की अद्भुत खोजों के कारण मनोरंजन का क्षेत्र भी अछूता न रह सका।

(a) अवांछित

(b) अस्वाभाविक

(c) अनियमित

(d) अद्भुत

SSC GD 23 Feb. 2024, Shift-III

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

15. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान के लिए सही शब्द वाला विकल्प हो।

मानव एक विवेकशील और ..... प्राणी है।

(a) चिंतनशील

(b) शील

(c) मननशील

(d) मानशील

SSC GD 24 Feb. 2024, Shift-III

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

16. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान के लिए सही शब्द वाला विकल्प हो।

अवकाश साल का वो समय है जिसकी ..... से पूरे वर्ष प्रतीक्षा की जाती है।

(a) सभी

(b) निरुत्साह

(c) उत्सुकता

(d) प्रोत्साहन

SSC GD 24 Feb. 2024, Shift-III

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

17. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान के लिए सही शब्द वाला विकल्प हो।

भारत प्राचीनतम संस्कृति का देश है जहाँ दान-पुण्य ..... का अनिवार्य अंग माना गया है।

(a) जीवनमुक्ति

(b) अनचाहा

(c) सबका

(d) लोगों

SSC GD 24 Feb. 2024, Shift-IV

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

18. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान के लिए सही शब्द वाला विकल्प हो।

सपने हर किसी के होते हैं, लेकिन केवल वे जिन्हें सही मायने में संजोया जा सकता है, उन्हें ही _____ माना जा सकता है।

(a) अनदेखा

(b) आश्चर्य

(c) कभी-कभार

(d) वास्तविक

SSC GD 26 Feb. 2024, Shift-II

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

19. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान के लिए सही शब्द वाला विकल्प हो।

रक्त और रक्त उत्पादों का आदान-प्रदान हर वर्ष लाखों लोगों को..... में सहायता करता है।

(a) व्यस्त

(b) आयोजन

(c) जानकारी

(d) बचाने

SSC GD 26 Feb. 2024, Shift-II

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

20. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान के लिए सही शब्द वाला विकल्प हो।

पिछले कुछ वर्षों में विज्ञान और टेक्नोलॉजी के कारण कृषि क्षेत्र में नवीन _____ का इस्तेमाल होने लगा है।

(a) उपकरणों
(b) प्रकरणों
(c) मवेशियों
(d) व्यक्तियों

SSC GD 27 Feb. 2024, Shift-II

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

21. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान के लिए सही शब्द वाला विकल्प हो।

सकारात्मक सोच के जरिए आप अपने जीवन में आसानी से कुछ भी _____ कर सकते हैं।

(a) हासिल

(b) कोशिश

(c) प्रोत्साहन

(d) मतलब

SSC GD 27 Feb. 2024, Shift-III

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

22. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान के लिए सही शब्द वाला विकल्प हो।

श्रम के उपरांत थकान होना..... है।

(a) गलत

(b) कैसे

(c) स्वाभाविक

(d) निष्ठा

SSC GD 28 Feb. 2024, Shift-I

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

23. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान के लिए सही शब्द वाला विकल्प हो।

हमारे जीवन को चलाने के लिए भोजन एक ..... की भाँति काम करता है।

(a) ईंधन

(b) प्रेम

(c) ट्रेन

(d) गाड़ी

SSC GD 01 Mar. 2024, Shift-IV

24. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान के लिए सही शब्द वाला विकल्प हो।

संचार शब्द संस्कृत के 'चर' धातु से बना है जिसका..... है - आगे बढ़ना, फैलना आदि।

(a) प्रचारक

(b) माध्यम

(c) तात्पर्य

(d) निर्धारक

आशय / अतलब

SSC GD 07 Mar. 2024, Shift-III

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

25. निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो रिक्त स्थान के लिए सही शब्द वाला विकल्प हो।

जब व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति से धर्म, जाति, कुल आदि के आधार पर व्यवहार करता है तो उसकी दृष्टि_____ हो जाती है।

(a) संकुचित

(b) अच्छी

(c) विस्तृत

(d) बड़ी

SSC GD 07 Mar. 2024, Shift-III

26. रिक्त स्थान भरने के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन करें-

मेरे पिताजी ने यह..... लिखी है।

(a) कहानी

(b) उपन्यास

(c) नाटक

(d) संस्करण

(SSC GD 2021)

लिखा जाता है, कहानी

A

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

27. रिक्त स्थान भरने के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन करें-

रोगी ने चिकित्सक से ..... लिया।

(a) मंत्रणा

(b) अनुदान

(c) आज्ञा

(d) परामर्श

(SSC GD 2021)

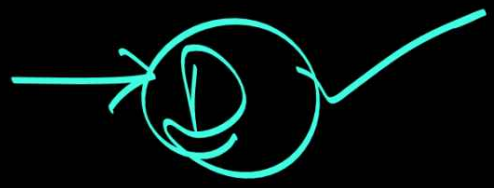

28. दिए गए शब्दों में से उचित शब्द से वाक्य पूर्ण करें-

वैद्य जी_____ देखकर इलाज करते हैं।

(a) नारी

(b) नाड़ी

(c) नीर

(d) नीड़

SSC GD 10 Jan. 2023, Shift-I

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

29. 'अनुसंधान .....करना।'

उपर्युक्त वाक्य में रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त वाक्यांश का चयन विकल्पों में से कीजिए।

(a) द्वारा खोज का अर्थ होता है

(b) खोज का अनर्थ होता है

(c) का अर्थ खोज होता है

(d) की अर्थ में खोज होता है

SSC GD 10 Jan. 2023, Shift-IV

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

30. रिक्त स्थान की पूर्ति उचित कारक चिह्न से करें -

श्याम मीरा ..... खिलौने लाया।

(a) ने

(b) का

(c) में

(d) के लिए

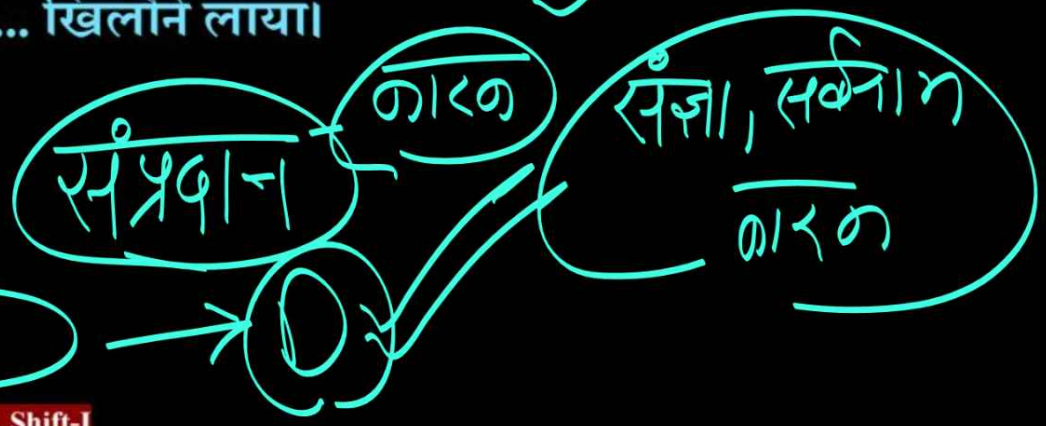

SSC GD 10 Jan. 2023, Shift-I

SSC GD 2025 हिंदी अवसर वेला

31. रितेश को जब कक्षा में प्रथम आने का समाचार मिला, तो उसकी____ खिल गई।

रिक्त स्थान की पूर्ति उचित शब्द द्वारा कीजिए।

(a) बाँछे

(b) आँखें

(c) चेहरा

(d) मुस्कान

SSC GD 10 Jan. 2023, Shift-IV

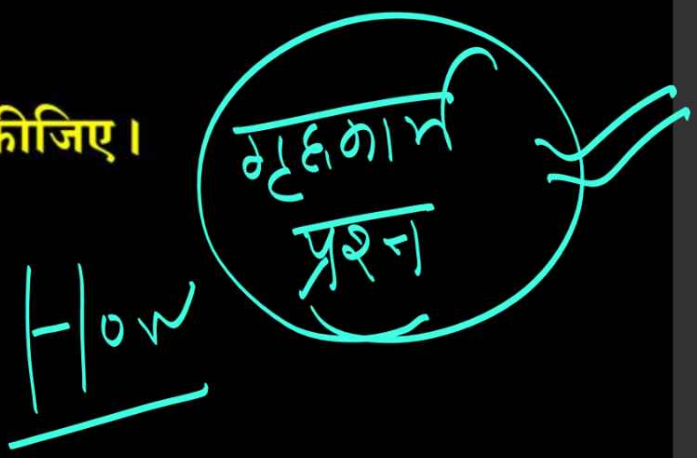

SSC GD 2025
ROJGAR WITH ANKIT
अवसर वेच
हिंदी
गद्यांश
LIVE 17-07-2024 06:15 PM

डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स, जिसे मेडेसिन्स सैन्स फ्रंटियर्स (एमएसएफ) के नाम से भी जाना जाता है, फ्रांस का एक गैर-सरकारी (1)_____ है जो युद्ध क्षेत्रों और बीमारियों से (2)____ देशों में मानवीय चिकित्सा, देखभाल प्रदान करता है। यह संगठन (3) ____ बीमारियों जैसे मधुमेह, दवा - प्रतिरोधी संक्रमण, एचआईवी / एड्स, हेपेटाइटिस सी के उपचार में मदद करता है। एमएसएफ को कई महाद्वीपों पर उनके (4) _____कार्यों के लिए 1999 में नोबेल शांति (5) _____ से सम्मानित किया गया था।

1. रिक्त स्थान के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) हार्डवेयर
(b) सांयकाल
(c) सॉफ्टवेयर
(d) संगठन

डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स, जिसे मेडेसिन्स सैन्स फ्रंटियर्स (एमएसएफ) के नाम से भी जाना जाता है, फ्रांस का एक गैर-सरकारी (1)_____ है जो युद्ध क्षेत्रों और बीमारियों से प्रभावित देशों में मानवीय चिकित्सा, देखभाल प्रदान करता है। यह संगठन (3) _____ बीमारियों जैसे मधुमेह, दवा - प्रतिरोधी संक्रमण, एचआईवी / एड्स, हेपेटाइटिस सी के उपचार में मदद करता है। एमएसएफ को कई महाद्वीपों पर उनके (4) _____कार्यों के लिए 1999 में नोबेल शांति (5) _____ से सम्मानित किया गया था।

2. रिक्त स्थान के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) अतिक्रमण
(b) परिचय
(c) राजपथ
(d) प्रभावित → D

डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स, जिसे मेडेसिन्स सैन्स फ्रंटियर्स (एमएसएफ) के नाम से भी जाना जाता है, फ्रांस का एक गैर-सरकारी (1)_____ है जो युद्ध क्षेत्रों और बीमारियों से (2)____ देशों में मानवीय चिकित्सा, देखभाल प्रदान करता है। यह संगठन (3) विभिन्न बीमारियों जैसे मधुमेह, दवा - प्रतिरोधी संक्रमण, एचआईवी / एड्स, हेपेटाइटिस सी के उपचार में मदद करता है। एमएसएफ को कई महाद्वीपों पर उनके (4) _____कार्यों के लिए 1999 में नोबेल शांति (5) _____ से सम्मानित किया गया था।

3. रिक्त स्थान के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) विभिन्न (b) विनाश

(c) अनुग्रह (d) अत्यंत

डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स, जिसे मेडेसिन्स सैन्स फ्रंटियर्स (एमएसएफ) के नाम से भी जाना जाता है, फ्रांस का एक गैर-सरकारी (1)_____ है जो युद्ध क्षेत्रों और बीमारियों से (2)____ देशों में मानवीय चिकित्सा, देखभाल प्रदान करता है। यह संगठन (3) ____ बीमारियों जैसे मधुमेह, दवा - प्रतिरोधी संक्रमण, एचआईवी / एड्स, हेपेटाइटिस सी के उपचार में मदद करता है। एमएसएफ को कई महाद्वीपों पर उनके (4)_____ कार्यों के लिए 1999 में नोबेल शांति (5) _____ से सम्मानित किया गया था।

4. रिक्त स्थान के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) अनुभव (b) बेकार

(c) मानवीय (d) अतिशयोक्ति

डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स, जिसे मेडेसिन्स सैन्स फ्रंटियर्स (एमएसएफ) के नाम से भी जाना जाता है, फ्रांस का एक गैर-सरकारी (1) संगठन है जो युद्ध क्षेत्रों और बीमारियों से (2) ग्रसित देशों में मानवीय चिकित्सा, देखभाल प्रदान करता है। यह संगठन (3) विभिन्न बीमारियों जैसे मधुमेह, दवा - प्रतिरोधी संक्रमण, एचआईवी / एड्स, हेपेटाइटिस सी के उपचार में मदद करता है। एमएसएफ को कई महाद्वीपों पर उनके (4) मानवीय कार्यों के लिए 1999 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

5. रिक्त स्थान के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) दंड
(b) भेटो
(c) गेम
(d) पुरस्कार

5/5

वर्तमान काल में यदि संसार के किसी भी कोने में कोई भी घटना घटित हो तो उसके अगले दिन हमारे पास उसकी खबर आ जाती है। ऐसा सिर्फ समाचार पत्रों के कारण ही __(6)__ होता है। आज के समय में बिना समाचार पत्र के जीवन की __(7)__ करना भी काफी कठिन है। यह वो पहली और आवश्यक वस्तु है, जिसे सभी हर सुबह सबसे पहले देखते हैं। यह हमें पूरे विश्व में हो रही __(8)__ के बारे में जानकारी देकर वर्तमान समय से जुड़े रखने में हमारी मदद करता है। समाचार पत्र व्यापारियों, राजनीतिज्ञों, सामाजिक मुद्दों, बेरोजगारों, खेल अन्तर्राष्ट्रीय समाचार, विज्ञान, शिक्षा, दवाइयों, अभिनेताओं, मेलों, त्योहारों, तकनीकों आदि की जानकारी हमें देता है । यह हमारे ज्ञान कौशल और तकनीकी __(9)__ को बढ़ाने में भी हमारी सहायता करता है। पहले के समय में, समाचार पत्रों में केवल खबरों का विवरण प्रकाशित होता था। हालांकि, अब इसमें बहुत से विषयों के बारे में खबरें और विशेषज्ञों के विचार यहाँ तक कि, लगभग सभी विषयों की जानकारी भी निहित होती है। बहुत से समाचार पत्रों की कीमत बाजार में उनकी खबरों के __(10)__ और उस क्षेत्र में प्रसिद्धि के कारण अलग-अलग होती है। समाचार पत्र या अखबार में दैनिक जीवन की सभी वर्तमान घटनाएं नियमित रुप से छपती हैं।

6. ऐसा सिर्फ समाचार पत्रों के कारण ही ..... होता है ।

(a) संभव (b) विफल (c) मुश्किल (d) देखा

वर्तमान काल में यदि संसार के किसी भी कोने में कोई भी घटना घटित हो तो उसके अगले दिन हमारे पास उसकी खबर आ जाती है। ऐसा सिर्फ समाचार पत्रों के कारण ही ___(6)__ होता है। आज के समय में बिना समाचार पत्र के जीवन की __(7)__ करना भी काफी कठिन है। यह वो पहली और आवश्यक वस्तु है, जिसे सभी हर सुबह सबसे पहले देखते हैं। यह हमें पूरे विश्व में हो रही __(8)___ के बारे में जानकारी देकर वर्तमान समय से जुड़े रखने में हमारी मदद करता है। समाचार पत्र व्यापारियों, राजनीतिज्ञों, सामाजिक मुद्दों, बेरोजगारों, खेल अन्तर्राष्ट्रीय समाचार, विज्ञान, शिक्षा, दवाइयों, अभिनेताओं, मेलों, त्योहारों, तकनीकों आदि की जानकारी हमें देता है । यह हमारे ज्ञान कौशल और तकनीकी ___(9)__ को बढ़ाने में भी हमारी सहायता करता है। पहले के समय में, समाचार पत्रों में केवल खबरों का विवरण प्रकाशित होता था। हालांकि, अब इसमें बहुत से विषयों के बारे में खबरें और विशेषज्ञों के विचार यहाँ तक कि, लगभग सभी विषयों की जानकारी भी निहित होती है। बहुत से समाचार पत्रों की कीमत बाजार में उनकी खबरों के __(10)___ और उस क्षेत्र में प्रसिद्धि के कारण अलग-अलग होती है। समाचार पत्र या अखबार में दैनिक जीवन की सभी वर्तमान घटनाएं नियमित रुप से छपती हैं।

7. आज के समय में बिना समाचार पत्र के जीवन की _____ करना भी काफी कठिन है।

(a) जरुरत (b) आवश्यकता (c) संरचना (d) कल्पना

वर्तमान काल में यदि संसार के किसी भी कोने में कोई भी घटना घटित हो तो उसके अगले दिन हमारे पास उसकी खबर आ जाती है। ऐसा सिर्फ समाचार पत्रों के कारण ही ___(6)__ होता है। आज के समय में बिना समाचार पत्र के जीवन की__(7)__ करना भी काफी कठिन है। यह वो पहली और आवश्यक वस्तु है, जिसे सभी हर सुबह सबसे पहले देखते हैं। यह हमें पूरे विश्व में हो रही __(8)__ के बारे में जानकारी देकर वर्तमान समय से जुड़े रखने में हमारी मदद करता है। समाचार पत्र व्यापारियों, राजनीतिज्ञों, सामाजिक मुद्दों, बेरोजगारों, खेल अन्तर्राष्ट्रीय समाचार, विज्ञान, शिक्षा, दवाइयों, अभिनेताओं, मेलों, त्योहारों, तकनीकों आदि की जानकारी हमें देता है। यह हमारे ज्ञान कौशल और तकनीकी ___(9)__ को बढ़ाने में भी हमारी सहायता करता है। पहले के समय में, समाचार पत्रों में केवल खबरों का विवरण प्रकाशित होता था। हालांकि, अब इसमें बहुत से विषयों के बारे में खबरें और विशेषज्ञों के विचार यहाँ तक कि, लगभग सभी विषयों की जानकारी भी निहित होती है। बहुत से समाचार पत्रों की कीमत बाजार में उनकी खबरों के__(10)___ और उस क्षेत्र में प्रसिद्धि के कारण अलग-अलग होती है। समाचार पत्र या अखबार में दैनिक जीवन की सभी वर्तमान घटनाएं नियमित रुप से छपती हैं।

8. यह हमें पूरे विश्व में हो रही_____ के बारे में जानकारी देकर वर्तमान समय से जुड़े रखने में हमारी मदद करता है।

(a) घटनाओं (b) संकल्पनाओं (c) खेलों (d) त्योहारों

वर्तमान काल में यदि संसार के किसी भी कोने में कोई भी घटना घटित हो तो उसके अगले दिन हमारे पास उसकी खबर आ जाती है। ऐसा सिर्फ समाचार पत्रों के कारण ही ___(6)__ होता है। आज के समय में बिना समाचार पत्र के जीवन की__(7)__ करना भी काफी कठिन है। यह वो पहली और आवश्यक वस्तु है, जिसे सभी हर सुबह सबसे पहले देखते हैं। यह हमें पूरे विश्व में हो रही__(8)___ के बारे में जानकारी देकर वर्तमान समय से जुड़े रखने में हमारी मदद करता है। समाचार पत्र व्यापारियों, राजनीतिज्ञों, सामाजिक मुद्दों, बेरोजगारों, खेल अन्तर्राष्ट्रीय समाचार, विज्ञान, शिक्षा, दवाइयों, अभिनेताओं, मेलों, त्योहारों, तकनीकों आदि की जानकारी हमें देता है । यह हमारे ज्ञान कौशल और तकनीकी ___(9)__ को बढ़ाने में भी हमारी सहायता करता है। पहले के समय में, समाचार पत्रों में केवल खबरों का विवरण प्रकाशित होता था। हालांकि, अब इसमें बहुत से विषयों के बारे में खबरें और विशेषज्ञों के विचार यहाँ तक कि, लगभग सभी विषयों की जानकारी भी निहित होती है। बहुत से समाचार पत्रों की कीमत बाजार में उनकी खबरों के__(10)___ और उस क्षेत्र में प्रसिद्धि के कारण अलग-अलग होती है। समाचार पत्र या अखबार में दैनिक जीवन की सभी वर्तमान घटनाएं नियमित रुप से छपती हैं।

9. यह हमारे ज्ञान, कौशल और तकनीकी जागरूकता को बढ़ाने में भी हमारी सहायता करता है।

(a) माँग (b) जागरूकता (c) बात (d) संख्या

वर्तमान काल में यदि संसार के किसी भी कोने में कोई भी घटना घटित हो तो उसके अगले दिन हमारे पास उसकी खबर आ जाती है। ऐसा सिर्फ समाचार पत्रों के कारण ही ___(6)__ होता है। आज के समय में बिना समाचार पत्र के जीवन की__(7)__ करना भी काफी कठिन है। यह वो पहली और आवश्यक वस्तु है, जिसे सभी हर सुबह सबसे पहले देखते हैं। यह हमें पूरे विश्व में हो रही__(8)___ के बारे में जानकारी देकर वर्तमान समय से जुड़े रखने में हमारी मदद करता है। समाचार पत्र व्यापारियों, राजनीतिज्ञों, सामाजिक मुद्दों, बेरोजगारों, खेल अन्तर्राष्ट्रीय समाचार, विज्ञान, शिक्षा, दवाइयों, अभिनेताओं, मेलों, त्योहारों, तकनीकों आदि की जानकारी हमें देता है। यह हमारे ज्ञान कौशल और तकनीकी ___(9)__ को बढ़ाने में भी हमारी सहायता करता है। पहले के समय में, समाचार पत्रों में केवल खबरों का विवरण प्रकाशित होता था। हालांकि, अब इसमें बहुत से विषयों के बारे में खबरें और विशेषज्ञों के विचार यहाँ तक कि, लगभग सभी विषयों की जानकारी भी निहित होती है। बहुत से समाचार पत्रों की कीमत बाजार में उनकी खबरों के__(10)__ और उस क्षेत्र में प्रसिद्धि के कारण अलग-अलग होती है। समाचार पत्र या अखबार में दैनिक जीवन की सभी वर्तमान घटनाएं नियमित रुप से छपती हैं।

10. बहुत से समाचार पत्रों की कीमत बाजार में उनकी खबरों के _____और उस क्षेत्र में प्रसिद्धि के कारण अलग-अलग होती है।

(a) छपाई (b) बढ़ाई (c) गलती (d) विवरण

(3) जोखिम वाले कार्य या रोमांचकारी कार्य किसी उत्साहवर्धक गतिविधि का अनुभव कराते हैं। यह अप्रत्याशित अनुभव होता है जो साहस, उत्साह और आनंद की गतिविधियों से भरा होता है। यह कभी भी परिणाम के बारे में नहीं सोचता । इसका परिणाम सकारात्मक होता है, जो हमें कुछ लाभ देता है और इसके ___12___ प्रभाव नुकसान और हानि पहुँचाते हैं। यद्यपि, साहसिक लोग कभी भी ___13___ के बारे में नहीं सोचते हैं और अपने साहसिक कार्यों को निरंतर करते रहते हैं। प्रत्येक कार्य में रोमांच निहित होता है हालांकि, यह लोगों की सोच के अनुसार थोड़ा अलग होता है। इस तरह की गतिविधियाँ ___14___ और साहस से भरी होती हैं जिनकी प्रकृति साहस और जोखिम वाली होती है। ऐसे बहुत से लोग हैं, जिनका पूरा जीवन साहसिक अनुभवों से भरा होता है। रोमांचकारी कार्य अनुभवकारी गतिविधियों का समूह होता है, जो उन्हें कुछ अस्वाभाविक ___15___ देते हैं।

11. जोखिम वाले कार्य या रोमांचकारी कार्य किसी उत्साहवर्धक _____ का अनुभव कराते हैं।

(a) दुविधा (b) प्रमाण (c) प्रणाली (d) गतिविधि

11-D

जोखिम वाले कार्य या रोमांचकारी कार्य किसी उत्साहवर्धक ____11____ का अनुभव कराते हैं। यह अप्रत्याशित अनुभव होता है जो साहस, उत्साह और आनंद की गतिविधियों से भरा होता है। यह कभी भी परिणाम के बारे में नहीं सोचता । इसका परिणाम सकारात्मक होता है, जो हमें कुछ लाभ देता है और इसके ____12____ प्रभाव नुकसान और हानि पहुँचाते हैं। यद्यपि, साहसिक लोग कभी भी ____13____ के बारे में नहीं सोचते हैं और अपने साहसिक कार्यों को निरंतर करते रहते हैं। प्रत्येक कार्य में रोमांच निहित होता है हालांकि, यह लोगों की सोच के अनुसार थोड़ा अलग होता है। इस तरह की गतिविधियाँ____14____ और साहस से भरी होती हैं जिनकी प्रकृति साहस और जोखिम वाली होती है। ऐसे बहुत से लोग हैं, जिनका पूरा जीवन साहसिक अनुभवों से भरा होता है। रोमांचकारी कार्य अनुभवकारी गतिविधियों का समूह होता है, जो उन्हें कुछ अस्वाभाविक____15____ देते हैं।

12. इसका परिणाम सकारात्मक होता है, जो हमें कुछ लाभ देता है और इसके _____ प्रभाव नुकसान और हानि पहुँचाते हैं।

(a) नकारात्मक (b) साहसी (c) रोमांचक (d) कुछ भी

12-?

जोखिम वाले कार्य या रोमांचकारी कार्य किसी उत्साहवर्धक ____11____ का अनुभव कराते हैं। यह अप्रत्याशित अनुभव होता है जो साहस, उत्साह और आनंद की गतिविधियों से भरा होता है। यह कभी भी परिणाम के बारे में नहीं सोचता । इसका परिणाम सकारात्मक होता है, जो हमें कुछ लाभ देता है और इसके ____12____ प्रभाव नुकसान और हानि पहुँचाते हैं। यद्यपि, साहसिक लोग कभी भी ____13____ के बारे में नहीं सोचते हैं और अपने साहसिक कार्यों को निरंतर करते रहते हैं। प्रत्येक कार्य में रोमांच निहित होता है हालांकि, यह लोगों की सोच के अनुसार थोड़ा अलग होता है। इस तरह की गतिविधियाँ ____14____ और साहस से भरी होती हैं जिनकी प्रकृति साहस और जोखिम वाली होती है। ऐसे बहुत से लोग हैं, जिनका पूरा जीवन साहसिक अनुभवों से भरा होता है। रोमांचकारी कार्य अनुभवकारी गतिविधियों का समूह होता है, जो उन्हें कुछ अस्वाभाविक ____15____ देते हैं।

13. यद्यपि, साहसिक लोग कभी भी _____ के बारे में नहीं सोचते हैं और अपने साहसिक कार्यों को निरंतर करते रहते हैं।

(a) परिणाम (b) प्रमाण (c) पर्यावरण (d) कार्य

जोखिम वाले कार्य या रोमांचकारी कार्य किसी उत्साहवर्धक ____11____ का अनुभव कराते हैं। यह अप्रत्याशित अनुभव होता है जो साहस, उत्साह और आनंद की गतिविधियों से भरा होता है। यह कभी भी परिणाम के बारे में नहीं सोचता । इसका परिणाम सकारात्मक होता है, जो हमें कुछ लाभ देता है और इसके___12_____ प्रभाव नुकसान और हानि पहुँचाते हैं। यद्यपि, साहसिक लोग कभी भी ____13_____ के बारे में नहीं सोचते हैं और अपने साहसिक कार्यों को निरंतर करते रहते हैं। प्रत्येक कार्य में रोमांच निहित होता है हालांकि, यह लोगों की सोच के अनुसार थोड़ा अलग होता है। इस तरह की गतिविधियाँ___14___ और साहस से भरी होती हैं जिनकी प्रकृति साहस और जोखिम वाली होती है। ऐसे बहुत से लोग हैं, जिनका पूरा जीवन साहसिक अनुभवों से भरा होता है। रोमांचकारी कार्य अनुभवकारी गतिविधियों का समूह होता है, जो उन्हें कुछ अस्वाभाविक____15____ देते हैं।

14. इस तरह की गतिविधियाँ _____ और साहस से भरी होती हैं जिनकी प्रकृति साहस और जोखिम वाली होती है।

(a) प्रकृति (b) उत्साह (c) डर (d) नियम

जोखिम वाले कार्य या रोमांचकारी कार्य किसी उत्साहवर्धक ___11____ का अनुभव कराते हैं। यह अप्रत्याशित अनुभव होता है जो साहस, उत्साह और आनंद की गतिविधियों से भरा होता है। यह कभी भी परिणाम के बारे में नहीं सोचता । इसका परिणाम सकारात्मक होता है, जो हमें कुछ लाभ देता है और इसके____12____ प्रभाव नुकसान और हानि पहुँचाते हैं। यद्यपि, साहसिक लोग कभी भी ____13_____ के बारे में नहीं सोचते हैं और अपने साहसिक कार्यों को निरंतर करते रहते हैं। प्रत्येक कार्य में रोमांच निहित होता है हालांकि, यह लोगों की सोच के अनुसार थोड़ा अलग होता है। इस तरह की गतिविधियाँ____14_____ और साहस से भरी होती हैं जिनकी प्रकृति साहस और जोखिम वाली होती है। ऐसे बहुत से लोग हैं, जिनका पूरा जीवन साहसिक अनुभवों से भरा होता है। रोमांचकारी कार्य अनुभवकारी गतिविधियों का समूह होता है, जो उन्हें कुछ अस्वाभाविक अनुभव देते हैं।

15. रोमांचकारी कार्य अनुभवकारी गतिविधियों का समूह होता है, जो उन्हें कुछ अस्वाभाविक अनुभव देते हैं।

(a) अनुभव (b) बातें (c) समय (d) हिस्सा

वन प्राणियों के लिए कितने आवश्यक हैं, ये सभी को पता है। कहा भी गया है कि वन ही जीवन है। इतना समझने के बावजूद भी दिन-प्रतिदिन वनों की __16__ कटाई होती है। यह समस्या दिन-प्रतिदिन __17__ रूप धारण करती जा रही है। जंगल मूल रूप से भूमि का एक टुकड़ा है जिसमें बड़ी संख्या में वृक्ष और पौधों की विभिन्न किस्में शामिल हैं। प्रकृति की ये खूबसूरत रचनाएँ __18__ की विभिन्न प्रजातियों के लिए घर का काम करती हैं। जंगल पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र का एक अनिवार्य हिस्सा हैं। वे ग्रह की __19__ को बनाए रखने में मदद करते हैं, वातावरण को शुद्ध करते हैं, वाटरशेड की रक्षा करते हैं। वे जानवरों के लिए एक __20__ आवास और लकड़ी के एक प्रमुख स्रोत हैं जो कि हमारे दिन-प्रतिदिन जीवन में उपयोग किए जाने वाले कई उत्पादों के उत्पादन के लिए उपयोग की जाती है।

16. इतना समझने के बावजूद भी दिन-प्रतिदिन वनों की_____ कटाई होती है।

(a) मजेदार
(b) अंधाधुंध
(c) आवश्यकतानुसार
(d) कम से कम

B

वन प्राणियों के लिए कितने आवश्यक हैं, ये सभी को पता है। कहा भी गया है कि वन ही जीवन है। इतना समझने के बावजूद भी दिन-प्रतिदिन वनों की ___16___ कटाई होती है। यह समस्या दिन-प्रतिदिन ___विकराल___ रूप धारण करती जा रही है। जंगल मूल रूप से भूमि का एक टुकड़ा है जिसमें बड़ी संख्या में वृक्ष और पौधों की विभिन्न किस्में शामिल हैं। प्रकृति की ये खूबसूरत रचनाएँ __18____ की विभिन्न प्रजातियों के लिए घर का काम करती हैं। जंगल पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र का एक अनिवार्य हिस्सा हैं। वे ग्रह की ___19___ को बनाए रखने में मदद करते हैं, वातावरण को शुद्ध करते हैं, वाटरशेड की रक्षा करते हैं। वे जानवरों के लिए एक__20___ आवास और लकड़ी के एक प्रमुख स्रोत हैं जो कि हमारे दिन-प्रतिदिन जीवन में उपयोग किए जाने वाले कई उत्पादों के उत्पादन के लिए उपयोग की जाती है।

17. यह समस्या दिन-प्रतिदिन____ रूप धारण करती जा रही है।

(a) साधारण (b) सामान्य (c) नया (d) विकराल

वन प्राणियों के लिए कितने आवश्यक हैं, ये सभी को पता है। कहा भी गया है कि वन ही जीवन है। इतना समझने के बावजूद भी दिन-प्रतिदिन वनों की ___16___ कटाई होती है। यह समस्या दिन-प्रतिदिन ___17___ रूप धारण करती जा रही है। जंगल मूल रूप से भूमि का एक टुकड़ा है जिसमें बड़ी संख्या में वृक्ष और पौधों की विभिन्न किस्में शामिल हैं। प्रकृति की ये खूबसूरत रचनाएँ ___18___ की विभिन्न प्रजातियों के लिए घर का काम करती हैं। जंगल पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र का एक अनिवार्य हिस्सा हैं। वे ग्रह की ___19___ को बनाए रखने में मदद करते हैं, वातावरण को शुद्ध करते हैं, वाटरशेड की रक्षा करते हैं। वे जानवरों के लिए एक__20___ आवास और लकड़ी के एक प्रमुख स्रोत हैं जो कि हमारे दिन-प्रतिदिन जीवन में उपयोग किए जाने वाले कई उत्पादों के उत्पादन के लिए उपयोग की जाती है।

18. प्रकृति की ये खूबसूरत रचनाएँ..... की विभिन्न प्रजातियों के लिए घर का काम करती हैं।

(a) नदियों (b) जानवरों (c) पहाड़ों (d) मनुष्यों

वन प्राणियों के लिए कितने आवश्यक हैं, ये सभी को पता है। कहा भी गया है कि वन ही जीवन है। इतना समझने के बावजूद भी दिन-प्रतिदिन वनों की __16__ कटाई होती है। यह समस्या दिन-प्रतिदिन __17__ रूप धारण करती जा रही है। जंगल मूल रूप से भूमि का एक टुकड़ा है जिसमें बड़ी संख्या में वृक्ष और पौधों की विभिन्न किस्में शामिल हैं। प्रकृति की ये खूबसूरत रचनाएँ __18__ की विभिन्न प्रजातियों के लिए घर का काम करती हैं। जंगल पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र का एक अनिवार्य हिस्सा हैं। वे ग्रह की __जलवायु__ को बनाए रखने में मदद करते हैं, वातावरण को शुद्ध करते हैं, वाटरशेड की रक्षा करते हैं। वे जानवरों के लिए एक __20__ आवास और लकड़ी के एक प्रमुख स्रोत हैं जो कि हमारे दिन-प्रतिदिन जीवन में उपयोग किए जाने वाले कई उत्पादों के उत्पादन के लिए उपयोग की जाती है।

19. वे ग्रह की ..... को को बनाए रखने में मदद करते हैं।

(a) आवश्यकता (b) गहराई (c) विश्वसनीयता (d) जलवायु ✓

वन प्राणियों के लिए कितने आवश्यक हैं, ये सभी को पता है। कहा भी गया है कि वन ही जीवन है। इतना समझने के बावजूद भी दिन-प्रतिदिन वनों की ___16___ कटाई होती है। यह समस्या दिन-प्रतिदिन ___17____ रूप धारण करती जा रही है। जंगल मूल रूप से भूमि का एक टुकड़ा है जिसमें बड़ी संख्या में वृक्ष और पौधों की विभिन्न किस्में शामिल हैं। प्रकृति की ये खूबसूरत रचनाएँ __18____ की विभिन्न प्रजातियों के लिए घर का काम करती हैं। जंगल पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र का एक अनिवार्य हिस्सा हैं। वे ग्रह की ___19___ को बनाए रखने में मदद करते हैं, वातावरण को शुद्ध करते हैं, वाटरशेड की रक्षा करते हैं। वे जानवरों के लिए एक__20___ आवास और लकड़ी के एक प्रमुख स्रोत हैं जो कि हमारे दिन-प्रतिदिन जीवन में उपयोग किए जाने वाले कई उत्पादों के उत्पादन के लिए उपयोग की जाती है।

20. वे जानवरों के लिए एक .....आवास और लकड़ी के एक प्रमुख स्रोत हैं।

(a) कभी-कभी (b) प्राकृतिक (c) मानव निर्मित (d) शारीरिक

⑤ गद्यांश

कार्तिक कृष्ण अमावस्या को दीपावली (21) पड़ती है। इस (22)_____ से लोग दिवाली मनाते हैं कि राम का अयोध्या में (23)____ हुआ है और (24)_____ में द्वीप जलाए गए हैं। उनका (25)____ राज्याभिषेक हुआ और लोग घर - घर में दीप जलाते हैं।

21. रिक्त स्थान के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) पढ़ती (b) उठती

(c) चलती (d) पड़ती

कार्तिक कृष्ण अमावस्या को दीपावली (21)____है। इस (22)_____से लोग दिवाली मनाते हैं कि राम का अयोध्या में (23)____ हुआ है और (24)_____में द्वीप जलाए गए हैं। उनका (25)____राज्याभिषेक हुआ और लोग घर - घर में दीप जलाते हैं।

22. रिक्त स्थान के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) भाव
(b) मान
(c) भयभीत
(d) मालूम

कार्तिक कृष्ण अमावस्या को दीपावली (21)____ है। इस (22)भाव से लोग दिवाली मनाते हैं कि राम का अयोध्या में (23)अभिषेक हुआ है और (24)_____ में द्वीप जलाए गए हैं। उनका (25)____ राज्याभिषेक हुआ और लोग घर - घर में दीप जलाते हैं।

23. रिक्त स्थान के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) बातचीत (b) अनुभव

(c) पांव (d) राज्याभिषेक

कार्तिक कृष्ण अमावस्या को दीपावली (21)____है। इस (22)_____से लोग दिवाली मनाते हैं कि राम का अयोध्या में (23)____ हुआ है और (24)____में द्वीप जलाए गए हैं। उनका (25)____राज्याभिषेक हुआ और लोग घर - घर में दीप जलाते हैं।

24. रिक्त स्थान के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) कहीं-कहीं (b) दूर-पास

(c) घर-घर (d) हर-हर

कार्तिक कृष्ण अमावस्या को दीपावली (21)____ है। इस (22)_____ से लोग दिवाली मनाते हैं कि राम का अयोध्या में (23)____ हुआ है और (24)_____ में द्वीप जलाए गए हैं। उनका (25)____ राज्याभिषेक हुआ और लोग घर - घर में दीप जलाते हैं।

25. रिक्त स्थान के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) विधिवत (b) कर्त्तव्य

(c) शब्दहीन (d) लम्बा

SSC GD 2025
ROJGAR WITH ANKIT
अवसर वेद
हिंदी
संज्ञा कारक
सर्वनाम
गद्यांश
Part 02
LIVE 19-07-2024 11:00 AM

जब लोगों ने पहली बार साफ हवा के लिए (मुहिम छेड़ी तो सबसे पहले इस (2)_____ से निपटने के लिए कानूनी रास्तों को (3)_____का प्रयास किया गया। यह काम आसान नहीं था क्योंकि (4)_____ और भाप इंजनों के मालिक अपनी मशीनों में सुधार के लिए पैसा (5)_____ करने को कतई तैयार नहीं थे।

1. रिक्त स्थान के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) मुहिम (b) रास्ता
(c) महिला (d) पुरुष

जब लोगों ने पहली बार साफ हवा के लिए (1)___ छेड़ी तो सबसे पहले इस (2)समस्या से निपटने के लिए कानूनी रास्तों को (3)_____ का प्रयास किया गया। यह काम आसान नहीं था क्योंकि (4)_____ और भाप इंजनों के मालिक अपनी मशीनों में सुधार के लिए पैसा (5)_____ करने को कतई तैयार नहीं थे।

2. रिक्त स्थान के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) खूबसूरत (b) गरीमा

(c) समस्या (d) लक्षण

जब लोगों ने पहली बार साफ हवा के लिए (1)___ छेड़ी तो सबसे पहले इस (2)_____ से निपटने के लिए कानूनी रास्तों को (3)आजमाने का प्रयास किया गया। यह काम आसान नहीं था क्योंकि (4)_____ और भाप इंजनों के मालिक अपनी मशीनों में सुधार के लिए पैसा (5)_____ करने को कतई तैयार नहीं थे।

3. रिक्त स्थान के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) कोहरा (b) दिशा

(c) बीमारियों (d) आजमाने

जब लोगों ने पहली बार साफ हवा के लिए (1)___ छेड़ी तो सबसे पहले इस (2)_____ से निपटने के लिए कानूनी रास्तों को (3)_____का प्रयास किया गया। यह काम आसान नहीं था क्योंकि (4)कारखानों और भाप इंजनों के मालिक अपनी मशीनों में सुधार के लिए पैसा (5)_____ करने को कतई तैयार नहीं थे।

4. रिक्त स्थान के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) गंदगी
(b) कारखानों
(c) कचरे
(d) शहर

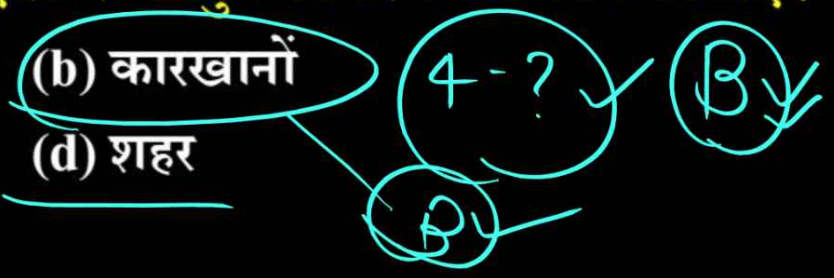

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

जब लोगों ने पहली बार साफ हवा के लिए (1)___ छेड़ी तो सबसे पहले इस (2)_____ से निपटने के लिए कानूनी रास्तों को (3)_____का प्रयास किया गया। यह काम आसान नहीं था क्योंकि (4)_____ और भाप इंजनों के मालिक अपनी मशीनों में सुधार के लिए पैसा (5) खर्च करने को कतई तैयार नहीं थे।

5. रिक्त स्थान के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) फुकाने
(b) खर्च
(c) आसानी
(d) मुश्किल

(2) भारतीय राष्ट्रीय ध्वज हमारी .....6..... का प्रतीक है। देश में अपना ध्वज लहराने का मतलब है कि वह देश स्वतंत्र है। आजादी के बाद पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने कहा था 'राष्ट्रीय ध्वज सिर्फ हमारी स्वतंत्रता नहीं है, बल्कि ये देश की समस्त जनता की स्वतंत्रता का प्रतीक है।' भारतीय कानून के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज .....7.... के कपड़े का होना चाहिए। शुरुआत में राष्ट्रीय ध्वज का इस्तेमाल आम नागरिकों द्वारा सिर्फ राष्ट्रीय दिवस जैसे स्वतंत्रता दिवस व गणतन्त्र दिवस को ही होता था, बाकी के दिनों में वे उसको नहीं .....8.... सकते थे। हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश की संस्कृति, सभ्यता और .....9..... को दर्शाता है। हवा में लहराता हुआ हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश की ....10..... को प्रदर्शित करता है। यह हमारा ध्वज हमारे देश के नागरिकों की स्वतंत्रता के साथ-साथ अंग्रेजों के अत्याचार से मुक्त होने पर अपना एवं अपने देशवासियों का गौरवयुक्त अभिमान है।

6. भारतीय राष्ट्रीय ध्वज हमारी ..... का प्रतीक है।

(a) संरचना (b) स्वाधीनता (c) पराधीनता (d) अच्छाई

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज हमारी ....6..... का प्रतीक है। देश में अपना ध्वज लहराने का मतलब है कि वह देश स्वतंत्र है। आजादी के बाद पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने कहा था 'राष्ट्रीय ध्वज सिर्फ हमारी स्वतंत्रता नहीं है, बल्कि ये देश की समस्त जनता की स्वतंत्रता का प्रतीक है।' भारतीय कानून के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज .....7.... के कपड़े का होना चाहिए। शुरुआत में राष्ट्रीय ध्वज का इस्तेमाल आम नागरिकों द्वारा सिर्फ राष्ट्रीय दिवस जैसे स्वतंत्रता दिवस व गणतन्त्र दिवस को ही होता था, बाकी के दिनों में वे उसको नहीं .....8.... सकते थे। हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश की संस्कृति, सभ्यता और .....9..... को दर्शाता है। हवा में लहराता हुआ हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश की ....10..... को प्रदर्शित करता है। यह हमारा ध्वज हमारे देश के नागरिकों की स्वतंत्रता के साथ-साथ अंग्रेजों के अत्याचार से मुक्त होने पर अपना एवं अपने देशवासियों का गौरवयुक्त अभिमान है।

7. भारतीय कानून के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज .....खादी..... के कपड़े का होना चाहिए।

(a) सूती (b) अच्छे (c) मलमल (d) खादी ✓ D

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज हमारी ....6..... का प्रतीक है। देश में अपना ध्वज लहराने का मतलब है कि वह देश स्वतंत्र है। आजादी के बाद पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने कहा था 'राष्ट्रीय ध्वज सिर्फ हमारी स्वतंत्रता नहीं है, बल्कि ये देश की समस्त जनता की स्वतंत्रता का प्रतीक है।' भारतीय कानून के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज .....7.... के कपड़े का होना चाहिए। शुरुआत में राष्ट्रीय ध्वज का इस्तेमाल आम नागरिकों द्वारा सिर्फ राष्ट्रीय दिवस जैसे स्वतंत्रता दिवस व गणतन्त्र दिवस को ही होता था, बाकी के दिनों में वे उसको नहीं .....8..... सकते थे। हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश की संस्कृति, सभ्यता और .....9..... को दर्शाता है। हवा में लहराता हुआ हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश की ....10..... को प्रदर्शित करता है। यह हमारा ध्वज हमारे देश के नागरिकों की स्वतंत्रता के साथ-साथ अंग्रेजों के अत्याचार से मुक्त होने पर अपना एवं अपने देशवासियों का गौरवयुक्त अभिमान है।

8. बाकी के दिनों में वे उसको नहीं ..... सकते थे।

(a) उतार (b) फहरा (c) दिखा (d) ला

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज हमारी ....6..... का प्रतीक है। देश में अपना ध्वज लहराने का मतलब है कि वह देश स्वतंत्र है। आजादी के बाद पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने कहा था 'राष्ट्रीय ध्वज सिर्फ हमारी स्वतंत्रता नहीं है, बल्कि ये देश की समस्त जनता की स्वतंत्रता का प्रतीक है।' भारतीय कानून के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज .....7.... के कपड़े का होना चाहिए। शुरुआत में राष्ट्रीय ध्वज का इस्तेमाल आम नागरिकों द्वारा सिर्फ राष्ट्रीय दिवस जैसे स्वतंत्रता दिवस व गणतन्त्र दिवस को ही होता था, बाकी के दिनों में वे उसको नहीं .....8.... सकते थे। हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश की संस्कृति, सभ्यता और इतिहास को दर्शाता है। हवा में लहराता हुआ हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश की ....10..... को प्रदर्शित करता है। यह हमारा ध्वज हमारे देश के नागरिकों की स्वतंत्रता के साथ-साथ अंग्रेजों के अत्याचार से मुक्त होने पर अपना एवं अपने देशवासियों का गौरवयुक्त अभिमान है।

9. हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश की संस्कृति, सभ्यता और.....इतिहास को दर्शाता है।

(a) ह्रास (b) इतिहास (c) गतिविधि (d) जनसंख्या

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज हमारी ....6..... का प्रतीक है। देश में अपना ध्वज लहराने का मतलब है कि वह देश स्वतंत्र है। आजादी के बाद पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने कहा था 'राष्ट्रीय ध्वज सिर्फ हमारी स्वतंत्रता नहीं है, बल्कि ये देश की समस्त जनता की स्वतंत्रता का प्रतीक है।' भारतीय कानून के अनुसार राष्ट्रीय ध्वज .....7.... के कपड़े का होना चाहिए। शुरुआत में राष्ट्रीय ध्वज का इस्तेमाल आम नागरिकों द्वारा सिर्फ राष्ट्रीय दिवस जैसे स्वतंत्रता दिवस व गणतन्त्र दिवस को ही होता था, बाकी के दिनों में वे उसको नहीं .....8.... सकते थे। हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश की संस्कृति, सभ्यता और .....9..... को दर्शाता है। हवा में लहराता हुआ हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश की .....10..... को प्रदर्शित करता है। यह हमारा ध्वज हमारे देश के नागरिकों की स्वतंत्रता के साथ-साथ अंग्रेजों के अत्याचार से मुक्त होने पर अपना एवं अपने देशवासियों का गौरवयुक्त अभिमान है।

10. हवा में लहराता हुआ हमारा राष्ट्रीय ध्वज हमारे देश की ____ को प्रदर्शित करता है।

(a) परतंत्रता (b) स्वतंत्रता (c) लड़ाई (d) शुरुआत

आलस्य एक ऐसा भाव है जो मनुष्य को कार्य करने की ..... नहीं देता अर्थात् मनुष्य कोई भी काम नहीं करना चाहता। उसे .....11..... कोई भी कार्य करना अच्छा नहीं लगता सिवाय आराम फरमाने के आलस्य मनुष्य को .....12.... मार्ग पर ले जाता है। आलसी मनुष्य को अपनी कुर्सी से उठने में भी कठिनाई होती है। उसे लगता है कि उसका काम कोई दूसरा व्यक्ति कर दे तो उसकी नींद पूरी हो जाए अब बताइए आलसी मनुष्य अपना .....13..... खुद ही बन जाता है उसे परिश्रम का महत्व समझ नहीं आता। मनुष्य में कई तरह के दोष हैं जैसे- लालच, क्रोध, हिंसा, जलन आदि लेकिन सबसे भयानक आलस का रोग है। आलस्य मनुष्य को असफलता की राह पर ले जाता है। असफलता, अवनति और विनाश आलसी मनुष्य के ...14... हैं। शेर भी जंगल में शिकार करके अपनी भूख मिटाता है। शेर जंगल का राजा होता है लेकिन वह भी परिश्रम करके जानवर का शिकार करता है। कहने का तात्पर्य है बिना कोई काम किए किसी को जीवन में ...15....प्राप्ति नहीं होती।

11. आलस्य एक ऐसा भाव है जो मनुष्य को कार्य करने की ..... नहीं देता।

(a) अनुभव (b) समय (c) जरूरत (d) इज़ाजत

आलस्य एक ऐसा भाव है जो मनुष्य को कार्य करने की नहीं देता अर्थात् मनुष्य कोई भी काम नहीं करना चाहता। उसे .....11.... कोई भी कार्य करना अच्छा नहीं लगता सिवाय आराम फरमाने के आलस्य मनुष्य को ...12... मार्ग पर ले जाता है। आलसी मनुष्य को अपनी कुर्सी से उठने में भी कठिनाई होती है। उसे लगता है कि उसका काम कोई दूसरा व्यक्ति कर दे तो उसकी नींद पूरी हो जाए अब बताइए आलसी मनुष्य अपना .....13..... खुद ही बन जाता है उसे परिश्रम का महत्व समझ नहीं आता। मनुष्य में कई तरह के दोष हैं जैसे- लालच, क्रोध, हिसा, जलन आदि लेकिन सबसे भयानक आलस का रोग है। आलस्य मनुष्य को असफलता की राह पर ले जाता है। असफलता, अवनति और विनाश आलसी मनुष्य के ...14... हैं। शेर भी जंगल में शिकार करके अपनी भूख मिटाता है। शेर जंगल का राजा होता है लेकिन वह भी परिश्रम करके जानवर का शिकार करता है। कहने का तात्पर्य है बिना कोई काम किए किसी को जीवन में ...15....प्राप्ति नहीं होती।

12. आलस्य मनुष्य को..... मार्ग पर ले जाता है।

(a) अच्छे (b) मनचाहे (c) सुगम (d) दुर्गम

दुर्गम

बुरे रास्ते पर ले जाता है।

आलस्य एक ऐसा भाव है जो मनुष्य को कार्य करने की नहीं देता अर्थात् मनुष्य कोई भी काम नहीं करना चाहता। उसे .....11.... कोई भी कार्य करना अच्छा नहीं लगता सिवाय आराम फरमाने के आलस्य मनुष्य को .....12.... मार्ग पर ले जाता है। आलसी मनुष्य को अपनी कुर्सी से उठने में भी कठिनाई होती है। उसे लगता है कि उसका काम कोई दूसरा व्यक्ति कर दे तो उसकी नींद पूरी हो जाए अब बताइए आलसी मनुष्य अपना .....13..... खुद ही बन जाता है उसे परिश्रम का महत्व समझ नहीं आता। मनुष्य में कई तरह के दोष हैं जैसे- लालच, क्रोध, हिंसा, जलन आदि लेकिन सबसे भयानक आलस का रोग है। आलस्य मनुष्य को असफलता की राह पर ले जाता है। असफलता, अवनति और विनाश आलसी मनुष्य के ...14... हैं। शेर भी जंगल में शिकार करके अपनी भूख मिटाता है। शेर जंगल का राजा होता है लेकिन वह भी परिश्रम करके जानवर का शिकार करता है। कहने का तात्पर्य है बिना कोई काम किए किसी को जीवन में ...15....प्राप्ति नहीं होती।

13. अब बताइये आलसी मनुष्य अपना..... खुद ही बन जाता है।

(a) दोस्त (b) पसंदीदा (c) सुगम (d) ~~दुर्लभ~~ दुश्मन / शत्रु ✓

आलस्य एक ऐसा भाव है जो मनुष्य को कार्य करने की नहीं देता अर्थात् मनुष्य कोई भी काम नहीं करना चाहता। उसे .....11.... कोई भी कार्य करना अच्छा नहीं लगता सिवाय आराम फरमाने के आलस्य मनुष्य को .....12.... मार्ग पर ले जाता है। आलसी मनुष्य को अपनी कुर्सी से उठने में भी कठिनाई होती है। उसे लगता है कि उसका काम कोई दूसरा व्यक्ति कर दे तो उसकी नींद पूरी हो जाए अब बताइए आलसी मनुष्य अपना .....13..... खुद ही बन जाता है उसे परिश्रम का महत्व समझ नहीं आता। मनुष्य में कई तरह के दोष हैं जैसे- लालच, क्रोध, हिसा, जलन आदि लेकिन सबसे भयानक आलस का रोग है। आलस्य मनुष्य को असफलता की राह पर ले जाता है। असफलता, अवनति और विनाश आलसी मनुष्य के ...14... हैं। शेर भी जंगल में शिकार करके अपनी भूख मिटाता है। शेर जंगल का राजा होता है लेकिन वह भी परिश्रम करके जानवर का शिकार करता है। कहने का तात्पर्य है बिना कोई काम किए किसी को जीवन में ...15.... प्राप्ति नहीं होती।

14. असफलता, अवनति और विनाश आलसी मनुष्य के.....हैं। — परिणाम — रिजल्ट

(a) परिणाम (b) अपने (c) महान (d) प्रणाम

आलस्य एक ऐसा भाव है जो मनुष्य को कार्य करने की नहीं देता अर्थात् मनुष्य कोई भी काम नहीं करना चाहता। उसकी ... कोई भी कार्य करना अच्छा नहीं लगता सिवाय आराम फरमाने के आलस्य मनुष्य को ... मार्ग पर ले जाता है। आलसी मनुष्य को अपनी कुर्सी से उठने में भी कठिनाई होती है। उसे लगता है कि उसका काम कोई दूसरा व्यक्ति कर दे तो उसकी नींद पूरी हो जाए अब बताइए आलसी मनुष्य अपना ... खुद ही बन जाता है उसे परिश्रम का महत्व समझ नहीं आता। मनुष्य में कई तरह के दोष हैं जैसे- लालच, क्रोध, हिसा, जलन आदि लेकिन सबसे भयानक आलस का रोग है। आलस्य मनुष्य को असफलता की राह पर ले जाता है। असफलता, अवनति और विनाश आलसी मनुष्य के ... हैं। शेर भी जंगल में शिकार करके अपनी भूख मिटाता है। शेर जंगल का राजा होता है लेकिन वह भी परिश्रम करके जानवर का शिकार करता है। कहने का तात्पर्य है बिना कोई काम किए किसी को जीवन में ... प्राप्ति नहीं होती।

15. कहने का तात्पर्य है बिना कोई काम किए किसी को जीवन में..... प्राप्ति नहीं होती।

(a) लक्ष्य (b) आलस (c) कठिनाई (d) दुख की

4 आम एक ऐसा फल है, जो बच्चों को ही नहीं, बड़ों को भी (16)____ है। इसीलिए इसे फलों का राजा कहते हैं। इसकी बहुत सी _____(17) होती हैं। स्वास्थ्य के लिए यह बहुत (18)_____ होता है। इसका अचार डाला जाता है, जिसका सब बहुत वर्षों तक (19)_____ करते हैं। दूध के साथ इसका रस निकालकर पीया जाता है। यद्यपि बाग से आम तोड़कर खाना चोरी होती है, पर बच्चों के लिए तो यह खेल है, मनोरंजन का (20)_____ है।

16. रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) आनंद (b) नापसंद

(c) फेंकना (d) पसंद D

आम एक ऐसा फल है, जो बच्चों को ही नहीं, बड़ों को भी (16)____ है। इसीलिए इसे फलों का राजा कहते हैं। इसकी बहुत सी _____(17) होती हैं। स्वास्थ्य के लिए यह बहुत (18)_____ होता है। इसका अचार डाला जाता है, जिसका सब बहुत वर्षों तक (19)_____ करते हैं। दूध के साथ इसका रस निकालकर पीया जाता है। यद्यपि बाग से आम तोड़कर खाना चोरी होती है, पर बच्चों के लिए तो यह खेल है, मनोरंजन का (20)_____ है।

17. रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) किस्में
(b) पेड़ों
(c) लाभ
(d) बातें

आम एक ऐसा फल है, जो बच्चों को ही नहीं, बड़ों को भी (16)____ है। इसीलिए इसे फलों का राजा कहते हैं। इसकी बहुत सी _____(17) होती हैं। स्वास्थ्य के लिए यह बहुत (18)_____ होता है। इसका अचार डाला जाता है, जिसका सब बहुत वर्षों तक (19)_____ करते हैं। दूध के साथ इसका रस निकालकर पीया जाता है। यद्यपि बाग से आम तोड़कर खाना चोरी होती है, पर बच्चों के लिए तो यह खेल है, मनोरंजन का (20)_____ है।

18. रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) नुकसानदेह
(b) लाभदायक
(c) अग्निकारक
(d) विकारक

आम एक ऐसा फल है, जो बच्चों को ही नहीं, बड़ों को भी (16)____ है। इसीलिए इसे फलों का राजा कहते हैं। इसकी बहुत सी _____(17) होती हैं। स्वास्थ्य के लिए यह बहुत (18)लाभदायक होता है। इसका अचार डाला जाता है, जिसका सब बहुत वर्षों तक (19)सेवन करते हैं। दूध के साथ इसका रस निकालकर पीया जाता है। यद्यपि बाग से आम तोड़कर खाना चोरी होती है, पर बच्चों के लिए तो यह खेल है, मनोरंजन का (20)_____ है।

19. रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) मनोरंजन (b) इच्छा

(c) खाना (d) सेवन

19- ?

आम एक ऐसा फल है, जो बच्चों को ही नहीं, बड़ों को भी (16)____ है। इसीलिए इसे फलों का राजा कहते हैं। इसकी बहुत सी _____(17) होती हैं। स्वास्थ्य के लिए यह बहुत (18)_____ होता है। इसका अचार डाला जाता है, जिसका सब बहुत वर्षों तक (19)_____ करते हैं। दूध के साथ इसका रस निकालकर पीया जाता है। यद्यपि बाग से आम तोड़कर खाना चोरी होती है, पर बच्चों के लिए तो यह खेल है, मनोरंजन का (20)_____ है।

20. रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) जीवन (b) साधन

(c) प्रकृति (d) प्राप्ति

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

5 मनुष्य की पहचान उसके आचरण और (21)_____ से होती है। सात्विक व्यवहार तथा धर्म, नीति आदि की (22)_____से किया जाने वाला अच्छा और शुभ आचरण 'सदाचार' है। इसके ठीक (23)_____ 'भ्रष्टाचार' शब्द है। जो मनुष्य दूषित और (24)_____आचरण करता हो, वह भ्रष्टाचारी कहलाता है। भ्रष्टाचार एक प्रकार का (25) ..... विकार है।

21. रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) मित्र
(b) व्यवहार
(c) परिवार
(d) परमार्थ

B

मनुष्य की पहचान उसके आचरण और (21)_____ से होती है। सात्विक व्यवहार तथा धर्म, नीति आदि की (22)_____ से किया जाने वाला अच्छा और शुभ आचरण 'सदाचार' है। इसके ठीक (23)_____ 'भ्रष्टाचार' शब्द है। जो मनुष्य दूषित और (24)_____आचरण करता हो, वह भ्रष्टाचारी कहलाता है। भ्रष्टाचार एक प्रकार का (25) ..... विकार है।

22. रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) संपत्ति (b) सृष्टि

(c) दृष्टि (d) कमी

मनुष्य की पहचान उसके आचरण और (21)_____ से होती है। सात्विक व्यवहार तथा धर्म, नीति आदि की (22)_____से किया जाने वाला अच्छा और शुभ आचरण 'सदाचार' है। इसके ठीक (23)_____ 'भ्रष्टाचार' शब्द है। जो मनुष्य दूषित और (24)_____आचरण करता हो, वह भ्रष्टाचारी कहलाता है। भ्रष्टाचार एक प्रकार का (25) ..... विकार है।

23. रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) अच्छी
(b) साथ
(c) मिली
(d) विपरीत

मनुष्य की पहचान उसके आचरण और (21)_____ से होती है। सात्विक व्यवहार तथा धर्म, नीति आदि की (22)_____से किया जाने वाला अच्छा और शुभ आचरण 'सदाचार' है। इसके ठीक (23)_____ 'भ्रष्टाचार' शब्द है। जो मनुष्य दूषित और (24)_____आचरण करता हो, वह भ्रष्टाचारी कहलाता है। भ्रष्टाचार एक प्रकार का (25) ..... विकार है।

24. रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) निंदनीय
(b) सम्मानित
(c) परमार्थी
(d) विवश

मनुष्य की पहचान उसके आचरण और (21)_____ से होती है। सात्विक व्यवहार तथा धर्म, नीति आदि की (22)_____से किया जाने वाला अच्छा और शुभ आचरण 'सदाचार' है। इसके ठीक (23)_____ 'भ्रष्टाचार' शब्द है। जो मनुष्य दूषित और (24)_____आचरण करता हो, वह भ्रष्टाचारी कहलाता है। भ्रष्टाचार एक प्रकार का (25) मानसिक विकार है।

25. रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए।

(a) व्यावहारिक
(b) स्वस्थ
(c) मानसिक
(d) पारिवारिक

आज अनेक भाषाओं में अनेक समाचार पत्र बाजार में उपलब्ध हैं। मनुष्य की.....(26) विशेषता है उसका _____(27) होना। रात्रि में वह चैन की नींद सोकर प्रात: काल उठता है तो शीघ्र ही अपने आसपास के वातावरण के बारे में जानने का..... (28) करता है। चाय की _____(29) के साथ देश-विदेश की खबरों को जानने के लिए वह _____(30) का सहारा लेता है।

26. रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त शब्द होगा-

(a) आराम (b) नींद

(c) व्यक्ति (d) स्वभावगत

आज अनेक भाषाओं में अनेक समाचार पत्र बाजार में उपलब्ध हैं। मनुष्य की.....(26) विशेषता है उसका जिज्ञालु (27) होना। रात्रि में वह चैन की नींद सोकर प्रात: काल उठता है तो शीघ्र ही अपने आसपास के वातावरण के बारे में जानने का..... (28) करता है। चाय की _____(29) के साथ देश-विदेश की खबरों को जानने के लिए वह _____(30) का सहारा लेता है।

27. रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त शब्द होगा-

(a) संकेत (b) संपादक

(c) बिक्री (d) जिज्ञासु

चाहत रखने वाला

आज अनेक भाषाओं में अनेक समाचार पत्र बाजार में उपलब्ध हैं। मनुष्य की.....(26) विशेषता है उसका _____(27) होना। रात्रि में वह चैन की नींद सोकर प्रात: काल उठता है तो शीघ्र ही अपने आसपास के वातावरण के बारे में जानने का.....(28) करता है। चाय की _____(29) के साथ देश-विदेश की खबरों को जानने के लिए वह _____(30) का सहारा लेता है।

28. रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त शब्द होगा-

(a) अनुभव (b) प्रयास

(c) प्रतीक्षा (d) खबर

आज अनेक भाषाओं में अनेक समाचार पत्र बाजार में उपलब्ध हैं। मनुष्य की.....(26) विशेषता है उसका _____(27) होना। रात्रि में वह चैन की नींद सोकर प्रात: काल उठता है तो शीघ्र ही अपने आसपास के वातावरण के बारे में जानने का..... (28) करता है। चाय की चुस्की (29) के साथ देश-विदेश की खबरों को जानने के लिए वह _____(30) का सहारा लेता है।

29. रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त शब्द होगा-

(a) बरतन (b) टुकड़ों

(c) चुस्कियों (d) कपड़ों

आज अनेक भाषाओं में अनेक समाचार पत्र बाजार में उपलब्ध हैं। मनुष्य की.....(26) विशेषता है उसका _____(27) होना। रात्रि में वह चैन की नींद सोकर प्रात: काल उठता है तो शीघ्र ही अपने आसपास के वातावरण के बारे में जानने का..... (28) करता है। चाय की _____(29) के साथ देश-विदेश की खबरों को जानने के लिए वह _____(30) का सहारा लेता है।

30. रिक्त स्थान के लिए उपयुक्त शब्द होगा-

(a) खेलों (b) गानों

(c) समाचार पत्र (d) फिल्मों

संज्ञा

यह विकारी शब्द होता है।

का शाब्दिक अर्थ → नाम/पहचान

'सम' (सम्यक) + 'ज्ञा' (ज्ञान)

ज्ञ
ज् + ञ

शब्द के प्रकार :- → तीन प्रकार

(1). रूढ़ (कभी न टूटने वाला)

(2). यौगिक शब्द → जो शब्दों के योग से बनते (राम, घर, गेहूँ)
पाठशाला, घुड़सवार, विद्यालय

(3). योगरूढ़ शब्द → ये शब्द होते तो यौगिक ही है, लेकिन यह अर्थ किसी तीसरे देते हैं।

(गणेश) लंबोदर → लंबा + उदर

(शिव) नीलकण्ठ → नीला + कण्ठ

दशानन → (रावण)

परिभाषा : जो शब्द किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव का बोध कराते हैं, वे शब्द संज्ञा कहलाते हैं।

उदा:- राम, कलम, दिल्ली, प्रेम आदि।

संज्ञा के मूल भेद : → दो

दृश्य/मूर्त/वास्तविक (प्रत्यक्ष)
(1) व्यक्तिवाचक (एकवचन)
(2) जातिवाचक (बहुवचन)

अदृश्य/अमूर्त/अवास्तविक (अप्रत्यक्ष)
(3) भाववाचक

* प्राचीन काल में संज्ञा के 5 भेद थे -
* आधुनिक काल में संज्ञा के 3 भेद हैं -
* हिंदी में संज्ञा के मुख्य भेद पाँच होते हैं -

(1) दृश्य
→ व्यक्तिवाचक (दुनिया में एक)
→ जातिवाचक (दुनिया में अनेक) → द्रव्य/पदार्थ वाचक, समूहवाचक

(2) अदृश्य
→ भाववाचक

- **व्यक्तिवाचक संज्ञा :** जिन शब्दों से विशेष व्यक्ति, वस्तु, स्थान का पता चलता है, वे शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्द होते हैं।

  ↓

  (यह संज्ञा हमेशा एकवचन होती है → दुनिया में एक होती है।)

  उदा:- मोहन, दिल्ली, काव्या, रामायण, महाभारत, गीता, गोदान, कामायनी, गंगा, हिमालय, हिंद महासागर, जापान, प.० बंगाल आदि।

Ques गंगा में कौन-सी संज्ञा है—
(A) जाति
(B) व्यक्ति [✓]
(C) द्रव्यवाचक
(D) समूहवाचक

Ques नदी में संज्ञा बताओ— जातिवाचक
(A) रीना (व्यक्तिवाचक)
(B) पहाड़ (जातिवाचक) [✓]
(C) राहुल (व्यक्तिवाचक)
(D) मध्य प्रदेश (व्यक्तिवाचक)

Ques निम्न में जातिवाचक संज्ञा कौन-सी है? → (B)

संज्ञा

PART→2

(2). जातिवाचक संज्ञा : वे संज्ञा शब्द जो संपूर्ण जाति व उपजाति का बोध कराते हैं; वे शब्द जातिवाचक संज्ञा शब्द कहलाते हैं।

विशेष : जातिवाचक संज्ञा बहुवचन होती है।

उदा:- नदी, पहाड़, पर्वत, महासागर, झील, लड़की, लड़का, मानव, फल, पुस्तक, कलम, शहर, नगर आदि।

विशेष – पदों के नाम जातिवाचक होते हैं–

(1). मास्टर, वकील, प्रो॰, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, डॉक्टर, ड्राइवर

(2). प्राकृतिक घटना जातिवाचक होती है–

उदा॰– भूकंप, आँधी, तूफान, वर्षा, हवा, बाढ़ आदि

(3). द्रव्यवाचक/पदार्थवाचक संज्ञा : जो शब्द किसी द्रव्य, पदार्थ का बोध कराते हैं, वे शब्द द्रव्य/पदार्थवाचक संज्ञा शब्द कहलाते हैं–

(एकवचन)

उदा॰– दूध, पानी, डीजल, घी, तेल, रिफाइंड, डालडा घी, सोना, चाँदी, पीतल, कोयला आदि।

(4). समूह व समुदाय वाचक संज्ञा : जो शब्द समूह व समुदाय का बोध कराते हैं, वे शब्द समूहवाचक व समुदाय वाचक कहलाते हैं–

उदा॰– सेना, दल, भीड़, कक्षा, परिवार, ढेर, गट्ठर, पुलिस, गुच्छा, बाजार, मंत्रिमण्डल, संघ, सभा, समीति आदि।

(5). भाववाचक संज्ञा : जो संज्ञा शब्द किसी भाव, गुण, दशा का बोध कराते हैं, वे शब्द भाववाचक संज्ञा शब्द कहलाते हैं।

(अदृश्य/अवास्तविक/अमूर्त) → (एकवचन)

उदा॰ ता, पन, त्व, आ, हट, वट आदि प्रत्यय आते हैं।

→ भाववाचक शब्द होते हैं।

उदा॰ - एकता, मानवता, महत्त्व, स्त्रित्व
प्यार, घृणा, नफरत, अपनापन
एहसास, बनावट, घबराहट
निराशा, आशा, बुढ़ापा, गुस्सा
सजावट आदि।

विशेष : भाववाचक संज्ञा का बहुवचन बनाने पर यह संज्ञा, जातिवाचक बन जाती है।

बुराई → बुराइयाँ
अच्छाई → अच्छाइयाँ
दूरी → दूरियाँ

गंभीर (विशेषण) → गंभीरता

सर्वनाम → विकारी (02)

सर्व + नाम (सबका नाम)
(सबका) + (नाम)

परिभाषा: संज्ञा के स्थान पर प्रयोग होने वाले शब्द सर्वनाम होते हैं।

उदा: सावन मास में शिव का पूजन किया जाता है और ~~शिव~~ वे ~~भगवान~~ इस माह सबसे ज्यादा प्रसन्न होते हैं। इसलिए ~~शिव भगवान~~ उनकी पूजा की जाती है।

विशेष
(1) वाक्य को सुंदर बनाने के लिए संज्ञा के स्थान पर सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है।
(2) संज्ञा की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए सर्वनाम का प्रयोग किया जाता है।

सर्वनाम

(1) मौलिक/मूल सर्वनाम
हिंदी में मूल सर्वनाम - (11)

(2) प्रयोग व व्याकरण के आधार पर सर्वनाम → (6)

✳ हिंदी में सर्वनाम के भेद - (6)

(1) पुरुषवाचक सर्वनाम → मैं, तू
(2) निश्चयवाचक सर्वनाम → यह, वह
(3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम → कोई, कुछ
(4) प्रश्नवाचक सर्वनाम → कौन, क्या
(5) संबंध वाचक सर्वनाम → जो, सो
(6) निज वाचक सर्वनाम → स्वयं, अपने-आप, खुद (1)

(2) (2) (2) (2) (2) → हिन्दी में मूल सर्वनाम (11)

पुरुषवाचक सर्वनाम: यह सर्वनाम तीनों पुरुषों का बोध कराता है।
↳ पुरुषवाचक सर्वनाम के तीन भेद होते हैं -

(प्रथम पु०) उत्तम पुरुष (वक्ता) → मैं, हम, हमारे, मुझे, मुझको
(द्वितीय पु०) मध्यम पुरुष (श्रोता) → तू, तुम (आप)
(तृतीय पु०) अन्य पुरुष (जिसके बारे में वक्ता और श्रोता बात कर रहे हो)
↳ वे, वह, ये, यह

* मैं अपनी जिम्मेदारी समझता हूँ। (उत्तम पु०)
* तुम कम बात किया करो (मध्यम पु०)
* वह अच्छा इंसान है। (अन्य पु०)
* उन्होंने मुझे कल एक कविता सुनाई (अन्य पु०)
* आप अपना काम कीजिए (मध्यम पु०)
* यह पढ़ने में कमजोर है। (अन्य पु०)
* यह दीपावली पर आएगा। (अन्य पु०)
*

सर्वनाम

PART→2

(2). **निश्चयवाचक सर्वनाम** — जिन सर्वनाम शब्दों से संज्ञा की निश्चितता का पता चलता है, वह सर्वनाम निश्चयवाचक सर्वनाम कहलाता है।

विशेष– निश्चयवाचक सर्वनाम में अधिकतर निर्जीव वस्तु का बोध होता है।

उदा०– (1) यह मेरी पुस्तक है। (2) वे मेरी कलमें हैं। (3) यह मेरी गाड़ी है।

⇒ यदि इस सर्वनाम में इसने/इन्होंने/उसने/उन्होंने का प्रयोग किया जाता है, तो वहाँ पर निर्जीव वस्तु का बोध है।

⇒ यह हमारी संस्कृति है, इसने हमें टूटने से बचाया है।

⇒ यह मेरे भाई की पुस्तक है (निश्चयवाचक है)

⇒ इसको संकेतवाचक सर्वनाम भी कहा जाता है।

विशेष

उदा०– (1) यह मेरा घर है। (2) वह मेरा पुराना दोस्त है। (अन्यपु०)

(3). **अनिश्चयवाचक सर्वनाम** — जो सर्वनाम निश्चित संज्ञा का बोध नहीं कराते हैं, वे अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

कोई (सजीव)
कुछ (निर्जीव)

उदा०–
(1). कोई बाहर से आवाज लगा रहा है।
(2). सर आपको कोई बुला रहा है।
(3). चाय में कुछ गिर गया।
(4). आज कुछ तो बात है।

(4). **प्रश्नवाचक सर्वनाम** — जिन सर्वनाम शब्दों से अपनी संज्ञा के बारे में प्रश्न किया जाता है।

जैसे → (कौन, क्या, किसका)

उदा०- (1) यह कौन-सी पुस्तक है ?
(2) यह रचना किस लेखक ने लिखी है?
(3) तुमने यह फोन कहाँ से खरीदा है?
(4) वह कौन है? जो तुमसे मिलने आया था?
(5) तुम्हारा क्या नाम है?
(6) यह लेखक कौन है?

(5). सम्बंधवाचक सर्वनाम

जो सर्वनाम शब्द आपस में संबंध बताने का कार्य करते हैं, वे शब्द संबंध वाचक सर्वनाम कहलाते हैं—

जैसे — जो, सो, वह, वे, जिसकी, उसकी, जैसा/वैसा जिन, उन, उन्हें आदि

उदा०- (1) जो लोग परिश्रमी नहीं होते हैं, वे लोग कभी भी सफलता प्राप्त नहीं कर पाते हैं।
(2) जो जीतेगा, वही सिकंदर
(3) जो सोता है, सो खोता है।
(4) जिसकी लाठी उसकी भैंस
(5) जैसी करनी वैसी भरनी।

(6). निजवाचक सर्वनाम

जो सर्वनाम शब्द कर्त्ता से निजत्व यानी पूरी तरह जुड़े होते हैं, वे शब्द निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

जैसे → स्वंय, खुद, अपने-आप, आप आदि।

उदा० (1) हमें अपना काम खुद करना चाहिए।
(2) किसान अपने खेत की देखभाल अपने आप करता है।
(3) हमें अपने-आप पर निर्भर रहना चाहिए।
(4) आपको अपना काम आप ही करना चाहिए।
(5) मैं अपनी कहानी स्वंय लिखूँगा—

आप यहाँ बैठिए। (पुरुषवाचक)
आप मुझसे बड़े हैं. (पु०वाचक)
आप कितने मासूम हैं। (पु०वाचक)

विशेषण

→ विकारी शब्द है

परिभाषा जो शब्द संज्ञा व सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, विशेषण कहलाते हैं।

उदा०— राम अच्छा है।
(विशेष्य) (विशेषण)
गाय काली है।
(विशेष्य) (विशेषण)

(1). विशेष्य –: जिसके बारे में बताया जाता है, या जो कहा जाता है।

(2). विशेषण –: जो बताया जाता है, या जिससे उसकी विशेषता का वर्णन करते हैं।

(3). प्रविशेषण –: विशेषण की भी विशेषता बताने वाले शब्द को प्रविशेषण कहते है और यह विशेषण पर पूरा बल देता है।

उदा०— राम अच्छा है → राम बहुत अच्छा है।
(विशेष्य) (विशेषण) (विशेष्य) (प्रविशेषण) (विशेषण)

1. मोदी जी अच्छे व्यक्ति हैं।
2. मोदी जी बहुत अच्छे व्यक्ति हैं।
3. नौशाद काला है। नीरज पीला है।
4. वह ईमानदार है।
(विशेष्य) (विशेषण)

विशेषण के भेद → चार (4)

(1) गुणवाचक विशेषण
(2) संख्यावाचक विशेषण → निश्चित संख्यावाचक, अनिश्चित संख्यावाचक
(3) परिमाणवाचक विशेषण
(4) सार्वनामिक विशेषण → निश्चित परिमाण, अनिश्चित परिमाण

→* गुणवाचक विशेषण –: जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा व सर्वनाम के गुण दोष, रंग का पता चलता है, वे शब्द गुणवाचक

विशेषण होते है।

उदा.- → बाग में मीठे आम है।
→ शीतल काली है।
→ कृष्ण काला है।
→ राधा गोरी है।
→ पृथ्वी नीली है।

1. आम ताजा है
2. अंगूर मौसमी है। — गुणबाचक समयबोधक विशेषण
3. घर नया है।

(2). दशा-: 1. राम पतला है।
2. मोहन मोटा है।
3. सीता बीमार है।

(3). स्थान-: 1. मेरा घर बड़ा है।
2. मेरी गाड़ी लम्बी है।

(4). आकार-: गोल, चकोर, सुडौल आदि।

(5). रंग बोधक-: काला, पीला, हरा, लाल, गुलाबी आदि।

(6). संज्ञा बोधक-: बनारसी, बिहारी, बंगाली, जयपुरी पंजाबी आदि।

Ques निम्न वाक्य में विशेषण कौन-सा होगा?
"रुचि मेहनती लड़की है।"
(A) रुचि (B) मेहनती [✓] (C) लड़की है (D) NOTA

Ques भोले शंकर बड़े भोले है-
(विशेष्य) ↓ (विशेषण)
(प्रविशेषण)

विशेषण

PART→2

(2). संख्यावाचक विशेषण : जिन विशेषण शब्दों से संज्ञा व सर्वनाम संख्या का बोध है, वे शब्द संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं।

उदा०- दस, पुरुष, बीस बकरी, कुछ गाय, कुछ कलम हजारों पुरुष

संख्यावाचक विशेषण के भेद दो होते हैं।

(i) निश्चित संख्यावाचक विशेषण
(ii) अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण

✳ निश्चित संख्यावाचक विशेषण से एक निश्चित संख्या का पता चलता है।

उदा०- पचास लड़कियाँ, पचास आदमी, बीस लड़के
एक कलम, दो पुस्तक

✳ अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण में निश्चित संख्या का बोध नहीं होता है।

उदा०- हजारों व्यक्ति
लगभग दो सौ लड़कियाँ
मेले में असंख्य लोग थे।
बहुत सारी पुस्तकें, लगभग पचास केले।

✳ विशेष निश्चित संख्यावाचक विशेषण के भेद :→ (6)

(1). गणना (पूर्णांक) → एक, दो, तीन, दस, हजार, दस हजार आदि।

(2). अगणनीय (अपूर्णांक) → सवा, ढ़ाई, साड़े तीन, डेढ़

(3). क्रमवाचक → पहला, दूसरा, तीसरा, चौथा, पाँच वाँ आदि।

(4). आवृत्तिवाचक → दो गुना, तीन गुना, चार गुना आदि।

(5). समूहवाचक → दोनों, तीनो, चारों, पाँचों आदि।

(6). प्रत्येक बोधक → हर एक, प्रत्येक, एक-एक

Ques. राहुल कक्षा में शुरू से तीसरा है। रेखांकित शब्द में विशेषण बताओ?
(A) गणनावाचक
(B) आवृत्तिवाचक
(C) समूह वाचक
(D) क्रमवाचक [✓]

(3). परिमाणवाचक विशेषण : जो विशेषण शब्द, संज्ञा, सर्वनाम की माप (नाप) तौल का बोध कराते हैं, वे शब्द परिमाण वाचक विशेषण कहलाते हैं।

उदा०→ 2 मीटर कपड़ा, 10 किलो आटा, कुछ पानी कुछ कपड़ा, थोड़ा दूध आदि।

✓ मोहन ने 2 किलो अदरक खरीदी।
✓ राम ने 1 दर्जन केले खरीदे।

1 दर्जन = 12 केले

परिमाणवाचक के → दो भेद होते हैं—

→ निश्चित परिमाण → ex 1 गिलास जूस, 1 गिलास पानी, आधा गिलास, 10 किलो चीनी, 2 किलो आम, 2 मीटर कपड़ा

→ अनिश्चित परिमाण → ex थोड़ा पानी, कुछ आटा, बहुत दूध, थोड़ा जूस, कुछ कपड़ा आदि।

✓ मुझे थोड़ा घी चाहिए। (अनिश्चित परिमाणवाचक)

(4). सार्वनामिक विशेषण (संकेतवाचक विशेषण) → वे सर्वनाम शब्द जो किसी संज्ञा शब्द से पहले आकर उसकी विशेषता बताते हैं, वे उसकी ओर संकेत देते हैं, सार्वनामिक विशेषण कहलाते हैं (संकेतवाचक विशेषण)

उदा०— ✓ वह घर मेरा है। (वह: सार्वनामिक विशेषण, सर्वनाम; घर: संज्ञा) ✓ कोई बालक रो रहा है।
✓ वह लड़का पढ़ता है। ✓ वह पुरुष, ✓ यह महिला

Ques वह कार मेरी है, वाक्य में कौन-सा विशेषण है—: (D) सार्वनामिक विशेषण

यह कलम मेरी है। → सार्वनामिक विशेषण
यह मेरी कलम है। → निश्चयवाचक सर्वनाम

क्रिया (विकारी)

परिभाषा किसी कार्य का करना या होना क्रिया कहलाता है।

⇒ क्रिया का मूल रूप धातु है। खाना, पीना, पढ़ना, लिखना, सोना, रोना आदि।

धातु ← लिख + ना → लिखना (क्रिया)
(प्रत्यय)

⇒ धातु में 'ना' प्रत्यय जोड़कर क्रिया का निर्माण किया जाता है।

उदाहरण:

धातु		प्रत्यय		क्रिया
पढ़	+	ना	→	पढ़ना
लिख	+	ना	→	लिखना
जा	+	ना	→	जाना
सो	+	ना	→	सोना
खा	+	ना	→	खाना

→ राम खाना खा रहा है।
→ राम पढ़ रहा है।
→ बच्चा रो रहा है।
(रोना)

Q राजू पढ़ रहा है, वाक्य क्रिया बताओ –
(A) अकर्मक क्रिया (✓)
(B) सकर्मक क्रिया
(C) द्विकर्मक क्रिया
(D) संयुक्त क्रिया

Q राम पत्र लिख रहा है।
(कर्त्ता) (कर्म) (लिखना) (क्रिया)

① क्रिया का विभाजन दो प्रकार से किया जाता है।

(रचना व बनावट के आधार पर कर्म के आधार पर) (दो)
1. अकर्मक
2. सकर्मक

(प्रयोग के आधार पर) (पाँच)
1. प्रेरणा बोधक क्रिया
2. पूर्वकालिक क्रिया
3. सामान्य क्रिया
4. नामधातु क्रिया
5. संयुक्त क्रिया

अकर्मक क्रिया

अ + कर्मक → जिस क्रिया का प्रभाव कर्म पर ना पड़कर सीधा कर्त्ता पर पड़ता है, वहाँ अकर्मक क्रिया होती है।

बिना + कर्म

कर्त्ता + क्रिया
कर्म X

विशेष → इस क्रिया में (क्या, किसे, किसको) का उत्तर नहीं मिलता है।

उदा०- राम खाता है।
बच्चा रोता है।
मोहन सोता है।
मोर नाचता है।
शीला हँसती है।
पक्षी आकाश में उड़ते हैं।
मोहन जा रहा है।

सकर्मक क्रिया

स + कर्मक
साथ कर्म के

→ सकर्मक क्रिया में क्रिया का प्रभाव कर्त्ता पर नहीं पड़ता है, सीधा कर्म पर पड़ता है।

विशेष इस क्रिया के वाक्यों में (क्या, किसे, किसका) उत्तर मिलता है।

उदा०-
1. गगन पत्र लिखता है।
(कर्त्ता) (कर्म) (क्रिया)
2. शीला गाना गा रही है।
(कर्त्ता) (कर्म) (क्रिया)
3. नीरज आम खाता है।
4. मोहन पाठ पढ़ता है।
5. अध्यापक पढ़ा रहे हैं। → अकर्मक
6. अध्यापक हिंदी पढ़ा रहे हैं। → सकर्मक
7. पिताजी चाय पी रहे हैं।
8. विशाल उपन्यास लिख रहा है।
(कर्त्ता) (कर्म) (क्रिया)
9. पंकज समोसे खा रहा है।
(कर्त्ता) (कर्म क्रिया)
10. माताजी खाना बना रही है।
(कर्त्ता) (कर्म) (क्रिया)

क्रिया

PART→2

→ सकर्मक क्रिया के भेद (दो) होते हैं-
(1) एक कर्मक
(2) द्विकर्मक

(1). एक कर्मक :- जिस क्रिया में एक कर्म पाया जाता है, उसे एककर्मक सकर्मक कहते हैं।

उदा०- राम सेब खाता है।
मोहन चाय पीता है।

(2). द्विकर्मक :- जिस क्रिया में दो कर्म पाए जाते है, द्विकर्मक सकर्मक क्रिया कहलाती हैं।

उदा०- शीला गाय को (कौन) (किसको) चारा (क्या) खिलाती है।
(गौण कर्म) (मुख्य कर्म) (निर्जीव कर्म)
(सजीव कर्म)

→ क्या, किसको, कौन

⇒ माँ बच्चे को दूध पिलाती है।
(कर्त्ता) (गौण कर्म) (मुख्य कर्म) (क्रिया)

⇒ अध्यापक छात्रों को हिंदी पढ़ाते है।
(कर्त्ता) (गौण कर्म) (मुख्य कर्म) (क्रिया)

✳ अर्थ के आधार पर क्रिया के भेद → (पाँच)

(1) प्रेरणार्थक क्रिया- जहाँ पर वाक्य कर्त्ता स्वयं कार्य नहीं करता तथा दूसरे को कार्य करने के लिए प्रेरित करता है, वहाँ प्रेरणार्थक क्रिया होती है।

शाब्दिक अर्थ प्रेरित करना

उदा०- माताजी ने पिता जी से सब्जी मगवायी।
मास्टर जी ने छात्रों से पढ़वाया।

(2) पूर्वकालिक क्रिया : जब वाक्य का कर्ता एक क्रिया समाप्त करके उसी समय दूसरी क्रिया शुरू करता है, तो पहले वाली क्रिया पूर्व कालिक क्रिया कहलाती है।
(पहले काल का समय)

उदा.- राकेश पढ़कर सो गया।
(पूर्वकालिक) (दूसरी क्रिया)
→ बच्चा दूध पीकर खेलने लगा।

(3) नामधातु क्रिया : वे क्रियाएँ जिनका निर्माण संज्ञा, सर्वनाम तथा विशेषण से होता है, नामधातु क्रिया कहलाती है।

उदा.- बात → बतियाना
हाथ → हथियाना
शरम → शर्माना
झूठ → झुठलाना
पीला → पीला पड़ना
गरम → गरमाना
(गर्म)

(4) सामान्य क्रिया : जब वाक्य में एक ही क्रिया का प्रयोग किया जाता है। वहाँ सामान्य क्रिया होती है।

उदा.- मोहन सोता है
(क्रिया) (सहायक क्रिया)
→ मोहन पढ़ा → राम दौड़ा
→ सीता खेली → सोहन रोया।
→ माताजी ने खाना बनाया।
→ राम ने खाना खाया।

(5) संयुक्त क्रिया : जब दो या दो से अधिक क्रियाएँ एक साथ आती हैं, वहाँ पर संयुक्त क्रिया होती है।

उदा.- राकेश हमारे घर आता-जाता रहता है। (आना-जाना)
मोहन पत्र लिखने लगा। (लिखना-लगना)
शीला पाठ पढ़ने लगी। (पढ़ना-लगना)

विशेष → संयुक्त क्रिया के भेद : (11).

सजातीय क्रिया

धातु

चढ़ → चढ़ना → चढ़ाई

पढ़ → पढ़ना → पढ़ाई

क्रियात्मक क्रिया

* टहलना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है।

अनुकरणात्मक क्रिया

हिन-हिनाना

भिन-भिनाना

राम पत्र लिख रहा है → सहायक क्रिया
(मुख्य क्रिया को स्पष्ट करती है)

अव्यय

(अविकारी)

अ (नहीं) + व्यय (खर्च)

परिभाषा : जिन शब्दों में लिंग, वचन, काल, कारक के आधार पर कोई विकार (बदलाव) नहीं होता है, उसे अव्यय कहते हैं।

उदा०- यहाँ, वहाँ, लेकिन, परंतु, इसलिए, और, सहित, या, धीरे-धीरे, जल्दी-जल्दी, प्रतिदिन, दिन भर आदि।

→ राम मधुर गाता है।
→ सीता मधुर गाती है।
→ मुस्कीम अचानक आ गया।
→ रेशमा अचानक आ गयी।

अव्यय के भेद → पाँच

(1). क्रिया विशेषण अव्यय
(2). संबंध बोधक अव्यय
(3). समुच्चय बोधक अव्यय
(4). विस्मयादि बोधक अव्यय
} मुख्य भेद
(5). निपात / शौण भेद

(1) क्रिया विशेषण :- क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को क्रिया विशेषण कहते हैं।

संज्ञा, सर्वनाम → विशेषण
विशेषण → विशेषण
क्रिया → क्रिया विशेषण

(1) राम अच्छा लिखता है।
(क्रिया विशेषण) (क्रिया)
(2) मोहन तेज दौड़ता है।
(3) कविता खाना अच्छा बनाती है।

क्रिया विशेषण के भेद → (4)

(i) स्थानवाचक/स्थिति वाचक क्रिया विशेषण
(ii) काल (समय) वाचक क्रिया विशेषण
(iii) परिमाण वाचक क्रिया विशेषण
(iv) रीतिवाचक क्रिया विशेषण (ढंग/तरीका)

(1). स्थान वाचक क्रिया विशेषण → क्रिया के स्थान (जगह) का पता चलता है।

उदा०- (1) मनीष अपर चढ़ रहा है।
(2) तोता पेड़ पर बैठा है।
(3) मोहन का घर मेरे दाएँ वाली गली में है।
(4) सीमा इधर गयी है।

(2). काल (समय) बोधक क्रिया विशेषण

→ इसके क्रिया के समय का पता चलता है।

उदा०- (1) वह अब पानी पी रहा है।
(2) राम इस समय पढ़ रहा है।
(3) मोहन लगातार मेहनत कर रहा है।
(4) राम आजकल कम दिखाई देता है।

(3). परिमाण वाचक क्रिया विशेषण

→ इससे क्रिया की मात्रा का बोध होता है।

(1) अभिषेक बहुत खाता है।
(क्रिया)
(क्रिया-विशेषण)
(2) ज्यादा से ज्यादा पानी पियो।
(3) कम मात्रा में भोजन करो।
(4) राम बहुत तेज दौड़ता है।
(5) मोहन कम पढ़ता है।

(4). रीतिवाचक वाचक क्रिया विशेषण → जिन शब्दों से क्रिया करने के ढंग का पता चलता है, वह रीतिवाचक क्रिया विशेषण होते हैं।
→ (ढंग, तरीके, लिहाज)

उदा०- (1) सीता धीरे-धीरे चलती है।
(2) राम ध्यान से पढ़ता है।
(3) रोशनी सही से खाती है।
(4) हिंदी के अध्यापक लिख कर पढ़ाते हैं।
(5) अचानक बादल गरजने लगे।

(2) संबंध बोधक अव्यय –: जो शब्द संज्ञा, सर्वनाम के बाद आते हैं, तथा दूसरे संज्ञा, सर्वनाम से सम्बंध बताते हैं।

उदा०- (1) पेड़ पर बिल्ली बैठी है।
(संज्ञा) (संज्ञा)
(संबंध)
(2) मोहन राधा के संग थूकने गए है।
(3) धन के बिना जीवन अधूरा है।
(4) गाँव के बाहर तालाब है।

(3). समुच्चय बोधक अव्यय –: जो अव्यय दो वाक्यो, दो शब्दो को आपस मे जोड़ते है, समुच्चयबोधक कहलाते है।

उदा०- (1) अमित और सुमित सो रहे है।
(2) राम को बहुत समझाया परंतु उसकी समझ मे नहीं आया।
(3) दिन निकला और पक्षी चहचहाने लगे।

(4). विस्मयादि बोधक अव्यय –: जिस वाक्य मे घृणा, प्रेम, आश्चर्य, अचरज का भाव प्रयोग होता है।

उदा०- (1) भगवान! मेरे दोस्त की रक्षा करो।
(2) वाह! ममी मजा आ गया।
(3) छि: छि: कितना गंदा दृश्य है।
(4) शाबाश! तुम ऐसे ही आगे बढ़ो।

(5) निपात –: गौण भेद
जो शब्द वाक्य मे भार डालते है।
जैसे- (1) आज मैं ही खाना बनाऊँगा।
(2) किसान दिन भर खेत जोतता रहा।

कारक

→ कारक का शाब्दिक अर्थ → क्रिया को करने वाला
→ हिंदी में कारक के भेद → आठ (संबंध, संबोधन)

परिभाषा → संज्ञा या सर्वनाम का सही रूप जो उसका संबंध क्रिया के साथ बताता है कारक कहलाता है।

उदा०- तोता पेड़ (पर) बैठा है।
→ (कारक चिन्ह, परसर्ग/विभक्ति)

→ संज्ञा या सर्वनाम संबंध जो क्रिया से बताते हैं, वे परसर्ग, विभक्ति होते हैं।

कारक	विभक्ति	लक्षण
कर्ता	ने	क्रिया करने वाला
कर्म	को	जिस पर क्रिया का प्रभाव पड़े
करण (साधन) (अंग-शंग)	साधन → से / के द्वारा	जिस साधन से क्रिया की जाए
संप्रदान	के लिए, के वास्ते	जिसके लिए क्रिया हो
अपादान	से (अलगाव)	जहाँ पर अलग होने का बोध हो
संबंध	का, की, के, रा, री, रे	जिससे संज्ञा या अन्य पदों से संबंध स्थापित होता है।
अधिकरण	में, पर (को) समूय का बोध	क्रिया होने का आधार
संबोधन	अरे, ओ, अ, हे	जिससे संबोधित किया जाए।

(1) कर्ता कारक (ने) → क्रिया को करने वाला → सकर्मक भूतकाल

उदा० - राम ने पत्र लिखा।
सीमा ने खाना खाया।
मोहन सो रहा है।
पिता जी खाना खा रहे हैं।
सोहन अब पढ़ेगा।

(2) कर्म कारक (को) क्रिया का प्रभाव जिस पर पड़ता है, वह कर्म कारक होता है

उदा०- → राम ने धोबी को कपड़े दिए। → हार्दिक ने भैंस को पानी पिलाया।
→ नीरज को गुरुजी ने पीटा। → टीकम ने राहुल को पुस्तक दी।
→ राम ने रावण को मारा।

(3) करण कारक -: (साधन) से/के द्वारा - जिससे क्रिया को करने का पता चलता है।

उदा०- माँ ने चॉकू (से) सब्जी काटी।
→ राहुल मशीन द्वारा कपड़े धोता है।
→ ज्योति ने कलम से पत्र लिखा।
→ बच्चे बस द्वारा पाठशाला जाते हैं।
→ गोपाल साइकिल से बाजार जाता है।

विशेष — अंग भंग : की स्थिति में करण कारक होता है।

उदा०- राम पैर से लंगड़ा है।
मोहन आँख से अंधा है।

साधन → पैर, आँख

Ques गोपाल कलम से कहानी लिखता है।
" वाक्य में कारक बताओ -
(A) कर्ता (B) करण ✓ (C) अपादान (D) कर्म

(4). संप्रदान कारक -: (के लिए, के वास्ते)
→ वाक्य का कर्ता जिसके लिए कोई कार्य करता है, वह संप्रदान कारक होता है।
→ इस कारक में कोई भी वस्तु हमेशा के लिए दी जाती है।

उदा०- राहुल रोशनी के लिए अखबार लाया।
श्याम माँ के लिए दवाई लाया।
राजा ने भिखारी को (के, लिए) कपड़े दिए।

(5). अपादान कारक -: (से) इस कारक में अलगाव का बोध होता है।

उदा०- हिमालय से गंगा निकलती है।
राम दिल्ली से जयपुर जाता है।
पेड़ से पत्ते गिरते है। बिल्ली छत से कूद गई।
सीता, गीता से सुंदर है (तुलना)
शेम्पू साँप से डरती है (भय, डर)

(6). संबंध कारक -: (का, की, के, रा, री, रे) → जिस वाक्य में संज्ञा, सर्वनाम वाक्य के अन्य संज्ञा, सर्वनाम से संबंध बताते है--

उदा०- मोहन के पिता जी मास्टर है।
राम मेरा छोटा भाई है।
मेरे मामा दिल्ली रहते है।
मेरा पेन नीला है।
मेरा दोस्त करोड़पति है।

(7). अधिकरण कारक :- (में, पर) → जिस कारक से क्रिया के आधार का पता चलता है।

उदा०- राम घर में पढ़ रहा है।
पक्षी डाल पर बैठा है।
पुस्तक मेज पर रखी है।

(8). संबोधन कारक : (हे, अरे, ओ, अरी) इस कारक का प्रयोग संबोधित करने में किया जाता है।
(!)

उदा०- हे भगवान! रक्षा करो।
अरे भाई! उधर मत जाओ।
ओ! जरा सुनो।

समय बोधक

उदा० भैया शाम को आएंगे।

वाच्य

↳ वाच्य का शाब्दिक अर्थ → बोलने का ढंग/तरीका

परिभाषा :→ जिस वाक्य में क्रिया को करने वाले कर्ता, कर्म, भाव की पहचान होती है, वह 'वाच्य' कहलाता है।

वाच्य के भेद → तीन भेद

1. कर्तृ वाच्य (कर्त्ता) → ने, शून्य विभक्ति (नहीं होगी)
2. कर्म वाच्य (कर्म) → कर्ता निर्जीव, यदि कर्ता सजीव → के द्वारा
3. भाव वाच्य (भाव) → कर्त्ता (से), नकारात्मक/एकवचन
   ✓ अन्यपुरुष

उदाहरण:

(1) राम ने आम खाया। (कर्तृ वाच्य)
(2) पेन चलाया गया। (कर्म वाच्य)
(3) उससे बैठा नहीं जाता। (भाव वाच्य)
(4) गाड़ी चल रही है। (कर्म वाच्य)
(5) रोगी से घूमा नहीं जाता। (

कर्तृ वाच्य- जिस वाक्य में कर्ता की प्रधानता होती है और कर्त्ता के ने विभक्ति मिलती है, नहीं भी मिलती है।

1. शीतल ने पत्र लिखा। (किसने, क्या)
2. राम ने सेब खाया।
3. रूचि पढ़ रही है।

कर्म वाच्य- जिस वाक्य में कर्म की प्रधानता होती है और कर्ता निर्जीव भी आता है तथा सजीव कर्ता 'के द्वारा' लगा होता है।

1. पत्र लिखा गया।
2. कहानी सुनाई गई।
3. किसान के द्वारा खेत जोता गया।
4. माता जी के द्वारा भजन सुना गया।
5. बल्ब जलाया गया

भाव वाच्य - जिस वाक्य में भाव की प्रधानता होती है और कर्ता के साथ (से) का प्रयोग किया जाता है।

अन्य पुरुष / एकवचन / नकारात्मकता का बोध होता है।

* दादी से चला नहीं जाता।
* रोगी से बैठा नहीं जाता।
* सर्दी में उससे पढ़ा नहीं जाता।
* मोहन से काम नहीं आता।

Q चाय खदक रही है, वाक्य में कौन-सा वाच्य का प्रयोग हुआ—

(A) कर्तृवाच्य
(B) कर्मवाच्य [✓]
(C) भाववाच्य
(D) इनमें से कोई नहीं

काल

शाब्दिक अर्थ → समय [✓]
मृत्यु [X]

परिभाषा → क्रिया का वह रूप जिससे हमें यह ज्ञात होता कि क्रिया के होने का समय (वक्त) क्या था, समय/काल कहलाता है।

⇒ काल के तीन भेद होते हैं—

(1). भूतकाल (बीता हुआ समय)

(2). वर्तमान (जो समय चल रहा है)

(3). भविष्य काल (आने वाला समय)

उदाहरण
(i) राम पढ़ता है।
(ii) राम आया था।
(iii) राम आएगा।

भूतकाल → जिस वाक्य में क्रिया का बीते समय में होने का पता चलता है, उसे भूतकाल कहते हैं।

उदाहरण
राम पढ़ चुका था।
राम खेल कर आया है।

भूतकाल के भेद → (6) भेद

- #सामान्य भूतकाल
- #आसन्न भूतकाल
- #पूर्ण भूतकाल
- #अपूर्ण भूतकाल
- #संदिग्ध भूतकाल
- #हेतुहेतुमद भूतकाल

सा० भूत काल → क्रिया के होने का कोई निश्चित समय का पता नहीं चलता है।

उदाहरण
राम आया, सीता ने खाना खाया।
मोदी जी ने भाषण दिया।
अकबर ने पुस्तक पढ़ी।

मोहन गया।
मैंने आम खाया।
मोहिनी गयी।

आसन्न भूतकाल → सा० भूतकाल के वाक्यों के अंत में 'है' लगाकर आसन्न भूतकाल के वाक्य बनते हैं।

उदाहरण
राम आया है।
सीता ने पुस्तक पढ़ी है।
सीता बाजार गयी है।
मोहन जयपुर गया है।
समय हो गया है।
मैं अभी सोकर उठी हूँ।

काल

PART→2

(3). पूर्ण भूतकाल : क्रिया का बीते हुए समय में पूर्ण होने का बोध होता है।

उदा०- पिता जी चाय पीकर घूमने गए थे।
→ मोहन पत्र लिख चुका था।
→ राम ने गाना गाया था।
→ नीरज सर ने हमको सब कुछ पढ़ाया था।

(4). अपूर्ण भूतकाल : जो क्रिया बीते समय में पूर्ण नहीं हुई थी, और वह जारी थी।
→ रहा था, रही थी, रहे थे

उदा०- → ममता गीत गा रही थी।
→ माता जी खाना बना रही थी।
→ पिता जी दफ्तर जा रहे थे।
→ राम पढ़ रहा था।
→ किसान खेत जोत रहा था।

(5). संदिग्ध भूतकाल : क्रिया का भूतकाल में होने का संदेह होता है।
(सा० भूतकाल + होगा)

उदा०- राम आया होगा-
→ गीता ने खाना खा लिया होगा।
→ पिता जी ने अखबार पढ़ लिया होगा।
→ नेहा पढ़ी होगी।
→ शीतल गयी होगी।

(6). हेतुहेतुमद भूतकाल : इस काल के वाक्यों में दूसरी वाली क्रिया पहली वाली क्रिया पर आश्रित होती है।

उदा०- यदि 2023 SSC-GD में पढ़ लेते तो आप कहीं पोस्टिंग होते -
→ यदि वर्षा होती तो फसल अच्छी होती।
→ यदि पढ़ लेते तो सफल हो गए होते।

वर्तमानकाल → (जो समय चल रहा है)
→ इन वाक्यों में वर्तमान समय में क्रिया होने का बोध होता है।

→ वर्तमान काल- 5 प्रकार के होते हैं-

(1). सा० वर्तमान काल: जिन वाक्यों के अंत में ता है, ती है, ते है, आता है।

उदा०- सीता कपड़े सिलती है।
→ पक्षी आकाश में उड़ते हैं।
→ हमारे पिताजी चाय पीते हैं।
→ राम पढ़ता है।
→ मोहन खेलता है।
→ खिलाड़ी खेलते हैं।

(2). अपूर्ण वर्तमान: जो क्रिया वर्तमान काल में चल रही है।

उदा०- → बच्चे कक्षा में पढ़ रहे हैं।
→ माता जी खाना बना रही है।
→ पिता जी खाना खा रहे हैं।
→ बच्चे मैदान में खेल रहे हैं।
→ राम पढ़ रहा है।
→ सीता कपड़े सिल रही है।
→ दादी पाठ टहल रही है।
→ किसान खेत जोत रहा है।
→ पक्षी आकाश में उड़ रहे हैं।
→ मास्टर जी हिंदी पढ़ा रहे हैं।

काल

PART-3

वर्तमान काल

(3) पूर्ण वर्तमान काल : जिन वाक्यों से यह पता चलता है कि क्रिया चल रहे समय में ही पूर्ण हो गयी है।

उदा०- मैंने फल खाँए हैं।
→ राम पाठ पढ़ चुका है।
→ मैं खेल चुका हूँ।
→ सीता अपना कार्य समय पर पूरा कर चुकी है।
→ श्याम ने गेंद खेली है।

(4) संदिग्ध वर्तमान काल

→ सा० वर्तमान काल के अंत में होगा लगाने से संदिग्ध वर्तमान काल बनता है।

उदा०- प्रियंका पढ़ती होगी।
→ जथा खाना खाती होगी।

(5) संभाव्य वर्तमान काल

→ अपूर्ण वर्तमान काल के वाक्यों के अंत में होगा लगाने से संभाव्य वर्तमान काल बनता है।

उदा०- माता जी खाना बना रही होगी।
→ भाई खेल रहा होगा।
→ शीतल पत्र लिख रही होगी।

भविष्य काल

→ जो क्रिया आगे आने वाले समय का बोध कराती है, भविष्य काल कहलाता है।

उदा०- वह बाजार जाएगा।
→ सीता खाना खाएगी।

⇒ भविष्य काल के तीन भेद होते हैं—

(i) सा० भविष्य काल
(ii) संभाव्य भविष्य काल
(iii) हेतु- हेतु मद् भविष्य काल

(1). सा० भविष्य काल – क्रिया का आने वाले समय में होने का बोध कराने वाले वाक्य सा० भविष्यकाल के वाक्य होते हैं।

एगा, एगी, एगे आदि

उदा०- बच्चे पाठ पढ़ेंगे।
→ मैं I.A.S बनूँगा।
→ मैं इस वर्ष सरकारी नौकरी पा लूँगा।
→ संजना पत्र लिखेगी।

(2). संभाव्य भविष्य काल – जो वाक्य शायद, संभवत: से शुरू होते हैं वे वाक्य संभाव्य भविष्यकाल के होते हैं

उदा०- शायद आज वर्षा होगी।
→ शायद आज हमारी हिंदी पूरी हो जाएगी।
→ संभवत: आज वो मुझे मिल जाएगी।
→ हो सकता है कि कल मैं क्लास न लूँ।
→ शायद इस वर्ष फसल अच्छी होगी।

(3). हेतु हेतुमद भविष्य काल – इस काल के वाक्यों में पहली वाली शर्त पर दूसरी शर्त लागू होती है।

उदा०-
→ यदि हम परिश्रम करेंगे, तो फल अवश्य मिलेगा।
→ यदि वर्षा होगी, तो फसल अच्छी होगी।
→ यदि छुट्टियाँ मिली, तो मैं मामा के यहाँ घूमने जाऊँगा।
→ यदि हम RWA से पढ़ेंगे, तो नौकरी जरूर लेंगे।

Q भविष्य काल के वाक्य का चयन करिए–
(A) मोहिनी सोकर उठी है।
(B) राम पढ़ रहा है।
(C) मैं कल जम्मू-कश्मीर जाऊँगा। [✓]
(D) किसान खेत जोत रहा था।